मेरी एक टांग नकली है...' वेलकम फिल्म के डायलॉग से मशहूर हुए मुश्ताक खान नहीं रहे, 56 की उम्र में निधन

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 33
न्यूनतम - 29

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 266 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शुक्रवार 25 सितम्बर 2026 ● भाद्रपद शुक्ल 13 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बड़ी पहल

उत्तर प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र के 500-500 युवाओं को मिलेगी नौकरी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए सेवायोजन विभाग नई पहल करने जा रहा है।

मुख्यमंत्री रोजगार मिशन के तहत पहली बार प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में वृहद रोजगार मेला लगाया जाएगा। प्रत्येक विधानसभा में आयोजित होने वाले मेले के माध्यम से 500 युवाओं को नौकरी का अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। इससे स्थानीय स्तर पर बेरोजगार युवाओं को कंपनियों तक पहुंचने और अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार पाने का मौका मिलेगा।

आजमगढ़ में पत्नी-बेटे, दो पुजारियों को मारने वाले का एनकाउंटर

● पूजा कराने से नाराज था, पति के साथ पत्नी-बेटे का एक चिता पर अंतिम संस्कार

आजमगढ़ (एजेंसी)। यूपी के आजमगढ़ में पत्नी, बेटे और दो पुजारियों की हत्या करने वाला आरोपी एनकाउंटर में मारा गया। पकड़े जाने के डर से उसने अपने 3 बच्चों को कमरे में बंधक बना लिया। 7 घंटे बाद उसने बेटे पर गोली चला दी। इसके बाद एटीएस, एसओजी ने हत्यारे अरविंद सिंह (42) को मार गिराया।

दिल्ली में नाबालिग से रेप, 12 दिन में चौथा मामला

● सोशल मीडिया पर दोस्ती कर होटल में बुलाया, आरोपी फरार, पास्को में केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वजीराबाद इलाके की एक होटल में नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी और पीड़ित दोनों वजीराबाद के रहने वाले हैं। आरोपी ने सोशल मीडिया पर लड़की से दोस्ती की और मंगलवार को उसे होटल में बुलाया।

घटना के बाद लड़की घर पहुंची और परिवार को पूरी बात बताई। इसके बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल कराया और उसका बयान दर्ज किया।

पहली बार मिला सीधा रेडियो सिग्नल, बड़ी कामयाबी

वैज्ञानिकों को ब्रह्मांड में मिल गई दूसरी 'पृथ्वी'!

वैज्ञानिक इस सिग्नल को बेहद अहम मान रहे हैं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। खगोलविदों ने पहली बार हमारे सौर मंडल के बाहर एक ग्रह से सीधे रेडियो सिग्नल का पता लगाया है। इससे पृथ्वी के बाहर जीवन की संभावना वाले गृह को लेकर नई उम्मीद जगी है। अभी तक पृथ्वी के बाहर किसी और जीवन का कोई सबूत नहीं मिला है लेकिन वैज्ञानिक लगातार ऐसे संकेतों की तलाश में हैं, जिनसे पता चल सके कि ब्रह्मांड में हम अकेले नहीं हैं। यह नई खोज इस दिशा में नए रास्ते खोल सकती है।

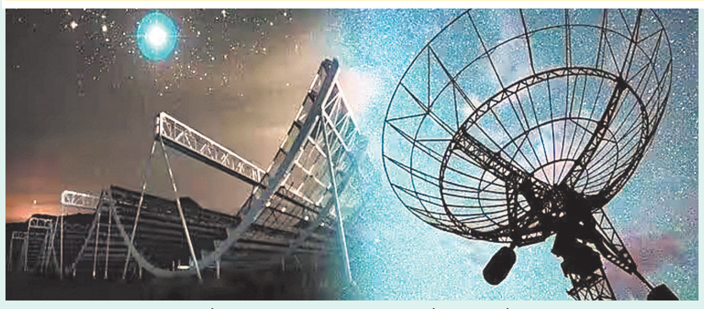

हार्वर्ड और स्मिथसोनियन के सेंटर फॉर एस्ट्रोफिजिक्स और यूनिवर्सिटी ऑफ ओरेगन की टीम ने पहली बार एक्सोप्लैनेट (सौर मंडल के बाहर का ग्रह) से सीधे आने वाला रेडियो सिग्नल खोजा है। खास बात ये है कि यह एलियंस का संपर्क करने का प्रयास नहीं है। इससे पहले ग्रहों वाले सिस्टम में रेडियो सिग्नल का पता चला था लेकिन यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता था कि वे सिग्नल उन ग्रहों से आ रहे हैं या उन तारों से जिनके चारों ओर वे ग्रह घूमते हैं। खगोलविद कुछ समय से एक्सोप्लैनेट्स (सौर मंडल के बाहर के ग्रहों) से रेडियो सिग्नल की तलाश कर रहे हैं।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

लाइव साइंस के मुताबिक, यह सिग्नल एक्सोप्लैनेट के ऑरोरा से आ रहा है, जो चार्ज्ड पार्टिकल्स के वायुमंडलीय और चुंबकीय क्षेत्र की स्थितियों के साथ इंटरैक्ट करने और ऊर्जा छोड़ने से बनते हैं। पृथ्वी पर भी ऑरोरा होते हैं, जो उत्तरी और दक्षिणी रोशनी के रूप में दिखाई देते हैं। रिसर्चर का कहना है कि सौर मंडल के ग्रहों और कुछ अल्ट्रा-कूल ड्वार्फ में ऑरोरल रेडियो बर्स्ट देखे गए हैं लेकिन पहले कभी किसी एक्स्ट्रा-सोलर ग्रह से रेडियो सिग्नल का पता स्पष्ट रूप से नहीं लगाया गया है।

आईआईटी-बॉम्बे सुसाइड केस, राहुल गांधी ने माता-पिता से बात की

● साहिल ने मौत से पहले दोस्त को फोन किया था, कहा- गलती हो गई

मुंबई (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की मौत के बाद परिजन प्रदर्शन कर रहे हैं। साहिल ने 18 सितंबर को हॉस्टल में सुसाइड कर लिया था।

राहुल गांधी ने आईटीटी बॉम्बे के स्टूडेंट साहिल वाकोडे के माता-पिता रवींद्र और सोनाली से वीडियो कॉल पर बात की। उन्होंने दोनों को मदद का भरोसा दिया। मीडिया सूत्रों ने गुरुवार को जानकारी दी।

वहीं, मौत से कुछ घंटे पहले साहिल ने फोन पर अपनी करीबी दोस्त से बात की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसने थर्मोडायनेमिक्स का पेपर खराब होने की बात कही और कहा था- मुझसे गलती हो गई।इसके बाद साहिल ने दोस्त के फोन का जवाब नहीं दिया।

नोएडा में चलती स्लीपर बस में आग, 9 जिंदा जले

बस एमपी के ट्रैवल्स की, इस पर 19 चालान, 1.75 लाख जुर्माना हो चुका

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा में बुधवार रात यमुना एक्सप्रेस-वे पर चलती स्लीपर एसी बस में आग लगने से 9 यात्रियों की मौत हो गई। इनमें 8 पुरुष और एक महिला है।

बस में कुल 35 यात्री सवार थे। 20 को रेस्क्यू किया गया, जबकि कुछ लोग खिड़कियां तोड़कर निकले। अंदर फंसे लोग बुरी तरह जल गए। उनके शव तक की पहचान नहीं हो पाई है।हादसे का शिकार हुई बस दिल्ली के कश्मीरी गेट से रात 9:30 बजे महोबा के लिए निकली थी। करीब 11:30 बजे जेवर एयरपोर्ट से 500 मीटर इसमें आग लग गई।

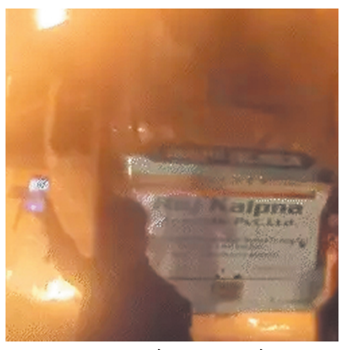

पुलिस ने बताया कि बस मध्य प्रदेश के राज कल्पना ट्रैवल्स की है। इसके 19 चालान हो चुके हैं और रू. 1.75 लाख जुर्माना लगाया गया है। पुलिस ने दो ड्राइवर पवन, विनोद और कंडक्टर योगेश को गिरफ्तार किया है।

शुरुआती जांच में एसी में ब्लास्ट से आग लगने की आशंका

नोएडा चीफ फायर ऑफिसर (सीएफए) प्रदीप कुमार के मुताबिक शुरुआती जांच में एसी में स्पार्क या ब्लास्ट से इंजन में आग लगने की आशंका है।

बस का पिछला हिस्सा काटकर पहुंचे फायर फाइटर्स

फायर ऑफिसर ने बताया कि फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और 45 मिनट में आग बुझाई। फायर फाइटर्स बस का पिछला हिस्सा काटकर अंदर पहुंचे। एक-एक शव बाहर निकाला गया। रेस्क्यू करीब 2 घंटे चला।

पैसेंजर बोले- ड्राइवर-क्लीनर सिगरेट पी रहे थे

बस में सवार यात्री सुनील कुमार ने पुलिस को बताया कि ड्राइवर-क्लीनर सिगरेट पी रहे थे। यात्रियों ने विरोध किया तो दोनों हंसने लगे। बस में जलने की गंध भी आ रही थी, कुछ देर बाद उसमें आग लग गई। आग के बावजूद ड्राइवर ने तुरंत बस नहीं रोकी। यात्रियों के शीशे तोड़ने के बाद ही उसे रोका गया।

कॉकरोच पार्टी बोली- मुख्य चुनाव आयुक्त 48 घंटे में इस्तीफा दें

● वरना देशभर में आंदोलन करेंगे; वे देशद्रोही, एसआईआर में 13 करोड़ नाम काटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे में इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया है। पार्टी ने कहा कि अगर उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया तो देशभर में आंदोलन किया जाएगा और इसके बाद दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- ज्ञानेश कुमार इस देश के सबसे बड़े गद्दार हैं। उन्होंने एसआईआर के जरिए देश में 13 करोड़ से ज्यादा वोट डिलीट किए। लोगों से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है।

दीपके ने कहा- लोकतंत्र का मतलब है कि जनता अपनी सरकार चुने। लेकिन जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, तब से सरकार यह तय कर रही है कि कौन वोट करेगा और कौन नहीं।

देशभर में 2-अक्टूबर को यूपीआई से पैसा नहीं लेंगे व्यापारी

● क्यूआर कोड को काले कपड़े से ढकेंगे,2000 से ज्यादा ट्रांजैक्शन पर चार्ज का विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप अपनी जैब में कैश नहीं रखते और यूपीआई से ही पेमेंट करते हैं, तो 2 अक्टूबर को ऐसा नहीं कर पाएंगे। क्योंकि देशभर के व्यापारियों ने इस दिन नो पीआई डे मनाने का ऐलान किया है। यानी इस दिन देशभर में कोई भी व्यापारी और दुकानदार यूपीआई से पेमेंट नहीं लेंगे।

महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर अध्यक्ष रवींद्र मंगवे ने बताया कि यह आंदोलन सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देशभर के 500 से ज्यादा प्रमुख व्यापारी संगठन इसमें हिस्सा लेंगे।

इस दिन व्यापारी संगठन 15 अक्टूबर से 2000 रुपए से ज्यादा ट्रांजैक्शन पर लगने वाले 0.4 प्रतिशत चार्ज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। व्यापारियों की इस चार्ज को हटाने की मांग है।

इस दौरान व्यापारी क्यूआर कोड, स्कैनर, साउंड बॉक्स और अन्य डिजिटल पेमेंट डिवाइसेस को काले कपड़े से ढककर विरोध करेंगे।

व्यापारियों ने कहा- डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने की सजा मिल रही- एआईसीपीडीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धैर्यशील पाटिल ने कहा कि रिटेल व्यापारी और डिस्ट्रीब्यूटर बहुत ही कम मार्जिन पर काम करते हैं। डिजिटल लेनदेन पर अतिरिक्त चार्ज थोपने से व्यापार लागत बढ़ेगी। डिजिटल पेमेंट का उद्देश्य प्रोसेस को आसान बनाना होना चाहिए, व्यापारियों पर वित्तीय बोझ डालना नहीं।

कांग्रेस मुख्यालय में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले राहुल गांधी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने वोट चोरी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग, एसआईआर और वोटर लिस्ट से जुड़े विवाद पर गुरुवार को 55 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी की है। उनके चयन का मैंने विरोध किया था, लेकिन सरकार ने उन्हें कानून से ऊपर रखते हुए चुना।

राहुल बोले, भारत में हर सरकार के खिलाफ एंटी-इंकंबेंसी होती है, इंदिरा गांधी बांग्लादेश युद्ध जीतने के बाद भी हारीं, फिर भाजपा के साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ। ज्ञानेश कुमार ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव में धांधली की। वोट चोरी की, जिससे लोकतंत्र कमजोर हुआ। इन हालात में एंटी इनकंबेंसी कैसे आएगी।

राहुल ने 2025 में एसआईआर पर तीन प्रेस कॉन्फ्रेंस की थीं। तब उन्होंने चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया था। उन्होंने आयोग को सरकार की 'बी टीम' भी कहा था। भाजपा के साथ वोट चोरी करने का आरोप लगाया था।

संस्था ठीक होती तो हम उनपर भरोसा करते

राहुल ने कहा- कई लेवल पर ऐसा होता है। कई लोग यह काम कर सकते हैं। चुनाव आयोग जो कह रहा है, हम उसे नहीं मानेंगे, क्योंकि चेन ही टूट गई है। अगर वो चेन नहीं टूटती, वोटों की रक्षा होती, संस्था ठीक होती तो हम उन पर भरोसा करते।

राहुल ने कहा- उन्हें पता है कि जेन जी उन्हें वोट नहीं देना चाहते। चुनाव आयोग का वोटर लिस्ट से कंट्रोल खत्म हो गया है। विश्वसनीयता खत्म हो गई है। इंटरनली वे मान भी रहे हैं।राहुल ने कहा कि कोई नेता ऐसे बयान नहीं दे सकता, क्योंकि भारत में फंडामेंटल फोर्स है। इंदिरा जी बांग्लादेश युद्ध जीतीं। अचानक एक साल के अंदर उनके खिलाफ एंटी इनकंबेसी आ गई। ऐसा फिर होता चला गया। एक के बाद एक नेताओं के साथ। लेकिन ऐसा कभी मोदी जी, शाह या भाजपा के नेता के साथ नहीं हुआ।

संविधान की चेन टूट गई

राहुल ने कहा- वोट, कानून, संस्था और संविधान की चेन टूट गई है। मोदी और शाह अपनी जांच थोड़ी करेंगे। एक बार सिस्टम की रिपेयरिंग होगी तो जांच होगी। सबको पता है कि सिस्टम डैमेज हो चुका है।

बंगाल, एमपी और छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

चक्रवात अर्नब से ओडिशा-आंध्र प्रदेश में भारी बारिश, पुल डूबे

नईदिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से बना अर्नब चक्रवात उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट से देर रात 11 से 1 बजे के बीच टकरा गया। इसके असर से दोनों राज्यों के तटीय जिलों में भारी बारिश हो रही है।

दक्षिण ओडिशा के 10 जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। करीब 5 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। मलकानगिरी में चार पुल डूब जाने से ट्रैफिक बंद हो गया है। सुरक्षा कारणों से नेशनल हाईवे भी बंद कर दिया गया है। वहीं, राउरकेला में तूफान से सिविल टाउनशिप में बना 150 फुट ऊंचा गणेश पंडाल ढह गया।

आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के कलिंगपट्टनम के कई इलाकों में भारी बारिश के साथ 75 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं चलीं। विजयवाड़ा में निचले इलाकों में पानी भर गया है।

चक्रवात क्या होते हैं और ये बनते कैसे हैं?

साइक्लोन शब्द ग्रीक भाषा के साइक्लोस से लिया गया है, जिसका अर्थ है सांप की कुंडलियां। इसे ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में ट्रॉपिकल साइक्लोन समुद्र में कुंडली मारे सांपों की तरह दिखाई देते हैं। चक्रवात एक गोलाकार तूफान (सर्कुलर स्टॉर्म) होते हैं, जो गर्म समुद्र के ऊपर बनते हैं। जब ये चक्रवात जमीन पर पहुंचते हैं, तो अपने साथ भारी बारिश और तेज हवाएं लेकर आते हैं। ये हवाएं उनके रास्ते में आने वाले पेड़ों, गाड़ियों और कई बार तो घरों को भी तबाह कर सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा-टीएमसी पर फैसला कब

कहा- हमने शिवसेना मामले में देरी का नतीजा देखा; पार्टी का नाम-चुनाव चिह्न फ्रीज है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयोग (ईसी) से पूछा कि ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर चल रहा फैसला कब तक लेंगे।कोर्ट ने आयोग से कहा कि वह फैसले की टाइमलाइन बताए। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें आयोग ने टीएमसी के नाम और चुनाव चिह्न को फ्रीज कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच इस याचिका पर सुनवाई की।

ममता के वकील बोले- आयोग ने देरी की

ममता बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद ईसी ने नाम-सिंबल फ्रीज करने का फैसला लिया। जबकि यह फैसला जुलाई में ही लिया जा सकता था। आयोग ने जानबूझकर देरी की।

अनमोल वचन

उपासना का अर्थ है–समीप बैठना अर्थात परमपिता परमात्मा के समीप बैठना अर्थात उपासक (भक्त) को प्रभु का सामीप्य प्राप्त करना। उपासना द्वारा अपने उपास्य के साथ तादात्म्य स्थापित करना। उपासक उपास्य (परमात्मा) के गुणों को धारण करता हुआ उन्हें आत्मसात करे तभी उपासना का लाभ है। उपासक में यह आत्मविश्वास होना चाहिये कि वह प्रभु को अति निकट से देख रहा है, उससे वातालाॅप कर रहा है। ईश्वर के आनंद स्वरूप में अपनी आत्मा को मग्न करना उपासना है। उपासना इसलिये की जानी चाहिये और इस स्तर तक वह जानी चाहिये कि उपासक को उपास्य सत्कर्मों में प्रेरित करता रहे ताकि उपासक अपने सद आचरण से दुखों से मुक्ति पा ले। दुःख या कष्ट प्राप्त होने पर उपासना सहारा बनकर धैर्य एवं शक्ति प्रदान करती है। उपासना से हमें अपने सच्चे स्वरूप की तथा परमेश्वर की अनुभूति होती है। यह तभी सम्भव है जब हमारे अंतस की आंखें खुली हों, ये आत्मा की आंखें हैं जिनसे इस रसमय प्रभु का आनन्द प्राप्त हो सकता है।

खतौली में एमडीए का चला बुलडोजर:21 बीघा अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त, भू-माफियाओं में मचा हड़कंप

खतौली। मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (एमडीए) की उपाध्यक्ष प्रणता ऐश्वर्या के निर्देशों पर खतौली विकास क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ एक बड़ा बुलडोजर एक्शन हुआ है। प्राधिकरण की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ तीन अलग-अलग स्थानों पर कुल 21 बीघा अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया है। एमडीए उपाध्यक्ष प्रणता ऐश्वर्या के निर्देशों के अनुपालन में प्राधिकरण की टीम ने खतौली विकास क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया है। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में टीम ने जेसीबी मशीनों की मदद से तीन प्रमुख स्थानों पर कुल 21 बीघा भूमि पर फैली अवैध प्लॉटिंग को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। इस बड़ी कार्रवाई के बाद भू-माफियाओं और अवैध कॉलोनाइजरों में हड़कंप मच गया है।

गंगधाडी में राजेश फार्म हाउस के पीछे चला बुलडोजर

प्राधिकरण के अधिकारी पुलिस बल के साथ मीरापुर रोड स्थित ग्राम गंगधाडी में राजेश फार्म हाउस के पीछे पहुंचे। यहाँ नवीन प्रधान और

भीम द्वारा बिना किसी तलपट मानचित्र को स्वीकृत कराए लगभग 10 बीघा भूमि पर अवैध रूप से प्लॉटिंग विकसित की जा रही थी। टीम ने इस अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

सफेदा रोड पर भी हुई बड़ी कार्रवाई

इसके बाद एमडीए की टीम ने सफेदा रोड पर दो अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई की। पहली कार्रवाई आलोक गोयल और इमरान प्रधान द्वारा लगभग 3 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग पर हुई। दूसरी बड़ी कार्रवाई सफेदा रोड फ्लाईओवर के नीचे, कोल्ड स्टोरेज के सामने राहुल अरोरा और परमिन्दर द्वारा करीब 8 बीघा भूमि पर अनाधिकृत रूप से हो रहे प्लॉटिंग के निर्माण पर हुई। एमडीए ने इन सभी स्थानों को मिलाकर कुल 21 बीघा अवैध निर्माण को जमींदोज कर दिया।

नोटिस जारी करने के बाद हुए ध्वस्तीकरण के आदेश

एमडीए उपाध्यक्ष प्रणता ऐश्वर्या ने बताया कि इन सभी अवैध प्लॉटिंगकताओं को पूर्व में ही नोटिस जारी कर चालानी कार्रवाई की गई थी और नियमानुसार ध्वस्तीकरण के आदेश भी जारी किए जा चुके थे। इसके बावजूद भू-स्वामियों ने स्थल से अवैध निर्माण नहीं हटाया, जिसके बाद यह कठोर कार्रवाई की गई। प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी, सहायक अभियंता और तकनीकी टीम ने स्थानीय थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचकर समस्त अवैध निमार्णों को ध्वस्त कर दिया।

ईवीएम वेयरहाउस सील, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुई प्रक्रिया

मुजफ्फरनगर। जिला निर्वाचन कार्यालय परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की एफएलसी के प्रयोजन से बुधवार, 23 सितंबर 2026 को सुबह 7 बजे बंद कर दिया गया। ईवीएम वेयरहाउस को बंद किए जाने की प्रक्रिया के दौरान राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। प्रेस नोट के अनुसार ईवीएम वेयरहाउस, जिला निर्वाचन कार्यालय परिसर, कलेक्ट्रेट मुजफ्फरनगर को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की एफएलसी के लिए वीडियोग्राफी के तहत शाम 7 बजे बंद किया गया। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया संपन्न कराई गई। ईवीएम वेयरहाउस बंद किए जाने के समय उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों में आम आदमी पार्टी से अजय चौधरी, बहुजन समाज पार्टी से जी. सिंह बौद्ध, भारतीय जनता पार्टी से ओम प्रकाश उपाध्याय एडवोकेट, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया मार्क्सवादी से सुभाष उपाध्याय, इंडियन नेशनल कांग्रेस से ममनून अहमद एडवोकेट तथा समाजवादी पार्टी से पवन बंसल शामिल रहे। प्रेस नोट में बताया गया कि ईवीएम के भंडारण एवं सुरक्षा से संबंधित विस्तृत प्रक्रिया इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन मैनुअल में निर्धारित है। संबंधित जानकारी भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह पूरी प्रक्रिया अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी, मुजफ्फरनगर की ओर से जारी प्रेस नोट के माध्यम से बताई गई है।

नाबालिग के मामले में पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल, चौकी प्रभारी पर गंभीर आरोप

शमुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन राजनीतिक के युवा महानगर अध्यक्ष वसीम खान ने जानकारी देते हुए बताया कि खालापार थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले परिवार की 14 वर्षीय नाबालिग बच्ची को पड़ोस का ही एक युवक, समी, बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। आरोप है कि बच्ची करीब पांच दिन तक पुलिस कस्टडी में रही और उसे उसके माता-पिता से भी मिलने नहीं दिया गया। इस मामले में खालापार थाना पुलिस ने बीएनएस की धारा 137(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। हालांकि, वसीम खान ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए मामले में निष्पक्ष जांच और प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। वसीम खान ने बताया कि इस मामले को लेकर वह परिजनों के साथ एसएसपी से मिले थे। उनके मुताबिक, एसएसपी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बच्ची को उसके माता-पिता के सुपुर्द कराया। इसके बाद बच्ची अपने माता-पिता के साथ थाना खालापार पहुंची, जहां इंस्पेक्टर के समक्ष बच्ची की वीडियो रिकॉर्डिंग की गई और उसके बयान दर्ज किए गए। वसीम खान के अनुसार, बच्ची ने पुलिस को अपने साथ हुई पूरी घटना के बारे में बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि वहलना चौकी प्रभारी ने लड़के और लड़की दोनों को करीब पांच-छह दिन पहले बरामद कर लिया था, लेकिन आरोपित युवक के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। वसीम खान का आरोप है कि चौकी प्रभारी ने बच्ची को डराया-धमकाया और उससे ऐसे बयान दिलवाए, जिससे आरोपित युवक को लाभ मिल सके। वसीम खान ने दावा किया कि नाबालिग बच्ची के साथ तीन बार संबंध बनाए गए। उन्होंने बताया कि बच्ची को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए बुढ़ाना भेजा गया था। उनका आरोप है कि जब बच्ची मेडिकल परीक्षण के लिए पहुंची तो चौकी प्रभारी एसआई विकास सिंघल ने चिकित्सक को फोन कर कथित तौर पर कहा कि लड़की परीक्षण नहीं कराना चाहती।

वसीम खान ने कहा कि इस स्थिति को देखते हुए उन्हें आशंका है कि आरोपित पक्ष और पुलिस के बीच किसी प्रकार का लेन-देन हुआ हो सकता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस संबंध में सीधे तौर पर कोई आरोप नहीं लगा रहे हैं। उन्होंने चौकी प्रभारी पर महिलाओं और लड़कियों से जुड़े मामलों में निष्पक्ष कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि 14 वर्षीय नाबालिग के मामले में घटना के करीब सात दिन बीत जाने के बाद भी प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से परिजनों में रोष है। उन्होंने मांग की कि मामले में निष्पक्ष जांच कराकर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। वसीम खान ने कहा कि यदि केवल स्थानांतरण किया गया है तो इससे समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने मांग की कि मामले में चौकी प्रभारी की भूमिका की जांच की जाए और आरोप सही पाए जाने पर उन्हें लाइन हाजिर या निलंबित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्थानीय स्तर पर कार्रवाई नहीं हुई तो वह मामले को डीआईजी सहारनपुर के समक्ष उठाएंगे।

अभद्र व्यवहार के मामले में रोडवेज पर 15 हजार का हर्जाना

2015 की बस यात्रा से जुड़े मामले में जिला उपभोक्ता आयोग का महत्वपूर्ण आदेश, परिवादी को मानसिक क्षति के 10 हजार और वाद व्यय के 5 हजार रुपये देने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी जाने के लिए रोडवेज बस में सवार हुए यात्री के साथ टिकट को लेकर हुए विवाद और कथित अभद्र व्यवहार के करीब 11 साल पुराने मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। आयोग ने परिवादी अनमोल जैन और उनकी पत्नी प्रियंका जैन की शिकायत पर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम तथा संबंधित बस परिचालक के विरुद्ध आदेश देते हुए परिवादी को कुल 15 हजार रुपये अदा करने के निर्देश दिए हैं। इसमें 10 हजार रुपये मानसिक क्षति और पांच हजार रुपये वाद व्यय के रूप में शामिल हैं। विपक्षीगण को यह राशि आदेश की तिथि से दो माह के भीतर अदा करनी होगी।

2015 में शुरू हुआ था टिकट को लेकर विवाद

मामला 2 जून 2015 का है। परिवादी के अनुसार वह सुबह मुजफ्फरनगर बस स्टैंड से मुजफ्फरनगर से पुरकाजी जाने वाली रोडवेज बस में सवार हुए थे। यात्रा के दौरान पुरकाजी का टिकट लेने को लेकर उनका बस परिचालक से विवाद हो गया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि परिचालक प्रदीप चौधरी ने पुरकाजी का टिकट देने से इनकार किया और टिकट को लेकर परिवादी के साथ विवाद करने लगा। परिवादी का आरोप था कि परिचालक ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और उन्हें बस से नीचे उतारने की धमकी तक दी। इस व्यवहार को लेकर बस में मौजूद अन्य यात्रियों और चालक के सामने भी विवाद की स्थिति पैदा हो गई।

परिवादी के अनुसार टिकट को लेकर विवाद बढ़ने पर बस चालक और अन्य यात्रियों ने हस्तक्षेप किया। इसके बाद उन्हें पुरकाजी का टिकट दिया गया। हालांकि परिवादी का आरोप था कि टिकट मिलने के बाद भी परिचालक का व्यवहार नहीं बदला और उसने पूरी यात्रा के दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार किया। इस घटना के बाद परिवादी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायत भेजकर कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि शिकायत के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने न्याय पाने के लिए जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग का दरवाजा खटखटाया। मामले की सुनवाई के दौरान आयोग ने परिवादी की शिकायत, उपलब्ध साक्ष्यों और दोनों पक्षों की ओर से प्रस्तुत दलीलों का परीक्षण किया। मामले से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद आयोग ने माना कि परिवादी की ओर से सेवा में कमी और अभद्र व्यवहार को लेकर की गई शिकायत को पूरी तरह निराधार नहीं माना जा सकता। आयोग ने मामले की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए परिवादी को हुई मानसिक क्षति के लिए क्षतिपूर्ति दिए जाने का आदेश पारित किया।

मानसिक क्षति के 10 हजार, वाद व्यय के पांच हजार

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष सतीश कुमार और सदस्य मनीष कुमार ने मामले में आदेश सुनाते हुए परिवादी को कुल 15 हजार रुपये दिलाए जाने के निर्देश दिए। आदेश के अनुसार इसमें 10 हजार रुपये मानसिक क्षति के लिए और पांच हजार रुपये वाद व्यय के रूप में अदा किए जाएंगे। आयोग ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम और संबंधित परिचालक को निर्धारित राशि का भुगतान आदेश की तिथि से दो माह के भीतर करने के निर्देश दिए हैं। इस मामले की खास बात यह है कि विवाद वर्ष 2015 में हुआ था और करीब 11 साल बाद उपभोक्ता आयोग ने इस पर अपना आदेश पारित किया।

टिकट को लेकर शुरू हुआ विवाद बाद में अभद्र व्यवहार और मानसिक क्षति की शिकायत के रूप में उपभोक्ता आयोग तक पहुंचा। आयोग के आदेश के बाद अब परिवादी को मानसिक क्षति और मुकदमे में हुए खर्च के लिए कुल 15 हजार रुपये की राशि मिल सकेगी।

यात्री से व्यवहार को लेकर आयोग का आदेश अहम

आदेश से यह भी स्पष्ट होता है कि सार्वजनिक परिवहन सेवा में यात्रा करने वाले उपभोक्ता के साथ व्यवहार और सेवा की गुणवत्ता से जुड़े मामलों को लेकर शिकायत की स्थिति में उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों के आधार पर उपभोक्ता आयोग में राहत मांगी जा सकती है। इस मामले में टिकट उपलब्ध कराने के बावजूद परिवादी द्वारा लगाए गए अभद्र व्यवहार और मानसिक क्षति के आरोपों को आयोग ने पूरी तरह निराधार नहीं माना और इसी आधार पर क्षतिपूर्ति तथा वाद व्यय की राशि निर्धारित की।

पुलिस टीम पर जानलेवा हमला, कोर्ट ने आरोपी को सुनाई पांच साल आठ माह की सजा

बुढ़ाना में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस पर की थी फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से घायल हुआ था आरोपी, एडीजे कोर्ट नंबर-6 ने लगाया 10 हजार रुपये का अर्थदंड

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना क्षेत्र में वर्ष 2017 के दौरान वाहन चेकिंग कर रही पुलिस टीम पर फायरिंग करने के मामले में अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए पांच साल आठ माह के कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। मामले की सुनवाई एडीजे कोर्ट नंबर-6 में हुई। अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और मामले की परिस्थितियों के आधार पर अदालत ने यह सजा सुनाई। अभियोजन के अनुसार वर्ष 2017 में बुढ़ाना पुलिस क्षेत्र में वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने बाइक पर सवार एक संदिग्ध व्यक्ति को रुकने का इशारा किया। आरोप है कि पुलिस को देखकर बाइक सवार ने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग से पुलिस टीम में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। पुलिसकर्मियों ने अपनी सुरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बाइक सवार आरोपी गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी आरिफ निवासी फौलादनगर, थाना दोघट, जनपद बागपत गोली लगने से घायल हो गया था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर उपचार कराया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से तमंचा भी बरामद किए जाने का अभियोजन की ओर से दावा किया गया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। मामले की विवेचना पूरी करने के बाद पुलिस ने आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया। मामला न्यायालय में पहुंचने के बाद अभियोजन की ओर से पुलिस टीम पर फायरिंग, आरोपी के घायल होने और उसके कब्जे से तमंचा बरामद होने समेत अन्य तथ्यों से संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। बचाव पक्ष और अभियोजन की दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी माना।

मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर-6 में हुई। अदालत ने आरोपी आरिफ को दोषी ठहराते हुए पांच वर्ष आठ माह के कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही उस पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। अदालत के फैसले के बाद पुलिस टीम पर फायरिंग से जुड़े करीब नौ साल पुराने मामले में न्यायिक कार्रवाई पूरी हुई। कोर्ट के आदेश के अनुसार आरोपी को निर्धारित सजा भुगतनी होगी और अर्थदंड की राशि भी जमा करनी होगी।

रामपुर में विवाहिता की संदिग्ध मौत, मायके पक्ष ने पति पर लगाया गला घोंटकर हत्या का आरोप

घर के बिस्तर पर पड़ा मिला महिला का शव, शराब के नशे में मारपीट का भी आरोप; घटना के बाद पति पर परिजनों समेत फरार होने का दावा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र के गांव रामपुर में गुरुवार शाम करीब पांच बजे विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। महिला का शव उसके घर के अंदर बिस्तर पर पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। वहीं, मृतका के मायके पक्ष ने उसके पति पर शराब के नशे में मारपीट करने और गला घोंटकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है। मृतका की पहचान मीना निवासी गांव रुड़कली, थाना भोपा के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक मीना की शादी करीब पांच वर्ष पहले छपार थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी आशु के साथ हुई थी। दंपती का करीब तीन वर्ष का एक बेटा भी है। विवाह के बाद मीना अपने ससुराल में रह रही थी। मृतका के मायके पक्ष का आरोप है कि आशु शराब पीने का आदी है और आए दिन मीना के साथ मारपीट करता था। परिजनों के अनुसार गुरुवार को भी घर में विवाद हुआ और उस समय पति कथित रूप से नशे में था। आरोप है कि इसी दौरान मीना

के साथ मारपीट की गई और बाद में उसका गला घोंटकर हत्या कर दी गई। हालांकि पुलिस की जांच पूरी होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस ने मायके पक्ष के आरोपों समेत सभी पहलुओं को जांच में शामिल किया है। मायके पक्ष के लोगों ने बताया कि घटना के बाद उन्हें फोन के माध्यम से मीना की मौत की सूचना दी गई। परिजनों का आरोप है कि सूचना देने के बाद आरोपी पति अपने परिवार के लोगों के साथ घर से फरार हो गया। जब मायके पक्ष के लोग रामपुर पहुंचे तो घर में मीना का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। महिला की मौत की खबर मिलते ही गांव में भी चर्चा फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुटने लगी। सूचना पर छपार थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, शरीर पर चोटों के निशान हैं या नहीं और मौत का कारण क्या रहा, इन सभी बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के दौरान सामने आने वाले अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मायके पक्ष के आरोपों की भी जांच कर रही है और घटना से जुड़े लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है। मीना की संदिग्ध मौत के बाद उसके मायके पक्ष में आक्रोश है। परिजनों ने पुलिस अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जांच में हत्या के आरोपों की पुष्टि होती है तो पति समेत जिम्मेदार ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

किसानों के खातों से गबन की रकम वापस दिलाने की मांग को लेकर यूपी ग्रामीण बैंक पर धरना

बुढ़ाना। यूपी ग्रामीण बैंक की बुढ़ाना शाखा पर गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के कार्यकताओं ने किसानों के खातों से गबन की गई रकम वापस दिलाने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने बैंक प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द उनकी रकम वापस दिलाने की मांग की।

युवा मंडल प्रभारी ठाकुर कुशलवीर सिंह और जिलाध्यक्ष मनोज सैनी के नेतृत्व में आयोजित धरने में बड़ी संख्या में किसान एवं संगठन के कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि किसानों की मेहनत की कमाई उनके खातों से गबन कर ली गई, जिसके चलते कई परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। किसानों का कहना था कि किसी को बीमारी के इलाज के लिए पैसों की जरूरत है तो किसी को खेती के लिए खाद-बीज खरीदना है, लेकिन खातों में जमा रकम उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

धरने के दौरान कई किसानों ने अपनी व्यथा भी साझा की। कुछ किसानों ने बताया कि परिवार के सदस्यों के इलाज के लिए तत्काल पैसों की आवश्यकता है, लेकिन खातों से रकम नहीं निकल पा रही है। वहीं

कुछ किसानों ने बताया कि उन्होंने घर में होने वाली शादी के लिए अपनी जमा पूंजी एफडी अथवा बैंक खातों में सुरक्षित रखी थी, ताकि जरूरत के समय उसका उपयोग किया जा सके। अब शादी जैसे जरूरी अवसर पर भी रकम उपलब्ध नहीं होने से परिवारों के सामने गंभीर समस्या खड़ी हो गई है।

धरने की सूचना पर बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक यूसुफ खान मौके पर पहुंचे और किसानों से वार्ता की। उन्होंने बताया कि पूरे मामले की जांच चल रही है। जांच पूरी होने के बाद प्रभावित किसानों की रकम उनके खातों में वापस भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

आरएम यूसुफ खान ने यह भी बताया कि इलाज और शादी जैसे अत्यावश्यक कार्यों के लिए धन की जरूरत वाले किसानों के मामलों को प्राथमिकता देने के संबंध में मुख्यालय को पत्र भेजा गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसे संवेदनशील मामलों की पहले जांच कराकर प्रभावित किसानों को उनकी रकम दिलाने की कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के पदाधिकारियों ने बैंक प्रशासन से मामले में शीघ्र कार्रवाई करने और सभी प्रभावित किसानों की रकम वापस दिलाने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जरूरत पड़ने पर संगठन किसानों के हक के लिए आंदोलन को आगे बढ़ाएगा।

धरने के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण पंवार, हरिओम भगत, रामनिवास, शेरपाल सहित बड़ी संख्या में किसान एवं संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे। अगर चाहें तो मैं इसे और बड़ी फ्रंट-पेज शैली की खबर में भी तैयार कर सकता हूं, जिसमें किसानों की परेशानी और बैंक अधिकारियों के आश्वासन को और प्रमुखता दी जाए।

मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज पर बड़ी कार्रवाई: मेडिकल स्टोर पर औषधि विभाग का छापा, दो दवाओं के सैंपल किये सील, स्टॉक व बिल जांच

औषधि विभाग ने एमआरपी से अधिक दाम और दवाओं की दोबारा बिक्री पर भी की जांच

मुजफ्फरनगर। प्रदेश सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और मरीजों के शोषण को रोकने के लिए दिए गए सख्त निदेर्शों के अनुपालन में गुरुवार, 24 सितंबर 2026 को औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज परिसर में संचालित मेडिकल स्टोर पर अचानक छापेमारी की। यह कार्रवाई मेडिकल स्टोर पर मरीजों से जीवनरक्षक दवाओं की एमआरपी (टफ्द्ध) से अधिक कीमतें वसूलने तथा अस्पताल/मरीजों द्वारा बिना उपयोग की गई या बची हुई दवाओं को वापस लेकर दोबारा बेचे जाने की लगातार मिल रही गंभीर शिकायतों के आधार पर की गई है।

इस छापेमारी अभियान का नेतृत्व औषधि निरीक्षक (ड्रग इंस्पेक्टर) देशबंधु विमल और पवन शाक्य ने संयुक्त रूप से किया। अधिकारियों की टीम ने पुलिस बल की

मौजूदगी में मेडिकल स्टोर में प्रवेश किया और खरीद-बिक्री से जुड़े अभिलेखों को अपने कब्जे में ले लिया। विभिन्न जीवनरक्षक दवाओं के स्टॉक, बिक्री रजिस्टरों और क्रय-विक्रय के इनवॉइस का गहनता से मिलान किया।

दो दवाओं के सैंपल सील कर प्रयोगशाला भेजे

दो दवाओं के सैंपल सील, प्रयोगशाला भेजे गए जांच के दौरान दवाओं की गुणवत्ता, मानकों और प्रामाणिकता की पुष्टि करने के लिए अधिकारियों ने मौके से दो संदिग्ध दवाओं के सैंपल एकत्र कर सील कर दिए। ड्रग इंस्पेक्टरों के अनुसार, इन सैंपलों को जांच और रासायनिक परीक्षण के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही दवाओं की शुद्धता और गुणवत्ता की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मरीजों की लाचारी का फायदा उठाने पर होगी सख्त कार्रवाई

मामले की जानकारी देते हुए ड्रग इंस्पेक्टरों ने बताया कि शासन के पास लगातार शिकायतें पहुंच रही थीं कि मेडिकल कॉलेज परिसर में संचालित इस स्टोर द्वारा मरीजों की लाचारी और मजबूरी का अनुचित लाभ उठाया जा रहा है। इसके अलावा, अस्पताल के वार्डों से बची हुई दवाओं को अनैतिक रूप से मेडिकल स्टोर पर वापस भेजकर पुनः बेचने के गंभीर आरोप थे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि लैब टेस्ट में दवाओं की गुणवत्ता में कोई कमी पाई जाती है या जांच के दौरान ओवररेटिंग और वित्तीय अनियमितताओं की पुष्टि होती है, तो संबंधित मेडिकल स्टोर संचालकों व जिम्मेदार प्रबंधकों के खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर।

पत्रांक- 1247/E-Te»»fder/P.W.D/NPP/2026-27 **दिनांक- 23-09-2026**

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग के समस्त पंजीकृत / वर्ष 2026-27 में नवीनीकृत / किसी भी शासकीय विभाग में निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत / नवीनीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि निम्नलिखित 55 निर्माण कार्यों हेतु दिनांक 14/10/26 को अपराह्न 3:00 बजे तक ई-निविदायें आमन्त्रित की जाती है। वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर निविदा फार्म ऑनलाइन दिनांक 24/09/26 की प्रातः 10:00 से दिनांक 14/10/26 की अपराह्न 3:00 बजे तक डाउनलोड तथा अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं को दिनांक 14/10/26 की अपराह्न 04:00 बजे अधिशासी अधिकारी महोदया के समक्ष खोला जायेगा। कार्य राज्य वित्त आयोग की धनराशि के अन्तर्गत स्वीकृत है। निविदा सूचना की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त किये जाने हेतु नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते हैं।

सहायक अभियन्ता (निर्माण)	अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर	नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर	नगर पालिका परिषद,मुजफ्फरनगर

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार

शुक्रवार 25 सितम्बर '2026 पृष्ठ 3

बर्थडे पार्टी में जाने के बाद गायब हुआ ग्राम प्रधान का इकलौता बेटा, सुबह खेत में मिला शव

पुरकाजी के हरैटी में 19 वर्षीय रोहन राठी की पीट-पीटकर हत्या से सनसनी, घर से तीन किलोमीटर दूर खेत में मिला शव; तीन विशेष टीमें जांच में जुटीं, सीसीटीवी, जीपीएस और सीडीआर खंगाल रही पुलिस

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव हरैटी में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब ग्राम प्रधान विवेक राठी के 19 वर्षीय इकलौते बेटे रोहन राठी का शव गांव के जंगल में खेत के पास पड़ा मिला। रोहन बुधवार रात दोस्त की जन्मदिन पार्टी में जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन रात में वापस नहीं लौटा। सुबह खेत की ओर पहुंचे लोगों ने शव पड़ा देखा तो इसकी सूचना ग्राम प्रधान और ग्रामीणों को दी। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान रोहन के रूप में की। शव पर चोटों के निशान मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई है। घटना के बाद गांव में तनाव और आक्रोश को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। बताया गया कि रोहन राठी बुधवार शाम अपने दोस्त की जन्मदिन पार्टी में शामिल होने के लिए घर से निकला था। देर रात तक उसके वापस नहीं आने पर परिवार को चिंता हुई। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और दोस्तों से भी जानकारी की। गुरुवार सुबह तक भी रोहन का कोई पता नहीं चला। इसी बीच गांव के जंगल में खेत के पास युवक का शव मिलने की सूचना से हड़कंप मच गया। परिजन मौके पर पहुंचे तो शव रोहन का निकला। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, रात में रोहन के पिता ने उसके दोस्तों से भी संपर्क किया था और उसे सुबह घर लौटने की बात बताई गई थी। हरैटी गांव जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर बताया जा रहा है। ग्राम प्रधान विवेक राठी के घर से करीब तीन किलोमीटर दूर जंगल में खेत के पास रोहन का शव मिला। सुबह खेतों की ओर जा रहे लोगों की नजर शव पर पड़ी। देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना मिलने पर परिवार के लोग भी घटनास्थल पर पहुंचे और शव की पहचान की। शव की स्थिति और शरीर पर मिले चोट के निशानों को देखते हुए हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि हत्या के पीछे की वजह और वारदात में कौन-कौन लोग शामिल हैं, यह पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से भी मौत के कारण और चोटों की प्रकृति को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी सिटी अमृत जैन, सीओ सदर और पुरकाजी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और फील्ड यूनिट ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास के लोगों से जानकारी लेने के साथ ही मौके से संभावित साक्ष्य जुटाए गए। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

नावला रोड पर चेकिंग के दौरान हत्थे चढ़े आरोपी, खतौली मेले और मेरठ से उड़ाई गई स्पलेंडर

नावला रोड पर चेकिंग के दौरान हत्थे चढ़े आरोपी, खतौली मेले और मेरठ से उड़ाई गई स्पलेंडर

खतौली। थाना खतौली पुलिस ने क्षेत्र में सक्रिय वाहन चोर गिरोह पर बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन बाल अपचारियों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पकड़ा गया यह गिरोह खतौली मेले और पड़ोसी जिले मेरठ से दोपहिया वाहन उड़ाकर ठिकाने लगाता था।

भैंसी पुलिया के पास चेकिंग में मिली सफलता

पुलिस की जानकारी के अनुसार, गुरुवार की रात उपनिरीक्षक ललित तोमर पुलिस टीम के साथ नावला रोड पर गश्त और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान सटीक मुखबिर की सूचना पर भैंसी पुलिया के पास एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्धों को रोककर पूछताछ की गई। गहनता से पूछताछ करने पर तीनों की पहचान बाल अपचारियों के रूप में हुई। आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे भीड़भाड़ वाले इलाकों और मेलों से वाहन चोरी करते थे।

झाड़ियों में छिपाकर रखी थीं 4 अन्य बाइकें

पुलिस की कड़ाई से की गई पूछताछ में आरोपियों ने खतौली मेले और मेरठ क्षेत्र से मोटरसाइकिलें चोरी करने की बात कबूल की। बाल अपचारियों की निशानदेही पर पुलिस ने अलकनंदा नहर पुल से फुलत जाने वाले मार्ग पर झाड़ियों में छिपाकर रखी गईं। 4 अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद कर लीं। बरामद किए गए वाहनों में खतौली क्षेत्र से चुराई गई स्पलेंडर प्रो, स्पलेंडर प्लस, मेरठ से चुराई गई केटीएम के अलावा दो अन्य स्पलेंडर मोटरसाइकिलें शामिल हैं।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

कोतवाल दिनेश चन्द्र बघेल ने बताया कि बरामद वाहनों के आधार पर दर्ज मामलों में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। पकड़े गए तीनों बाल अपचारियों को विधि सम्मत कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए बाल न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

शाहपुर में अवैध असलहा फैक्ट्री का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

तावली रजवाहे के पास डेयरी के पीछे चल रहा था हथियार बनाने का धंधा, 12 बने और चार अधबने अवैध हथियार बरामद; 60 जिंदा कारतूस, 26 खोखे, हथियारों के पुर्जे और निर्माण उपकरण भी मिले

मुजफ्फरनगर। शाहपुर थाना पुलिस ने अवैध शस्त्र निर्माण और बिक्री के एक नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तावली रजवाहे के पास डेयरी के पीछे चल रही अवैध शस्त्र निर्माण की गतिविधि का खुलासा करते हुए मौके से 12 बने और चार अधबने अवैध हथियार, 60 जिंदा कारतूस, 26 खोखे, बुलेट निब, तमंचों के पुर्जे, गंधक-पोटास समेत हथियार बनाने के उपकरण और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी अलग-अलग जिम्मेदारियां संभालकर हथियार और कारतूस तैयार करने तथा उनकी बिक्री का काम कर रहे थे। पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि 23 सितंबर की शाम शाहपुर पुलिस हरसौली चौकी क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम तावली रजवाहे के पास डेयरी के पीछे कुछ लोग अवैध हथियार बनाने का काम कर रहे हैं। सूचना मिलते ही शाहपुर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की और दबिश दी। पुलिस के अनुसार मौके पर कुछ लोग अवैध हथियार तैयार करते मिले। पुलिस ने मौके से सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की कार्रवाई में 315 बोर के छह तमंचे, 315 बोर के दो डबल बैरल तमंचे, 12 बोर के दो तमंचे, 12 बोर की एक मस्कट और 12 बोर की एक बंदूक बरामद हुई। इसके अलावा .32 बोर का एक अधबना तमंचा और 315 बोर के तीन अधबने तमंचे भी बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक मौके से हथियार बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले तमाम उपकरण भी मिले हैं। हथियारों के साथ पुलिस ने 315 बोर के 50 जिंदा कारतूस और 12 बोर के 10 जिंदा कारतूस बरामद किए। इसके अलावा 315 बोर के 26 खोखे और 24 बुलेट निब भी बरामद हुए। पुलिस ने मौके से हथियारों के हैमर, ट्रिगर समेत अन्य पुर्जे, अवैध शस्त्र एवं कारतूस बनाने के उपकरण, 500 ग्राम गंधक और 500 ग्राम पोटास तथा एक मोटरसाइकिल भी कब्जे में ली है। एसएसपी के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे आपस में साथी हैं और सुनसान स्थानों पर अवैध हथियार तथा कारतूस तैयार करते हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह में काम भी अलग-अलग बांटा गया था। गुल्लू उर्फ इदरीश और कय्यूम कथित तौर पर तमंचे बनाने का काम करते थे। शाहनवाज और आविद तैयार हथियारों को आसपास के गांवों और अन्य स्थानों पर ग्राहकों को बेचने का काम करते थे। अरशद और खालिद कारतूस तैयार करने का काम करते थे, जबकि बाबू उर्फ इलियास खोखे तैयार करता था। पुलिस के मुताबिक सभी आरोपी मिलकर अवैध शस्त्र निर्माण और उनकी बिक्री से आर्थिक लाभ कमाने का काम कर रहे थे। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और हथियार खरीदने वाले संभावित ग्राहकों की भी जानकारी जुटा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में गुल्लू उर्फ इदरीश पुत्र महमूद सैफी निवासी मोहल्ला प्रेमनगर एलम, थाना कांधला, शामली, कय्यूम पुत्र फैमुद्दीन निवासी हुसैनपुर कलां, थाना बुढ़ाना, हाल निवासी मदीना कालोनी, थाना सिविल लाइन मुजफ्फरनगर, शाहनवाज पुत्र मेहराजुद्दीन निवासी तिसंग थाना जानसठ, आविद पुत्र बशीर निवासी तिसंग थाना जानसठ, खालिद पुत्र रसीद निवासी खांजापुर थाना खतौली, अरशद पुत्र वहीद निवासी मोहल्ला इस्लामनगर खतौली तथा बाबू उर्फ इलियास पुत्र अब्दुल हमीद निवासी कस्बा व थाना सरधना, मेरठ शामिल हैं।

फुगाना पुलिस ने दबोचा हत्या का वांछित आरोपी: न्यायालय में पेश कर भेजा जेल

लालूखेड़ी मार्ग से धर दबोचा गया खरड़ गाँव का निवासी रवि उर्फ राजू

बुढ़ाना। मुजफ्फरनगर जिले में अपराधियों एवं वांछित अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत फुगाना पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। फुगाना पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए हत्या के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ पुलिस द्वारा अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और फरार अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा निरंतर दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी फुगाना नरेंद्र सिंह यादव तथा थाना प्रभारी फुगाना बबलू कुमार के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर यह कार्रवाई अंजाम दी।

लालूखेड़ी मार्ग से घेराबंदी कर किया गिरफ्तार

थाना फुगाना पुलिस द्वारा चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान 24 सितंबर 2026 को लालूखेड़ी मार्ग से वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को देखकर आरोपी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे मौके पर ही धर दबोचा।पकड़े गए अभियुक्त की पहचान रवि उर्फ राजू पुत्र वेदपाल सिंह उर्फ पप्पू, निवासी ग्राम खरड़, थाना फुगाना, मुजफ्फरनगर के रुप में हुई।

हत्या एवं गंभीर धाराओं में दर्ज था मुकदमा

थाना प्रभारी बबलू कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त रवि उर्फ राजू के खिलाफ थाना फुगाना पर हत्या और अन्य गंभीर अपराधों से संबंधित मुकदमा दर्ज था। अभियुक्त के विरुद्ध थाना फुगाना में मु०अ०सं०: 99/2026 धाराएं: 103(1), 3(5), 333, 190, 191(2) भारतीय न्याय संहिता (इठर) में अभियोग पंजीकृत है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पकड़े गए आरोपी से पूछताछ के बाद उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है, जहाँ से उसे जेल भेजने की प्रक्रिया अमल में लाई जा रही है। फुगाना पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराध और अपराधियों के खिलाफ यह सख्त अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

एमके हॉस्पिटल में स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी, बिना पंजीकरण चल रहे एक्स-रे सेंटर और स्किन प्रोसीजर रूम सील

खालापार स्थित अस्पताल में औचक निरीक्षण से मचा हड़कंप, जांच में सामने आईं पंजीकरण संबंधी कमियां, अस्पताल प्रबंधन से मांगा गया स्पष्टीकरण, संतोषजनक जवाब न मिलने पर होगी आगे की कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। खालापार स्थित एमके हॉस्पिटल में गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने औचक छापेमारी की। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देशन और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया के मार्गदर्शन में हुई इस कार्रवाई के दौरान अस्पताल में संचालित चिकित्सा सेवाओं, पंजीकरण और संबंधित अभिलेखों की बारीकी से जांच की गई। निरीक्षण के दौरान बिना आवश्यक पंजीकरण के संचालित पाए गए एक्स-रे सेंटर को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तत्काल सील कर दिया। इसी कार्रवाई के दौरान अस्पताल परिसर में संचालित स्किन प्रोसीजर रूम पर भी विभागीय कार्रवाई की गई और उसे भी सील कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. महक सिंह के नेतृत्व में एमके हॉस्पिटल पहुंचकर अचानक निरीक्षण शुरू किया। टीम ने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ उनसे संबंधित जरूरी दस्तावेजों और पंजीकरण अभिलेखों की जांच की। अचानक हुई विभागीय कार्रवाई से अस्पताल प्रबंधन और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने अस्पताल में संचालित विभिन्न चिकित्सा सेवाओं के संबंध में जानकारी जुटाई और मौके पर उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण किया। जांच के दौरान जिन सेवाओं के संचालन को लेकर आवश्यक पंजीकरण अथवा दस्तावेज उपलब्ध नहीं मिले, उन्हें लेकर अधिकारियों ने मौके पर ही कार्रवाई शुरू कर दी। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम को अस्पताल में संचालित एक्स-रे सेंटर के लिए आवश्यक पंजीकरण उपलब्ध नहीं मिला। अधिकारियों ने मौके पर उपलब्ध अभिलेखों और एक्स-रे सेंटर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। पंजीकरण संबंधी आवश्यकताएं पूरी नहीं मिलने पर टीम ने एक्स-रे सेंटर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई के बाद अस्पताल में बिना आवश्यक अनुमति या पंजीकरण के चिकित्सा सेवाओं के संचालन को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। अधिकारियों ने अस्पताल प्रबंधन को नियमों के अनुरूप आवश्यक दस्तावेज और स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

जांच के दौरान अस्पताल परिसर में संचालित स्किन प्रोसीजर रूम की भी जांच की गई। विभागीय अधिकारियों के अनुसार यहां एक महिला चिकित्सक द्वारा त्वचा संबंधी चिकित्सा प्रक्रियाएं किए जाने की जानकारी सामने आई। जांच के दौरान संबंधित चिकित्सक का आवश्यक पंजीकरण उपलब्ध नहीं पाया गया।।पंजीकरण से जुड़ी कमी सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने स्किन प्रोसीजर रूम को भी सील कर दिया। विभाग की ओर से अस्पताल प्रबंधन को इस संबंध में भी अपना पक्ष और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

अस्पताल प्रबंधन से मांगा स्पष्टीकरण

स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई के बाद अस्पताल प्रबंधन को दोनों मामलों में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों के मुताबिक अस्पताल प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले जवाब और दस्तावेजों की जांच की जाएगी। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई का निर्णय लिया जाएगा।

विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि अस्पताल प्रबंधन की ओर से दिया गया स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो संबंधित अस्पताल प्रबंधन और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई को मरीजों की सुरक्षा और चिकित्सा सेवाओं में निर्धारित मानकों के अनुपालन से जोड़कर देखा जा रहा है।

ठेकेदारों की खींचतान में सूख गई शहर की पानी की लाइनें, 70 ट्यूबवेलों का ऑटोमेशन सिस्टम ठप

सभासदों का ईओ कार्यालय पर हंगामा, जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग—जमानत राशि जब्त कर भुगतान रोकने की मांग; पालिका ने मौजूदा फर्म से मांगा जवाब

मुजफ्फरनगर। शहर की पेयजल व्यवस्था संभालने वाली नगर पालिका परिषद के जलकल विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई। ट्यूबवेलों के संचालन के लिए लगाए गए स्वचालित सिस्टम में आई खराबी के चलते शहर के बड़े हिस्से की पेयजलापूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो गई। बुधवार से गुरुवार तक कई इलाकों में लोगों को करीब 24 घंटे तक पानी की किल्लत झेलनी पड़ी। घरों की टंकियां खाली रहीं और लोग पानी के लिए इधर-उधर भटकते नजर आए। मामले को लेकर पालिका सभासदों में भी रोष फैल गया। सभासदों ने ईओ पवन कुमार से मुलाकात कर जांच कराने, जिम्मेदारी तय करने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

नगर पालिका परिषद के जलकल विभाग द्वारा शहरी क्षेत्र में स्थापित 81 ट्यूबवेलों के माध्यम से पेयजलापूर्ति की जाती है। इनमें से 70 ट्यूबवेल स्काडा तकनीक आधारित ऑटोमेशन पैनल से जुड़े हुए हैं। इस व्यवस्था के जरिए ट्यूबवेलों को स्वचालित कमांड मिलती है और उनका संचालन किया जाता है। ऐसे में ऑटोमेशन सिस्टम में आई खराबी का सीधा असर शहर की पेयजल व्यवस्था पर पड़ा। बुधवार को स्काडा सिस्टम के सर्वर में तकनीकी खराबी आने से कई ट्यूबवेलों को ऑटो कमांड मिलना बंद हो गया। नतीजा यह रहा कि ट्यूबवेलों का संचालन प्रभावित हुआ और शहर के कई इलाकों में पानी की सप्लाई ठप हो गई। पेयजलापूर्ति बाधित होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई मोहल्लों में गुरुवार दोपहर तक भी सामान्य आपूर्ति नहीं हो सकी। पेयजल संकट की जानकारी मिलने पर सभासद राजीव शर्मा, मनोज वर्मा, रजत धीमान, रविकांत शर्मा उर्फ काका और शौकत अंसारी सहित अन्य सभासद टाउनहाल पहुंचे। सभासदों ने ईओ पवन कुमार के

नाम पत्र सौंपते हुए मामले में जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग की।सभासदों का आरोप है कि ऑटोमेशन व्यवस्था को लेकर पुराने और नए ठेकेदारों के बीच चल रही खींचतान का असर शहर की जनता पर पड़ा। उनका कहना है कि किसी ठेकेदार या तकनीकी व्यवस्था से जुड़ा विवाद हो, लेकिन उसकी वजह से शहर की पेयजलापूर्ति बाधित होना गंभीर मामला है। सभासदों ने कहा कि इससे पालिकाध्यक्ष और सभासदों की छवि भी प्रभावित हुई है। सभासदों ने प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की। पत्र में दोषी पाए जाने वाले ठेकेदार की जमानत राशि जब्त करने तथा उसके समस्त भुगतान पर रोक लगाने की मांग भी की गई है। सभासदों ने चेतावनी दी कि मामला आगामी बोर्ड बैठक में भी उठाया जाएगा और अधिकारियों की जवाबदेही तय कराने का प्रयास किया जाएगा। इसके बाद सभासदों ने एई जलकल अनुज कुमार से भी मुलाकात कर नाराजगी जताई और जल्द से जल्द जांच कर कार्रवाई की मांग की। वहीं, जलकल विभाग के एई अनुज कुमार ने पूरे मामले में अलग स्थिति बताई। उन्होंने कहा कि देर रात पेयजलापूर्ति बाधित होने की जानकारी मिलने के बाद टीम को लगाया गया। जांच के दौरान पता चला कि ट्यूबवेलों के ऑटोमेशन के लिए लगाए गए स्काडा सिस्टम के सर्वर में तकनीकी खराबी आ गई थी। विशेषज्ञ को बुलाने पर सर्वर पूरी तरह ठप होने की जानकारी सामने आई, जिसके कारण ट्यूबवेलों को ऑटो कमांड नहीं मिल सकी।एई के अनुसार, बुधवार सुबह करीब नौ बजे से शाम सात बजे तक फक्करशाह चौक पर सीवर लाइन के कार्य के चलते जल निगम सीएंडडीएस के अधिकारियों द्वारा पेयजलापूर्ति बंद कराई गई थी।

सट्टे में नुकसान के बाद पत्नी से मांगे 10 लाख रुपये, मांग पूरी न होने पर मारपीट कर घर से निकाला

नई मंडी क्षेत्र की विवाहिता ने पति पर लगाए गंभीर आरोप; शादी के बाद से प्रताड़ित करने का दावा, घर में दोबारा घुसने से भी रोकने का आरोप, मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र की हरि वृंदावन सिटी निवासी एक विवाहिता ने अपने पति पर सट्टेबाजी में नुकसान होने के बाद मायके से 10 लाख रुपये लाने का दबाव बनाने और मांग पूरी न होने पर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर नई मंडी पुलिस ने पति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। विवाहिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 25 दिसंबर 2012 को हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार सौरभ कुमार उर्फ मोनू पुत्र ऋषीपाल के साथ हुई थी। शादी के बाद उसके दो बच्चे हुए। वह पति के साथ नई मंडी थाना क्षेत्र की हरि वृंदावन सिटी स्थित मकान में रह रही थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसका पति सट्टेबाजी का अवैध काम करता है। वह पति को इस काम से रोकती थी, लेकिन वह उसकी बात नहीं मानता था। आरोप है कि सट्टे के कारोबार में पति को नुकसान हो गया, जिसके बाद उसने पत्नी से मायके से रुपये लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। विवाहिता के अनुसार, जब उसने पति की मांग मानने से इनकार किया तो पति ने कथित तौर पर कहा कि उसके मायके वालों ने शादी में उसे कुछ नहीं दिया और अब वह अपने घरवालों से 10 लाख रुपये लेकर आए। आरोप है कि रुपये लाने से इनकार करने पर पति ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। विवाहिता ने शिकायत में आरोप लगाया कि एक दिन उसके साथ मारपीट करने के बाद पति ने उसे घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद उसे घर में दोबारा प्रवेश करने से भी रोक दिया गया। विवाहिता का कहना है कि पति के व्यवहार के कारण वह दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। विवाहिता ने मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को शिकायत भेजी थी।

शिकायत में पति के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। शिकायत के आधार पर थाना नई मंडी पुलिस ने पति सौरभ कुमार उर्फ मोनू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। विवाहिता द्वारा लगाए गए मारपीट, रुपये मांगने और घर से निकालने के आरोपों की जांच साक्ष्यों एवं दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर की जा रही है।

वहलना पुल के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, चालक घायल

पीछे से आई स्कॉर्पियो की जोरदार टक्कर से ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त, घायल को आई चोटें; पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

मुजफ्फरनगर। खालापार थाना क्षेत्र में वहलना पुल के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से ई-रिक्शा चालक घायल हो गया। हादसे में ई-रिक्शा भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद ई-रिक्शा चालक को चोटें आईं। मामले में घायल के रिश्तेदार की तहरीर पर खालापार पुलिस ने स्कॉर्पियो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुजफ्फरनगर जाते समय हुआ हादसा

तहरीर के मुताबिक ग्राम सिमली, थाना शाहपुर निवासी अनित पाल पुत्र रामस्वरूप अपनी ई-रिक्शा संख्या यूपी12डीटी4365 से घर से मुजफ्फरनगर की ओर जा रहा था। बताया गया कि 21 सितंबर 2026 की शाम करीब साढ़े सात बजे जैसे ही वह वहलना पुल के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रही एक स्कॉर्पियो ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। शिकायतकर्ता के अनुसार स्कॉर्पियो संख्या एचआर04एल0054 पीछे से तेज गति में आ रही थी। आरोप है कि चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया और अनित पाल को चोटें आईं।

हादसे के बाद थाने पहुंचकर दी तहरीर

घटना के बाद मामले की जानकारी परिजनों को दी गई। इसके बाद शिकायतकर्ता संजू पुत्र रामचंद्र निवासी ग्राम लोहिया, थाना दौराला, जनपद मेरठ ने खालापार थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में स्कॉर्पियो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई।

पुलिस ने तहरीर में बताए गए स्कॉर्पियो नंबर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस हादसे की परिस्थितियों, वाहन चालक की भूमिका और घायल अनित पाल को आई चोटों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त ई-रिक्शा की स्थिति की भी जांच की जा रही है।

हादसे से सड़क पर मची अफरा-तफरी

वहलना पुल के पास हुए हादसे के बाद कुछ समय के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। दुर्घटना में ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त होने से यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस अब मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

संपादकीय

बुरे काम का बुरा नतीजा

आतंकियों को पाल-पोस कर उन्हें पड़ोसी देशों के खिलाफ औजार की तरह इस्तेमाल करने वाले पाकिस्तान के लिए भी अब यह हथियार सबसे बड़ा खतरा बनता जा रहा है। आतंकी हिंसा ने उसकी आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता के लिए चुनौती पैदा कर दी है। इसी क्रम में बीते शुक्रवार को पाकिस्तान के कोहाट जिले में जुमे की नमाज के दौरान आतंकियों ने पहले एक मस्जिद के पास विस्फोटक से लदे वाहन में धमाका किया और फिर पास के पुलिस ठिकानों पर हमला किया, जिसमें कम से कम इक्कीस लोगों की मौत हो गई और सौ से अधिक घायल हो गए। मृतकों में ज्यादातर पुलिसकर्मी थे।सवाल है कि आतंकी संगठनों को खड़ा करने और वित्तपोषण के जरिए उनकी जड़ों को मजबूत करने में जुटे पाकिस्तान को क्या इसका जरा भी आभास नहीं था कि एक दिन यही आतंकवाद पलट कर उसे भी निशाना बना सकता है? वहां के सत्ताधारियों ने राजनीतिक लाभ के लिए जिन छद्म नीतियों का सहारा लिया, उसका खमियाजा अब अवाम को भी भुगतना पड़ रहा है।इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि पाकिस्तान में आतंकी हिंसा की यह स्थिति अचानक पैदा नहीं हुई है। उसकी नीतियों में आतंकी संगठनों के बीच भेद करने की प्रवृत्ति वर्षों से दिखाई देती रही है। ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि जिन आतंकी संगठनों को पाकिस्तान ने भारत या अफगानिस्तान के खिलाफ खड़ा किया, उन्हें आतंकवाद की परिभाषा से बाहर रखा गया, जबकि जिन्होंने सत्ता की नीतियों के तय ढांचे के विपरीत नए आतंकी संगठन बना लिए, उन्हें देश की सुरक्षा के लिए खतरा करार दिया गया।खबरों के मुताबिक, कोहाट में मस्जिद के पास हमले की जिम्मेदारी जिस आतंकी संगठन ने ली है, उसका गठन पिछले साल अप्रैल में ही हुआ था। इससे स्पष्ट है कि वहां नए-नए आतंकी समूहों के पनपने का सिलसिला लगातार जारी है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताता रहा है, लेकिन उसे यह सच भी स्वीकार करना होगा कि जब तक वह अपनी सहूलियत के हिसाब से आतंकवाद को अच्छा और बुरा मानता रहेगा, तब तक इस संकट का समाधान संभव नहीं है।

यह लिखते हुए गर्व महसूस होता है कि भारतीय सिनेमा के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी संथाली भाषा में बनी लघु फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त होने का यह गौरव प्राप्त हुआ है। झारखंड में फिल्मी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। लेकिन जो प्रोत्साहन यहां के कलाकारों को मिलना चाहिए नहीं मिल पा रहा है। इस कारण यहां की प्रतिभाओं को एक साथ कई नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

संथाली भाषा की लघु फिल्म आंगेन ने झारखंड फिल्म उद्योग का बढ़ाया मान

विजय केसरी

72 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में गैर-फीचर फिल्मों की श्रेणी में संथाली फिल्म आंगेन के निर्देशक रवि राज मुर्मू को बेस्ट डेब्यू फिल्म ऑफ ए डायरेक्टर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। झारखंड की जनजातीय भाषा संथाली में बनी यह पहली लघु फिल्म है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर इतने बड़े सम्मान से अलंकृत किया गया है। आंगेन की यह सफलता झारखंड फिल्म उद्योग को राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाने में सफल हुई है। बारह मिनटों की यह लघु फिल्म इतने कम समय में कई बड़ी बातें कह डाली है। फिल्म के निर्देशक रवि राज मुर्मू ने एक छोटी सी कहानी को बड़े ही सशक्त रूप में पर्दे पर उतार कर एक बेहतर निर्देशक के रूप में प्रस्तुत किया है। सच्चे अर्थों में यह लघु फिल्म एक नया इतिहास भी रचने का काम किया है। यह पुरस्कार झारखंड फिल्म उद्योग से जुड़े कलाकारों, निर्माता निर्देशकों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक नई राह खोलने का भी काम करेगा।

विचारणीय यह है कि झारखंड अलग प्रांत निर्माण के बाद कछुआ गति से चल रहा है। समय-समय पर प्रांत की सरकार झारखंड फिल्म उद्योग के विकास से संबंधित कई बातें कहती रहती हैं, लेकिन धरातल पर उतर नहीं पाती है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि फिल्म उद्योग से जुड़ी आधारभूत संरचना का अभी तक विकास ही नहीं हो पाया है। झारखंड फिल्म उद्योग को कोलकाता और मुंबई फिल्म उद्योग पर निर्भर रहना पड़ रहा है, जो काफी महंगा भी है। वहीं दूसरी ओर झारखंड के फाइनेंसर प्रांत के निर्माणाधीन फीचर फ़िल्म में पैसा ही नहीं लगाना चाहते हैं। अगर कोई फाइनेंसर आगे आते भी है, तो अपनी मुट्ठी बहुत खींच कर रखते हैं, जिस कारण उम्दा फिल्में बन नहीं पाती हैं। इससे फिल्म से जुड़े कलाकारों, तकनीशियनों और निर्देशकों को ढंग से पारिश्रमिक भी नहीं मिल पाता है।

झारखंड के सरकारी और सहकारी कोऑपरेटिव बैंक भी फिल्म निर्माण हेतु फाइनेंस करने के प्रति पूरी तरह उदासीन बने रहते हैं। जबकि सैकड़ो की संख्या में प्रांत के फिल्मकार फिल्म के निर्माण हेतु वित्त पोषण के लिए बैंकों आवेदन लंबित पड़े हुए हैं। फिल्मकार बैंक दौड़ते - दौड़ते थककर फिल्म निर्माण की इच्छा ही छोड़ देते हैं। अर्थात झारखंड फिल्म उद्योग गहरे वित्तीय संकट के दौर से गुजर रहा है। आंगेन की यह उपलब्धि झारखंड फिल्म निर्माण से जुड़े लोगों के लिए एक वरदान साबित होगा। जबकि झारखंड के कई कलाकार तकनीशियन और निर्देशक इस प्रांत से बाहर निकाल कर अपनी प्रतिभा दिखाने में सफल रहे हैं। अगर इन प्रतिभाओं को झारखंड फिल्म उद्योग में काम करने का अवसर मिलता तो अपनी प्रतिभा को और भी बेहतर ढंग से प्रस्तुत कर पाते।

यह लिखते हुए गर्व महसूस होता है कि भारतीय सिनेमा के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी संथाली भाषा में बनी लघु फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त होने का यह गौरव प्राप्त हुआ है। झारखंड में फिल्मी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। लेकिन जो प्रोत्साहन यहां के कलाकारों को मिलना चाहिए नहीं मिल पा रहा है। इस कारण यहां की प्रतिभाओं को एक साथ कई नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस दिशा में अन्य प्रांतों की तरह झारखंड सरकार को भी आगे आने की जरूरत है। रवि राज मुर्मू की पढ़ाई - लिखाई झारखंड के जमशेदपुर में हुई। उन्होंने फिल्म निर्माण से जुड़े प्रशिक्षण मुंबई तथा अन्य प्रसिद्ध फिल्म निर्माण संस्थाओं से प्राप्त किया। प्रारंभ में उन्होंने झारखंड से ही फिल्म निर्माण का काम शुरू किया था। लेकिन अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाने के कारण मुंबई चले गए। वहां उन्होंने फिल्म निर्माण का अनुभव तथा बहुत सारा काम किया। आगे उन्होंने झारखंड के जमशेदपुर से फिल्म निर्माण का काम शुरू किया। वे अपनी कड़ी मेहनत और लगन की बदौलत इस क्षेत्र में आगे बढ़ते चले जा रहे हैं।

आंगेन लगभग बारह मिनट दस सेकंड की एक लघु फिल्म है यह लघु फिल्म आदिवासी समाज की संस्कृति, लोककथाओं और रोजमर्रा के जीवन संघर्षों पर आधारित है। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया, जिससे झारखंड और संथाली सिनेमा का मान बढ़ा है। यह रेखांकित करता है कि संथाली फिल्म आंगेन को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान से क्षेत्रीय कथा कला और आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। आंगेन एक संथाली शब्द है, जिसका अर्थ अदृश्य होता है। इस फिल्म की कहानी झारखंड की एक पारंपरिक लोक कथा पर आधारित है। फिल्म की कहानी झारखंड के एक संथाली बालक बांसुरी वादक चरवाहा सुकू के इर्द-गिर्द घूमती है। सुकू अपने गांव में मवेशी चराता है। वह बहुत ही मधुर बांसुरी बजाता है। सांवला रंग का वह बालक जितना अच्छा बांसुरी बजाता है, उसका मन भी उतना ही निर्मल होता है, उसकी निर्मलता उसके चेहरे से साफ-साफ झलकती भी है। सुकू की बांसुरी की धुन इतनी मनमोहक होती है कि जल स्रोत के पास रहने वाली आकाश लोक की एक अलौकिक देवी उससे मोहित हो जाती है। वह देवी अपनी शक्तियों और पानी के रास्ते उस चरवाहे को अपनी अलौकिक और वैभवशाली आकाश लोक में ले जाती है, जहां उसे सारे ऐशो-आराम मिलते हैं।

आगे की कहानी है कि कई वर्षों तक दिव्य लोक में सुकू को रहने बाद उसका मोहभंग होता है। वह किसी तरह अपनी धरती व जड़ों की याद में वापस पृथ्वी पर लौटता है, तो पाता है कि उसका पुराना, अपना गांव और समाज पूरी तरह बदल चुका है या अदृश्य सा हो गया है। यह लोककथा आधुनिकता की अंधी दौड़ और अपनी सांस्कृतिक जड़ों, भाषा व पहचान से दूर होते जा रहे युवाओं के महानगरों की ओर पलायन का एक दार्शनिक और प्रतीकात्मक रूप है। इसी दृश्य के साथ यह फिल्म यहीं पर समाप्त होती है। इस छोटी सी कहानी में लघु कथा के लेखक बहुत बड़ी बात कहने की कोशिश की है। जन्मभूमि से जुड़े रहने की बात ही कुछ और होती है। आज भौतिकतावादी और आधुनिकता ने लोगों को एक भ्रम में डाल दिया है। इसी भ्रम के दौड़ में मनुष्य बिना परिणाम जाने अपनी जन्मभूमि से पलायन कर जाता है। महानगरों में कुछ वर्षों तक रहने के बाद जब वह विचारता है, तो पाता है कि जन्म भूमि का त्याग कर उसने अच्छा नहीं किया। उसे अपने व जड़ की याद सताने लगती है। वह महानगर छोड़ने का निर्णय ले लेता है। तब तक काफी देर हो चुका होता है। जब वह अपनी जन्मभूमि पर दस्तक देता है, पूरी स्थितियां बदली हुई नजर आती है। इस कथा के लेखक इस फिल्म के माध्यम से यह भी आह्वान करना चाहते हैं कि लोग अपनी जड़ों से जुड़कर रहें। यहां की मिट्टी, संसाधन, भाषा और संस्कृति के साथ पले और बढ़ें। अपनी मिट्टी की बेहतरी के सोचें और लगातार कुछ करते रहे।

यह 72 वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का वितरण 22 सितंबर 2026 को गुजरात के एकता नगर, केवड़िया में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में देश के राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं। इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर संपन्न होने वाले फिल्म उद्योग का सबसे महत्वपूर्ण और बड़ा कार्यक्रम के रूप में जाना जाता है। आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अभिनेता अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में पांच दशक से अधिक समय तक योगदान के लिए दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए आर्टिकल 370 को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म के लिए कल्कि 2898 एडी को सम्मानित किया गया। वहीं सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए कार्तिक आर्यन, फिल्म चंदू चैंपियन और ममूटी,मलयालम फिल्म ब्रह्मा युगम दोनों को संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के तौर पर यामी गौतम, फिल्म आर्टिकल 370 के लिए सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ निर्देशन के तौर पर राजकुमार पेरियासामी, तमिल फिल्म अमरन के लिए सम्मानित किया गया।

पत्रकार कौन है और प्रचारक कौन?

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज के दौर में यह पहचानना पहले से कहीं अधिक कठिन होता जा रहा है कि पत्रकार कौन है और प्रचारक कौन। समाचार माध्यमों की संख्या बढ़ी है, सूचना के स्रोत बढ़े हैं और सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का मंच दिया है। लेकिन इसी विस्तार के बीच पत्रकारिता की मूल भूमिका को लेकर एक गंभीर प्रश्न खड़ा हुआ है कि क्या पत्रकारिता अभी भी सत्ता से सवाल करने का माध्यम है, या वह राजनीतिक और वैचारिक खेमेबंदी का हिस्सा बनती जा रही है? यह प्रश्न किसी एक व्यक्ति, संस्था, चैनल या विचारधारा तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र में पत्रकारिता की विश्वसनीयता का प्रश्न इससे कहीं व्यापक है।

आज मीडिया पर अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि पत्रकारिता दो स्पष्ट खेमों में बंट गई है। एक खेमा सत्ता की लगभग हर नीति, निर्णय और बयान का बचाव करता दिखाई देता है, जबकि दूसरा सत्ता के लगभग हर कदम में कमी या दोष तलाशता नजर आता है। दोनों के अपने दर्शक, पाठक और समर्थक हैं। दोनों के पास अपने तर्क हैं और दोनों के आसपास अपनी-अपनी वैचारिक भीड़ है। समस्या यह नहीं कि पत्रकार सत्ता की आलोचना करता है या किसी नीति का समर्थन करता है। समस्या तब पैदा होती है जब पत्रकार की भूमिका ही किसी राजनीतिक पक्ष के समर्थन या विरोध तक सीमित हो जाए।

पत्रकारिता का काम सत्ता के पक्ष में खड़ा होना नहीं है। लेकिन उसका काम केवल सत्ता के विरोध में खड़ा होना भी नहीं है। उसका वास्तविक दायित्व सत्ता के सामने खड़ा होकर सवाल पूछना है। लोकतंत्र में सत्ता किसी एक दल, नेता या सरकार का निजी अधिकार नहीं होती। सत्ता जनता से प्राप्त जिम्मेदारी है और पत्रकारिता उस जिम्मेदारी की सार्वजनिक निगरानी का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए पत्रकार का पहला दायित्व किसी पार्टी, नेता या विचारधारा के प्रति नहीं, बल्कि तथ्यों, संविधान, लोकतांत्रिक संस्थाओं और जनहित के प्रति होना चाहिए। यही कारण है कि पत्रकारिता में सवाल पूछना सबसे महत्वपूर्ण काम है। सरकार कोई निर्णय ले तो सवाल होना चाहिए कि वह निर्णय क्यों लिया गया, उसका उद्देश्य क्या है, उसका लाभ किसे मिलेगा, उसका नुकसान किसे उठाना पड़ेगा, उसके लिए कितना सार्वजनिक धन खर्च होगा और उसके परिणामों को कैसे मापा जाएगा। इसी तरह विपक्ष कोई दावा करे तो सवाल होना चाहिए कि उस दावे के तथ्य क्या हैं, उसका आधार क्या है, क्या उसका कोई वैकल्पिक प्रस्ताव है और उसके वादे कितने व्यावहारिक हैं। सवाल का पैमाना व्यक्ति या दल नहीं, तथ्य और जनहित होना चाहिए।

आज पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल राजनीतिक दबाव नहीं है। एक दूसरी चुनौती भी उतनी ही गंभीर है–दर्शकों और पाठकों की पसंद। लोग अक्सर वही सुनना चाहते हैं जो उनकी पहले से बनी धारणा की पुष्टि करता हो। इससे मीडिया संस्थानों पर भी वही सामग्री प्रस्तुत करने का दबाव बढ़ता है जिसे उनका निर्धारित दर्शक वर्ग पसंद करता है। यहीं से पत्रकारिता और प्रचार के बीच की सीमा धुंधली होने लगती है।

प्रचार का उद्देश्य किसी विचार, व्यक्ति या व्यवस्था के पक्ष में जनमत बनाना होता है। पत्रकारिता का उद्देश्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जनता को जानकारी देना और आवश्यक सवाल उठाना है। दोनों के बीच अंतर हमेशा शब्दों से नहीं, बल्कि काम करने की पद्धति से दिखाई देता है। पत्रकारिता में स्रोतों की जांच, दावों का सत्यापन, संदर्भ की पड़ताल और संबंधित पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर देना महत्वपूर्ण है। इसके विपरीत, जब निष्कर्ष पहले तय हो और तथ्य केवल उसे सही साबित करने के लिए चुने जाएं, तो पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। एक पत्रकार से गलती हो सकती है। कोई तथ्य गलत रिपोर्ट हो सकता है या किसी खबर में संदर्भ छूट सकता है। लेकिन विश्वसनीय पत्रकारिता की पहचान यह है कि गलती सामने आने पर उसे सुधारा जाए, स्रोतों की दोबारा जांच की जाए और अपनी रिपोर्टिंग पर लगातार आत्ममंथन किया जाए। निष्पक्षता का अर्थ यह भी नहीं कि हर मुद्दे पर दोनों पक्षों को बराबर सही बताया जाए। यदि किसी दावे के समर्थन में मजबूत तथ्य हैं । और दूसरे दावे के समर्थन में नहीं, तो पत्रकार का दायित्व तथ्यों को उसी अनुपात में सामने रखना है। संतुलन का अर्थ झूठ और सच को बराबर वजन देना नहीं हो सकता। इसी तरह सत्ता से सवाल करना सत्ता-विरोधी होना नहीं है। लोकतंत्र में प्रश्न पूछना विरोध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही की प्रक्रिया है। जो सरकार जनता के नाम पर निर्णय लेती है, उससे जनता के सवाल पूछे जाना स्वाभाविक है।

भारत ने खोला वैश्विक बाजारों का नया अध्याय : एफटीए से भारत की वैश्विक आर्थिक छलांग

न्यूजीलैंड की संसद ने 16 सितंबर को इसे लागू करने के लिए आवश्यक विधायी प्रक्रिया पूरी करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया, जिसके बाद समझौते के प्रभावी होने का रास्ता और स्पष्ट हुआ। मुक्त व्यापार समझौता मूलत: ऐसा व्यापारिक प्रबंध है, जिसके अंतर्गत दो देश एक-दूसरे के उत्पादों पर लगने वाले सीमा शुल्क को कम या समाप्त करते हैं और वस्तुओं, सेवाओं, निवेश तथा पेशेवरों की आवाजाही के लिए बाजार तक पहुंच आसान बनाते हैं।

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के व्यापार व्यवस्था में बढ़ते शुल्क, बदलती आपूर्ति श्रृंखलाओं और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण नया अध्याय 20 अक्टूबर 2026 से खुलने जा रहा है। 20 सितंबर 2026 तक भारत नेअपने विभिन्न व्यापारिक साझेदारों के साथ अनेक मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें श्रीलंका,दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र के सदस्य देश,सिंगापुर, आसियान के दस देश,दक्षिण कोरिया, जापान, मलेशिया, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया तथा यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के चार देश शामिल हैं, वहीं ब्रिटेन, ओमान, न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ जैसे हालिया समझौते हस्ताक्षर अथवा अंतिम क्रियान्वयन प्रक्रिया के अलग-अलग चरणों में हैं। मैं बताना चाहूंगा कि इन समझौतों का सकारात्मक प्रभाव भारतीय निर्यातकों को बड़े विदेशी बाजारों में कम शुल्क के साथ प्रवेश, निवेश के नए अवसर,आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता, रोजगार तथा भारतीय विनिर्माण और सेवाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ने के रूप में सामने आया है। भारत - ऑस्ट्रेलिया समझौते के बाद वस्त्र, औषधि रसायन और कृषि सहित कई क्षेत्रों में लाभ दर्ज हुआ है।वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में जब संरक्षणवाद, शुल्क वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखला का पुनर्गठन और भू-राजनीतिक तनाव अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित कर रहे हैं, तब एफटीए भारत को अनेक बाजारों से जोड़कर जोखिमों को फैलाने और निर्यात के लिए वैकल्पिक रास्ते बनाने में मदद कर सकते हैं। लेकिन इन्हें स्वतः लाभ का सौदा मानना भी उचित नहीं होगा, क्योंकि आयात बढ़ने, घरेलू उद्योग पर प्रतिस्पर्धात्मक दबाव, सीमा शुल्क राजस्व में कमी और व्यापार घाटे जैसी चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। इसलिए भारत के लिए एफटीए की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि बाजार पहुंच का लाभ वास्तविक निर्यात, निवेश, उत्पादन, रोजगार और तकनीकी क्षमता में कितना बदलता है।

साथियों बात अगर हम भारत -न्यूजीलैंड 20 अक्टूबर 2026 से लागू होने वाला समझौते एफ़टीए की करें तो 27 अप्रैल 2026 को हस्ताक्षरित यह समझौता 20 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होने वाला है। न्यूजीलैंड की संसद ने 16 सितंबर को इसे लागू करने के लिए आवश्यक विधायी प्रक्रिया पूरी करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया, जिसके बाद समझौते के प्रभावी होने का रास्ता और स्पष्ट हुआ। मुक्त व्यापार समझौता मूलतः ऐसा व्यापारिक प्रबंध है, जिसके अंतर्गत दो देश एक-दूसरे के उत्पादों पर लगने वाले सीमा शुल्क को कम या समाप्त करते हैं और वस्तुओं, सेवाओं, निवेश तथा पेशेवरों की आवाजाही के लिए बाजार तक पहुंच आसान बनाते हैं। भारत के लिए इसका महत्व केवल निर्यात बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय उद्योग, छोटे कारोबार, किसानों, रोजगार, निवेश, तकनीक और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिष्ठा को प्रभावित करने वाला व्यापक समझौता है। भारत सरकार के अनुसार, न्यूजीलैंड भारत से आने वाले सभी उत्पादों को शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच देगा, जबकि भारत न्यूजीलैंड के लगभग 95 प्रतिशत द्विपक्षीय व्यापार मूल्य को समेटने वाले उत्पादों पर शुल्क में कमी अथवा समाप्ति की व्यवस्था कर रहा है।

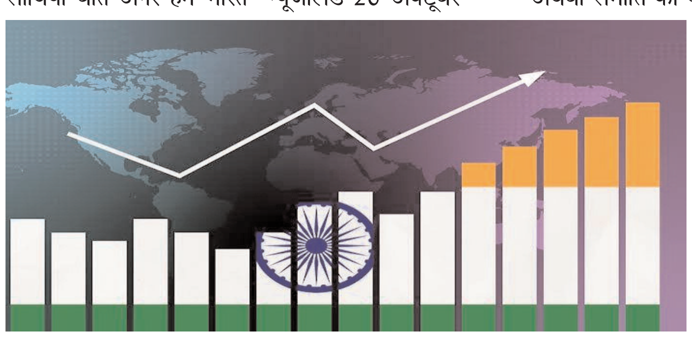

साथियों, इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता भारतीय निर्यातकों के लिए न्यूजीलैंड के बाजार का लगभग पूरी तरह खुलना है कपड़ा, परिधान, चमड़ा, जूते, इंजीनिरी सामान, औषधि, रसायन, प्रसंस्कृत खाद्य और श्रम-प्रधान उद्योगों को इससे नए अवसर मिल सकते हैं। सीमा शुल्क समाप्त होने से भारतीय उत्पादों की न्यूजीलैंड के बाजार में पहुंच लागत कम हो सकती है और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ सकती है।विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि बड़े उद्योगों की तुलना में छोटे निर्यातकों के लिए शुल्क और परिवहन लागत का प्रभाव अधिक होता है। सरकार ने भी इस समझौते में छोटे और मध्यम उद्यमों तथा महिला उद्यमियों को विशेष महत्व दिए जाने की बात कही है। यदि भारतीय कंपनियां गुणवत्ता, समय पर आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने में सफल रहती हैं, तो न्यूजीलैंड का बाजार उनके लिए केवल वर्तमान निर्यात बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि आगे दूसरे विकसित बाजारों में प्रवेश की प्रतिष्ठा और अनुभव हासिल करने का मंच भी बन सकता है।

साथियों, कृषि क्षेत्र में भी समझौते का स्वरूप संतुलित रखने की कोशिश दिखाई देती है। भारत ने न्यूजीलैंड के बाजार को व्यापक रूप से खोलने के बदले अपने संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण दिया है। दूध, क्रीम, पनीर, दही और अन्य प्रमुख दुग्ध उत्पादों के साथ कई संवेदनशील कृषि वस्तुओं को शुल्क रियायतों से बाहर रखा गया है। प्याज, चीनी मसाले, खाद्य तेल और कुछ अन्य संवेदनशील वस्तुओं पर भी संरक्षण बनाए रखा गया है। दूसरी ओर, लकड़ी ऊन,भेड़ के मांस और कच्ची खाल जैसे उत्पादों पर शुल्क समाप्त करने अथवा घटाने की व्यवस्था की गई है, जिससे भारतीय उद्योगों को कुछ आवश्यक कच्चे माल अधिक प्रतिस्पर्धी लागत पर मिल सकते हैं। इस प्रकार समझौते में एक ओर निर्यात के लिए अवसर बढ़ाए गए हैं तो दूसरी ओर घरेलू किसान और संवेदनशील उद्योगों के लिए सुरक्षा कवच भी रखा गया है।

साथियों, इस समझौते का दूसरा महत्वपूर्ण स्तंभ निवेश है। न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यदि यह निवेश वास्तविक परियोज नाओं में परिवर्तित होता है तो विनिर्माण, आधारभूत ढांचे, नवाचार, कृषि उत्पादकता, आधुनिक तकनीक और रोजगार के क्षेत्र में इसके प्रभाव दिखाई दे सकते हैं। समझौते में कौशल और पेशेवरों की आवाजाही को भी महत्व दिया गया है।पांच हजार तक कुशल भारतीयों के लिए अस्थायी रोजगार मार्ग, युवाओं के लिए कार्य- अवकाश व्यवस्था तथा विद्यार्थियों और कुशल स्नातकों के लिए अध्ययन के बाद काम के अवसर भारतीय प्रतिभाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव के नए रास्ते खोल सकते हैं। स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा, योग, शिक्षा, पर्यटन और खेल जैसे क्षेत्रों में सहयोग भी भारत की सेवाक्षेत्रीय क्षमता को बढ़ाने में सटिका से सहायक हो सकता है।

शामली में खनन अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार, कार्यालय और आवास से 71 लाख रुपये से अधिक की नकदी बरामद

शामली। एंटी करप्शन मेरठ की टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए शामली के जिला खनन अधिकारी सुधाकर सिंह को 85 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान खनन विभाग के कार्यालय और अधिकारी के आवास की तलाशी में 71 लाख रुपये से अधिक की नकदी बरामद होने की बात सामने आई है। शिकायतकर्ता ने खनन अधिकारी पर खनन पट्टे से संबंधित आवेदन को अग्रसारित करने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। शिकायत के आधार पर सतर्कता अधिष्ठान, मेरठ सेक्टर की ट्रैप टीम ने 24 सितंबर को कार्रवाई की।

बताया गया कि शिकायतकर्ता से 85 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। टीम ने खनन अधिकारी सुधाकर सिंह को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय तलाशी में कार्यालय से 8 लाख रुपये तथा आवास की तलाशी के दौरान करीब 63 लाख रुपये नकद बरामद होने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा शिकायतकर्ता द्वारा दी गई 50 हजार रुपये की रिश्वत राशि भी अधिकारी के खाते में पहुंचने की बात प्रेस नोट में कही गई है।

एंटी करप्शन के अधिकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने 2 सितंबर को खनन पट्टे के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था।

आवेदन को आगे बढ़ाने के लिए उससे कथित तौर पर रिश्वत की मांग की गई। शिकायत के बाद सतर्कता विभाग ने जांच कर ट्रैप की कार्रवाई की।

एंटी करप्शन टीम द्वारा आरोपी जिला खनन अधिकारी और कार्यालय के संबंधित कर्मचारी के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गाजियाबाद में कार पार्किंग को लेकर मारपीट, एक गिरफ्तार

गाजियाबाद। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के शक्ति खंड में कार पार्किंग को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि राहुल और उसके दो साथियों ने कार्तिक के साथ मारपीट की। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। मामले में कार्तिक की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी राहुल को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने आरोपी के वाहन को भी कब्जे में लिया है। गाजियाबाद के इंदिरापुरम शक्ति खंड की हैं, जहां कार पार्किंग को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। आरोप है कि पार्किंग में गाड़ी लगाने को लेकर कार्तिक और राहुल के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद राहुल के दो साथियों ने कार्तिक के साथ मारपीट की। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। कार्तिक की शिकायत पर इंदिरापुरम पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी राहुल को हिरासत में ले लिया है। साथ ही घटना में इस्तेमाल वाहन को भी पुलिस ने कब्जे में लिया है।

सहारनपुर में 4 करोड़ 76 लाख की स्मैक के साथ बरेली के 3 तस्कर गिरफ्तार, एन्टी नारकोटिक्स सेल के गठन के बाद पहली कार्यवाही में ही मिली बड़ी सफलता

सहारनपुर। जनपद में पुलिस ने स्मैक तस्करों पर शिकंजा कसा है। पुलिस ने 4 करोड़ 76 लाख की स्मैक के साथ 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए सभी तस्कर बरेली के रहने वाले है।

सहारनपुर के डीआईजी अभिषेक सिंह और एसएसपी अभिनन्दन आपरेशन सवेरा के तहत नशा कारोबारियों के खिलाफ एक्शन मोड़ में नजर आ रहे हैं। एसएसपी के निर्देश पर जिलेभर में नशाखोरी और नशे के कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है जिसके लिए अलग से एन्टी नारकोटिक्स सेल का गठन किया गया है। इसी कड़ी में थाना नकुड़, एन्टी नारकोटिक्स सेल, स्वाट और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए स्मैक तस्करों के बड़े गिरोह का भंडफोड़ किया है। एसएसपी अभिनन्दन ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन स्मैक तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनके कब्जे से 2 किलो 380 ग्राम स्मैक बरामद की है, जिसकी बाजार में कीमत करीब 4 करोड़ 76 लाख रुपये बताई जा रही है। पकड़े गए स्मैक तस्करों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार सभी तस्कर बरेली के रहने वाले हैं जो वहां से स्मेक लाकर सहारनपुर के विभिन्न इलाकों में बेचते थे।

मुजफ्फरनगर में गूंजेगा, राष्ट्रचेतना का स्वर—वन्दे मातरम

मुजफ्फरनगर। वन्दे मातरम के 150वें वर्ष के ऐतिहासिक अवसर पर विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में आयोजित देशव्यापी अभियान नमामि भारतम के अंतर्गत दिनांक 25 सितम्बर 2026, शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे देशभर में एक साथ वन्दे मातरम का सामूहिक गायन किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अभियान में देश के 25,000 से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से अधिक विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक एवं जनसमुदाय एक साथ, एक स्वर और एक लय में सम्पूर्ण वन्दे मातरम का गायन करेंगे। इस विराट राष्ट्रव्यापी आयोजन में मुजफ्फरनगर भी अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराते हुए इतिहास का साक्षी बनेगा।

नमामि भारतम केवल सामूहिक गायन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र की नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली विरासत, ह्यवन्दे मातरम्ह्न की ऐतिहासिक यात्रा तथा मातृभूमि के प्रति श्रद्धा, त्याग, आत्मसम्मान और राष्ट्रीय एकता के भाव से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है।

वन्दे मातरम–एक गीत नहीं, स्वतंत्रता चेतना का अमर स्वर

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान वन्दे मातरम ने राष्ट्रभक्ति और जनचेतना को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्रता के पश्चात इसे राष्ट्रीय गीत का गौरव प्राप्त हुआ। इसके 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में पहली बार विशेष रूप से सम्पूर्ण छह छंदों के सामूहिक गायन का यह व्यापक अभियान आयोजित किया जा रहा है।

इस राष्ट्रव्यापी अभियान को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स एवं इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा सर्वाधिक विद्यार्थियों एवं जनसमुदाय के एक साथ वन्दे मातरम गायन के प्रमाणीकरण हेतु सूचीबद्ध किया गया है। मुजफ्फरनगर बनेगा इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी

जब 25 सितम्बर को प्रातः 11:00 बजे देश के हजारों स्थानों के साथ मुजफ्फरनगर की धरती पर भी एक साथ वन्दे मातरम का स्वर गूंजेगा, तब यह क्षण राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रचेतना और स्वतंत्रता संग्राम की अमर विरासत को नमन करने का अनुपम अवसर होगा।

मेरठ के एक्सिस बैंक में मिले लाखों के नकली नोट

मेरठ। सहारनपुर में करेंसी चेस्ट से 17.29 करोड़ रुपये के नकली नोट मिलने के बाद अब मेरठ में भी मंगलपांडे नगर स्थित एक्सिस बैंक की करेंसी चेस्ट में चार लाख 63 हजार 650 रुपये के नकली नोट मिले हैं। इनमें 500, 200, 100, 50, 20 और 10 रुपये के नोट शामिल हैं। नकली नोट मिलने के बाद करेंसी चेस्ट के प्रबंधक ने सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार हरियाणा के हिसार सेक्टर-16 निवासी सरताज सिंह ने बताया कि वह मेरठ के मंगलपांडेनगर स्थित एक्सिस बैंक की करेंसी चेस्ट के प्रबंधक हैं। मंगलवार को बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ करेंसी चेस्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान एक दिसंबर 2024 से 31 दिसंबर 2025 के बीच अलग-अलग बैंकों से जमा हुई रकम की जांच की गई। इसी प्रक्रिया में बड़ी संख्या में नकली नोट सामने आए। मंगलपांडेनगर स्थित एक्सिस बैंक की इस करेंसी चेस्ट से करीब 186 बैंकों की शाखाएं जुड़ी हुई हैं। नकली नोट आखिर किस बैंक की शाखा से होकर करेंसी चेस्ट तक पहुंचे, इसकी जांच की जा रही है।

सीएम योगी का उपहार: लखनऊ में दस लाख लोगों को मिलेगा अपना घर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एलडीए की 10,680 एकड़ में वरुण विहार व नैमिष नगर योजनाओं का किया भूमिपूजन

लखनऊ। राजधानी में घर का सपना संजोने वालों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बड़ा उपहार दिया। मुख्यमंत्री ने आगरा एक्सप्रेसवे के निकट ग्राम दोना में आयोजित कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 12 हजार करोड़ रुपये की लागत से 10,680 एकड़ में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की वरुण विहार व नैमिष नगर योजनाओं का भूमिपूजन किया। इस दौरान सीएम योगी ने 4520 भूखंडों के लिए पंजीकरण का शुभारंभ और 2166 करोड़ से प्रस्तावित पांच मल्टीस्टोरी हाउसिंग प्रोजेक्ट्स (लेक व्यू, पार्क व्यू, ऐशबाग स्क्वॉयर, अनंत नगर योजना स्थित अदिति अपार्टमेंट व शारदा नगर विस्तार स्थित वागेश्वरी अपार्टमेंट) का शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर पौधरोपण भी किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की तरह लखनऊ में अब कट्टा-बम नहीं, बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। वरुण विहार व नैमिष नगर योजनाओं में सीएम ने कहा कि किसी भी शहर के पश्चिम के दिग्पाल वरुण देवता होते हैं। वरुण विहार में 6500 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में छह लाख लोगों तथा 4100 एकड़ में नैमिष योजना के तहत 4 लाख लोगों को आवासीय सुविधा मिलेगी। सीएम ने नैमिषारण्य की महत्ता भी बताई, कहा कि आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने के लिए लखनऊ व सीतापुर के सीमावर्ती क्षेत्र में नैमिष नगर के रूप में एलडीए नई योजना लेकर आया है। सीएम ने कहा कि ये दोनों योजनाएं आने वाले समय में लखनऊ के विस्तार, संभावनाओं और सुरक्षित आवास की दृष्टि से लाई गई हैं। अध्ययनरत छात्रों, हेल्थकेयर में संभावनाओं को बढ़ाने वाले युवाओं, रोजगार की दृष्टि से राजधानी आने वालों और लखनऊ को भविष्य मानकर यहां जीवन व्यतीत करने का विचार रखने वाले नागरिकों के लिए ये दोनों आवासीय योजनाएं अत्यंत लाभकारी होंगी। सीएम ने कहा कि लखनऊ व सीतापुर में अब दूरी नहीं होगी। यहां फोरलेन कनेक्टिविटी भी होगी। वरुण विहार के बीच से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी देंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारी सरकार में एलडीए व किसानों के बीच कोई मध्यस्थ नहीं रहेगा। योजनाओं में जिन भी किसानों को जमीन आएगी, उन्हें सीधे मुआवजा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटलजी के सपनों का लखनऊ विकास की नई बुलंदियों को छू रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, एयरपोर्ट, मेट्रो का विस्तार हो रहा है। पिछली सरकार की तरह यहां अब कट्टा और बम नहीं, बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। जब हमारे जवान इसका इस्तेमाल करते हैं तो दुश्मन थर्रा उठता है। लखनऊ विकास की नई बुलंदियों को छुए, इसके लिए नई योजनाएं लाई जा रही हैं।

मुजफ्फरनगर में नेपाल के आपदा पीड़ितों की सेवा करने वाले प्रतिनिधिमंडल का अभिनंदन: ग्राउण्ड जीरो पर पहुँचाई राहत सामग्री

पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप की पहल पर चलाया गया अभियान

मुजफ्फरनगर। नेपाल में बीते दिनों आई भीषण प्राकृतिक त्रासदी से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए हाथ बढ़ाने वाले मुजफ्फरनगर के व्यापारी नेताओं का वापस लौटने पर जोरदार स्वागत किया गया। नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप द्वारा चलाए गए 'नेपाल हेल्पिंग हैंड्स' अभियान के अंतर्गत एकत्र की गई राहत सामग्री और नकद धनराशि को लेकर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल नेपाल के अति-प्रभावित क्षेत्रों में पहुँचा था। इस दुर्गम और चुनौतीपूर्ण यात्रा को सफलतापूर्वक पूर्ण कर मुजफ्फरनगर लौटने पर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का फूल-मालाओं से अभिनंदन किया।

टाउनहाल से रवाना हुआ था राहत सामग्री का ट्रक

वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष संजय मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि नेपाल में 28 अगस्त को आई भीषण आपदा के बाद प्रभावित परिवारों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई थी। इस मानवीय संकट को देखते हुए पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप की अगुवाई में खाद्य सामग्री और वित्तीय सहयोग जुटाने का अभियान शुरू किया गया था। 15 सितम्बर को मुजफ्फरनगर के टाउनहाल से पालिकाध्यक्ष ने चावल, दाल और आवश्यक सामग्रियों से भरे एक ट्रक को हरी झंडी दिखाकर नेपाल के लिए रवाना किया था।

जोखिम भरा सफर तय कर ग्राउण्ड जीरो पहुँचे तीन जांबाज पदाधिकारी

राहत सामग्री को सुरक्षित और सही हाथों तक पहुँचाने का दायित्व व्यापार मंडल के तीन प्रमुख पदाधिकारियों ने संभाला। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष विकल्प जैन के नेतृत्व में नई मंडी इकाई के प्रभारी आशुतोष गुप्ता और नगर मंत्री दिनेश जैन सड़क मार्ग से नेपाल पहुँचे। तीनों नेताओं ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में खुद जाकर पीड़ितों से मुलाकात की और नकद आर्थिक सहायता के साथ-साथ खाद्य सामग्री वितरित की। लगभग सात दिनों की कठिन यात्रा के बाद यह टीम वापस मुजफ्फरनगर पहुँची।

नेपाल में विश्व हिंदू महासंघ ने जताया आभार

नेपाल सीमा में प्रवेश करने पर विश्व हिंदू महासंघ अंतरराष्ट्रीय की नेपाल प्रांत अध्यक्ष अस्मिता भंडारी ने अपनी टीम के साथ मुजफ्फरनगर के इस प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। उन्होंने अस्मिता भंडारी ने प्रतिनिधिमंडल को आपदा से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों (ग्राउण्ड जीरो) का दौरा कराया और वहां की भयावह स्थिति से रूबरू कराया। अभिनंदन समारोह के दौरान विकल्प जैन ने कहा कि नेपाल में आई इस विभीषिका ने हजारों जिंदगियों को तबाह कर दिया है और बड़ी संख्या में लोग अकाल मृत्यु के शिकार हुए हैं। वहां की परिस्थितियाँ बेहद हृदयविदारक हैं। पालिकाध्यक्ष और मुजफ्फरनगर के समाज ने हमें जो जिम्मेदारी दी थी, उसे पूरा करना हमारा पहला कर्तव्य था। पीड़ितों के चेहरों पर राहत देखकर हमारी पूरी थकान दूर हो गई।

संगठन ने पालिकाध्यक्ष एवं सहयोगियों का जताया आभार

कार्यक्रम में व्यापार मंडल ने इस पूरे अभियान की सफलता के लिए पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने वाले प्रमुख लोगों में संजय मित्तल के अलावा मुदित जैन, दिनेश बंसल, नीरज गांधी, संजय बंसल, सागर बंसल, अमित राय जैन और संजीव बत्रा सहित व्यापार मंडल के अनेक गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चकबंदी मामलों में किसानों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के निर्देश, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चकबंदी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और न्यायपूर्ण बनाने के लिए योगी सरकार ने अधिकारियों को प्रक्रिया से जुड़े मामलों में नियमों का सख्ती से पालन करने और किसानों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के निर्देश दिए हैं। चकबंदी आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद के निदेशों के मुताबिक उत्तर प्रदेश जोत चकबंदी अधिनियम-1953 की धारा 6(1) के तहत किसी गांव में चकबंदी प्रक्रिया समाप्त होने की स्थिति में चकबंदी अधिकारियों का क्षेत्राधिकार भी समाप्त हो जाएगा। धारा 6(2) की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विचाराधीन मामले स्वतः समाप्त माने जाएंगे और ग्राम के सभी अभिलेख तत्काल तहसील प्रशासन को वापस सौंपे जाएंगे। निर्देश नहीं मानने पर होगी कार्रवाई

इसके साथ ही अभिलेखों में हुए अंतिम संशोधनों के आदेशों की प्रमाणित सूचियां तैयार कर अभिलेखागार, चकबंदी कार्यालय और तहसील में भेजने के निर्देश दिए गए हैं। किसी गांव से संबंधित आदेश को रद्द कराने के लिए मामला सामने आने पर उसे तत्काल सक्षम स्तर पर भेजने को कहा गया है। निदेशों का पालन नहीं करने वाले चकबंदी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

न्यायिक मामलों में भी सख्ती

चकबंदी आयुक्त ने धारा 52(1) की विज्ञप्ति जारी होने के बाद नई आपत्तियां, संदर्भ या पुनर्स्थापन प्रार्थना पत्र स्वीकार करने पर पूरी तरह रोक का भी उल्लेख किया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के एक फैसले का हवाला देते हुए स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित प्रक्रिया के बाद मामलों को दोबारा शुरू करना क्षेत्राधिकार से बाहर और न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आ सकता है। ऐसे नियमों का उल्लंघन कर आदेश जारी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

रंग संसार

मेरी एक टांग नकली है...' वेलकम फिल्म के डायलॉग से मशहूर हुए मुश्ताक खान नहीं रहे, 56 की उम्र में निधन

नई दिल्ली। 'वेलकम', 'गदरः एक प्रेम कथा' और 'जोड़ी नंबर 1' जैसी फिल्मों में अपनी यादगार भूमिका से पहचान बनाने वाले अभिनेता मुश्ताक खान का निधन हो गया है। एक्टर 56 साल के थे और कैंसर की समस्या से जूझ रहे थे। हिंदी फिल्मों और टेलीविजन में काम करने वाले अभिनेता को ज्यादातर सपोर्टिंग रोल्स में देखा गया। उनके निधन से भारतीय मनोरंजन जगत को एक बड़ी क्षति हुई है। बताया जा रहा है कि मुश्ताक खान पिछले करीब 15 दिनों से मुंबई के नानावती अस्पताल में भर्ती थे। वह कैंसर से जूझ रहे थे। पांच साल पहले उन्हें इस बीमारी के बारे में पता चला था लेकिन हाल ही में इसका दोबारा अटैक हुआ जिसके बाद उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई। उनका अंतिम संस्कार कल किया जाएगा। उनका जन्म मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बैहर कस्बे में एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। अभिनेता को 2007 की कॉमेडी वेलकम में बल्लू की भूमिका निभाने के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है। इस फिल्म में वो अक्षय कुमार, नाना पाटेकर, अनिल कपूर और परेश रावल के साथ नजर आए।इन फिल्मों में कर चुके हैं काम इसके अलावा वो हेरा फेरी, हम हैं राही प्यार के, जोड़ी नंबर 1 और वांटेड सहित कई अन्य फिल्मों का भी हिस्सा रहे हैं। उनके टेलीविजन क्रेडिट में कुछ रंग प्यार के ऐसे भी, भारत एक खोज, वागले की दुनिया, नुक्कड़ और अन्य जैसे शो शामिल हैं।अनीस बज्मी की फिल्म 'वेलकम' में उदय शेट्टी (नाना पाटेकर) के खास आदमियों में से एक के तौर पर उनके रोल को इतने सालों में खूब लोकप्रियता मिली है कि वह सोशल मीडिया पर एक मीम बन गया है। मुश्ताक खान 'भारत एक खोज' (1988), 'जबान संभाल के' (1993), 'अदालत' (2010) जैसे कई हिट शो और वेब सीरीज 'TVF ट्रिपलिंग' (2019) के एक एपिसोड में भी नजर आए।

राज काज

सितंबर में भारत ने रूस से हर दिन मंगाया 18 लाख बैरल कच्चा तेल, ईराक और सऊदी से बढ़ा आयात

नई दिल्ली। भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात सितंबर में करीब 18 लाख बैरल प्रतिदिन रहा, जो अगस्त की तुलना में काफी हद तक स्थिर है लेकिन जुलाई के स्तर से कम है। रिफाइनरी के रखरखाव और चीन की ओर से रूसी तेल की अधिक खरीद के कारण भारत को रूसी तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई। वैश्विक जिंस डेटा एवं विश्लेषण कंपनी केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने अगस्त में करीब 20.8 लाख बैरल प्रतिदिन रूसी कच्चे तेल का आयात किया था। इसके पहले जुलाई में यह आयात 28.2 लाख बैरल प्रतिदिन रहा था। ईराक और सऊदी से बढ़ा आयात

रूसी तेल की आपूर्ति में कमी की भरपाई मुख्य रूप से पश्चिम एशिया के देशों ने की। इराक से सितंबर में भारत को करीब 5.05 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल की आपूर्ति हुई, जो अगस्त में 1.63 लाख बैरल प्रतिदिन थी। सऊदी अरब से आपूर्ति भी बढ़कर 5.76 लाख बैरल प्रतिदिन हो गई, जो अगस्त में 3.47 लाख बैरल प्रतिदिन थी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सितंबर में करीब 5.22 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल की आपूर्ति हुई, जो अगस्त के 5.46 लाख बैरल प्रतिदिन के लगभग बराबर है।क्या बोले विश्लेषक? केप्लर के प्रमुख विश्लेषक (रिफाइनिंग) निखिल दुबे ने कहा कि अगस्त में रूसी तेल के आयात में कमी का एक कारण रूस से निर्यात में गिरावट भी थी। यह गिरावट निर्यात बुनियादी ढांचे में आई बाधाओं के कारण हुई थी।

निखिल दुबे ने कहा कि भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद में बड़ी कमी किए जाने पर एशिया और अन्य क्षेत्रों के रिफाइनरी कंपनियों के बीच वैकल्पिक आपूर्ति के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों और अंतरराष्ट्रीय मूल्य-अंतर पर दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि भारत तकनीकी रूप से रूसी कच्चे तेल की जगह अन्य स्त्रोतों से तेल ले सकता है, लेकिन इसके लिए अतिरिक्त लागत आएगी।

दैनिक राशिफल शुक्रवार 25 सितम्बर 2026

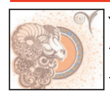
मेष – अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी।

वृष – आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें।

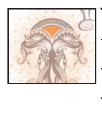
मिथुन : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

कर्क – शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी, इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। मन प्रसन्न बना रहेगा।

सिंह– आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अतः आलस्य का त्याग करें।

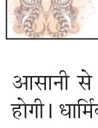
कन्या – भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा।

तुला – योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें।

वृश्चिक – व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है।

धनु – लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है।

मकर – मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा।

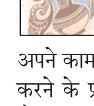
कुंभ – मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

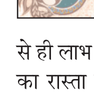
मीन – सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा।

दैनिक पंचांग

25 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

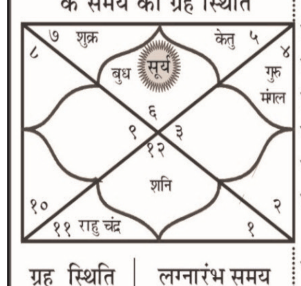

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कन्या में	तुला	07.30 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृश्चिक	09.45 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	12.01 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.06 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.53 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.25 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.56 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.36 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.34 बजे से
		कर्क	00.48 बजे से
		सिंह	03.04 बजे से
		कन्या	05.16 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 268 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 23.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 11.23 बजे को समाप्त।
योग शूल 14.51 बजे को समाप्त।
करण गर 11.18 बजे तदनन्तर वणिज 23.07 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 13.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 00° 47'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872843
जूलियन दिन 2461308.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 13
विशेष अनन्त चतुर्दशी, गणेश विसर्जन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती, सद्गुरु धनीदेव परमधाम वास दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बुढ़ाना में जाट आरक्षण पर 4 अक्टूबर को महासम्मेलन का ऐलानः आर पार की तैयारी के लिए जानसठ में जुटी महासभा

समाज से अपनी एकजुटता और शक्ति का प्रदर्शन का आव्हान

मुजफ्फरनगर। केंद्र सरकार की ओबीसी सूची में शामिल किए जाने की लंबे समय से लंबित मांग को लेकर जाट समाज ने एक बार फिर संघर्ष का बिगुल फूंक दिया है। जानसठ स्थित ब्लॉक सभागार में जाट समाज महासभा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आरक्षण की वाजिब मांग को लेकर आगामी 4 अक्टूबर को बुढ़ाना के डीएवी इंटर कॉलेज मैदान में एक विशाल जाट महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन के जरिए समाज अपनी एकजुटता और शक्ति का प्रदर्शन करेगा।

बैठक के दौरान पत्रकारों से वार्ता करते हुए अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के राष्ट्रीय संयोजक यशपाल मलिक ने कड़े तेवर अपनाए। उन्होंने कहा कि जाट समाज की आरक्षण संबंधी जायज मांग को लेकर यह आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है और आर-पार की लड़ाई की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि समाज को लंबे समय से केवल आश्वासन ही मिले हैं, लेकिन अब हक लेकर रहेंगे। 4 अक्टूबर को बुढ़ाना की धरती पर समाज की अभूतपूर्व ताकत और एकजुटता देखने को मिलेगी।

बैठक में जिलाध्यक्ष चौधरी देवेन्द्र सिंह अहलावत ने आरक्षण आंदोलन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 2006 से 2014 तक जाट समाज को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने के लिए लगातार आंदोलन, धरने और प्रदर्शन किए गए। तत्कालीन केंद्र सरकार ने जाटों को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने का नोटिफिकेशन जारी किया। कुछ तकनीकी खामियों और कानूनी अड़चनों के कारण माननीय न्यायालय द्वारा इस अधिसूचना को रद्द कर दिया गया था, जिसके बाद से यह मामला लटका हुआ है।

महासभा के महासचिव संतोष कुमार वर्मा ने जनप्रतिनिधियों और सरकार के वादों की याद दिलाते हुए कहा कि 26 मार्च 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद जाट समाज के प्रतिनिधिमंडल को अपने आवास पर आमंत्रित किया था और कानून बनाकर आरक्षण देने का ठोस आश्वासन दिया था। इसके बाद गृहमंत्री अमित शाह ने भी दिल्ली में चुनावों से पूर्व समाज के वरिष्ठ लोगों के साथ बैठक कर आश्वस्त किया था। हालांकि, तमाम आश्वासनों के बावजूद मांग आज भी अधूरी है, जिससे समाज में भारी रोष व्याप्त है।

हर गांव, हर घर पहुंचेगा बुढ़ाना सम्मेलन का न्योता

जाट समाज महासभा जानसठ के अध्यक्ष चौधरी नरेन्द्र सिंह ने बैठक में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों और ग्रामीणों से एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि 4 अक्टूबर के बुढ़ाना महासम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए रणनीति तैयार कर ली गई है। समाज के कार्यकर्ता और पदाधिकारी हर गांव और हर घर जाकर सम्मेलन का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे, ताकि भारी से भारी संख्या में लोग बुढ़ाना पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकें।

बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी

ब्लॉक प्रमुख चौधरी नरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता और महामंत्री संतोष कुमार वर्मा के कुशल संचालन में आयोजित इस बैठक में विभिन्न संगठनों और क्षेत्रों के प्रमुख लोगों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन को सफल बनाने और गांव-गांव जनसंपर्क अभियान चलाने के लिए धर्मवीर मलिक, प्रकाशवीर प्रधान, डॉक्टर हरेन्द्र सिंह सिरोही, युद्धवीर सिंह, योगेन्द्र सिंह, आनंदवीर राणा, अनंगपाल राठी तथा मोरना ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह सहित कई वरिष्ठ समाजसेवियों ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

खतौली के गंग नहर घाट की बदहालीः न कचरे का उठाव, न जलती हैं स्ट्रीट लाइटें, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

खतौली। नगर का प्रसिद्ध एवं महत्वपूर्ण गंग नहर घाट, जो रोजाना सैकड़ों श्रद्धालुओं और आम नागरिकों की आवाजाही का प्रमुख केंद्र है, इन दिनों भारी बदहाली और प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार है। घाट पर जगह-जगह फैले कूड़े-कचरा और रात के समय छाने वाले अंधेरे के कारण श्रद्धालुओं और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जगह-जगह कूड़े के ढेर, रात में छा जाता है अंधेरा

स्थानिय निवासियों के अनुसार, गंग नहर घाट पर नियमित सफाई न होने के कारण चारों तरफ गंदगी और कूड़ा-कचरा जमा हो गया है। इसके अलावा, घाट क्षेत्र में पर्याप्त स्ट्रीट लाइट न होने के कारण सूरज ढलते ही पूरे परिसर में अंधेरा छा जाता है। संध्या आरती, स्नान और भ्रमण के लिए आने वाले श्रद्धालुओं, महिलाओं और बुजुर्गों को अंधेरे के कारण हादसों और सुरक्षा का डर बना रहता है। उपजिलाधिकारी खतौली से गुहार इस गंभीर समस्या को देखते हुए समाजसेवी माधव ठकराल ने उपजिलाधिकारी ललित मिश्रा को एक पत्र सौंपकर समस्या के जल्द निस्तारण की मांग की है। गंग नहर घाट नगर का एक प्रमुख धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थल है। यहां रोजाना लोग स्नान, पूजा-अर्चना और टहलने आते हैं। ऐसे स्थान पर स्वच्छता और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था होना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रशासन को तुरंत संज्ञान लेकर सफाई कर्मियों की ड्यूटी लगानी चाहिए और लाइटें ठीक करानी चाहिए। पत्र में की गई है कि घाट परिसर में पड़े कूड़े-कचरे को तुरंत साफ कराया जाए और खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कराकर पर्याप्त संख्या में लाइटें लगाई जाएं।

खतौली में जनसमस्याओं पर व्यापारी मुखरः मांगों को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन, सड़कों और चौड़ीकरण पर जोर

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने उठाई जानसठ रोड ब्रिज, सड़कों के चौड़ीकरण और अतिक्रमण हटाने की मांग

खतौली (मुजफ़्फ़रनगर)। कस्बा खतौली को मुजफ़्फ़रनगर जिले का प्रमुख व्यापारिक और औद्योगिक केंद्र माना जाता है, जो आसपास के दर्जनों ग्रामीण इलाकों के लिए आवागमन और खरीदारी का मुख्य केंद्र है। इसके बावजूद लंबे समय से बनी बुनियादी जनसमस्याओं से आम जनता और व्यापारियों को जूझना पड़ रहा है। इन्हीं समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी उमेश मिश्रा से मिला और सात सूत्रीय मांग पत्र सौंपा।

व्यापार मंडल के प्रांतीय संगठन मंत्री एवं नगर अध्यक्ष राजेश जैन के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि खतौली की मुख्य सड़कों और बुनियादी ढांचे की बदहाली का सीधा असर व्यापार और आम नागरिक जीवन पर पड़ रहा है। व्यापारियों ने मांग की है कि संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत स्थलीय निरीक्षण के निर्देश दिए जाएं और एक निश्चित समयावधि के भीतर इन समस्याओं का स्थायी समाधान कराया जाए।

ज्ञापन में उठाई गईं 7 प्रमुख मांगेंः व्यापारियों द्वारा सौंपे गए पत्र में निम्नलिखित ज्वलंत मुद्दों को प्राथमिकता से हल करने की अपील की गई है कि जानसठ रोड रेलवे पुल की अत्यंत क्षतिग्रस्त हो चुकी सड़क का तत्काल पुनर्निर्माण व मरम्मत कार्य कराया जाए। वहीं बुढ़ाना तिराहे से भंगेला बाईपास तथा गंग नहर पुल से भैंसी कट तक सड़क का चौड़ीकरण करने, आवास विकास कॉलोनी के समीप जीटी रोड पर लंबे समय से अधूरी पड़ी पुलिया का निर्माण कार्य तुरंत पूरा कराने, बुढ़ाना तिराहे से भंगेला बाईपास तक जीटी रोड को आधुनिक 'हॉटमिक्स तकनीक' से पुनर्न निर्मित करने, कस्बा क्षेत्र के भीतर सुगम और सुरक्षित यातायात के लिए डिवाइडर का विस्तार करने की भी मांग की गई है। इसके अलावा जानसठ तिराहे जैसे व्यस्ततम स्थल पर यात्रियों और दुकानदारों की सुविधा के लिए आधुनिक सार्वजनिक शौचालय बनाने तथा बुढ़ाना रोड को फोर-लेन करने के साथ-साथ सड़क किनारे से स्थायी एवं अस्थायी अतिक्रमण हटाने पर बल दिया गया है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय संगठन मंत्री राजेश जैन ने कहा कि खतौली की ये समस्याएं केवल व्यापार से ही नहीं, बल्कि आम जनसुरक्षा और रोजाना के यातायात से सीधे जुड़ी हैं। हमने डीएम साहब से आग्रह किया है कि संबंधित विभागों से वर्तमान प्रगति रिपोर्ट मांगकर जल्द से जल्द धरातल पर काम शुरू कराया जाए। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा को ज्ञापन सौंपने के दौरान नगर के कई प्रमुख व्यापारी व समाजसेवी मौजूद रहे। इनमें मुख्य रूप से मदन छाबड़ा (तहसील अध्यक्ष), भावेश गुप्ता, मुकेश तायल, मनोज जैन, अरविंद वर्मा, अंजू चड्ढा और हंस कुमार जैन शामिल हैं।

स्त्री को सिर्फ देह नहीं, उसकी प्रतिभा और पहचान से देखने की जरूरतः गुलाब कोठारी

पुलिस लाइन में स्त्री देह से आगे विषय पर विशेष संवाद; महिला सम्मान, आत्मविश्वास, शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता पर हुआ सार्थक मंथन

मुजफ्फरनगर। पुलिस लाइन के बहुउद्देशीय हॉल में गुरुवार को महिलाओं और बालिकाओं के सम्मान, अधिकार, आत्मनिर्भरता और सामाजिक पहचान को केंद्र में रखकर विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। ह्यस्त्री देह से आगेह्न विषय पर आयोजित कार्यक्रम में प्रसिद्ध पत्रकार एवं विचारक तथा पत्रिका समूह के प्रधान संपादक डॉ. गुलाब कोठारी ने महिलाओं की सामाजिक भूमिका और व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं पर विचार रखे। कार्यक्रम में पुलिस परिवार की महिलाओं, मिशन शक्ति केंद्र पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों, व्यापार वर्ग से जुड़ी महिलाओं, शिक्षिकाओं और छात्राओं ने भाग लिया।

डॉ. गुलाब कोठारी ने ह्यस्त्री देह से आगेह्न विषय पर विचार रखते हुए कहा कि स्त्री को केवल उसके शारीरिक स्वरूप तक सीमित करके देखने के बजाय उसके व्यक्तित्व, प्रतिभा, संवेदनाओं, क्षमता और सामाजिक भूमिका को समझने की आवश्यकता है। उन्होंने महिलाओं के सम्मान और गरिमा के लिए समाज की सोच में सकारात्मक बदलाव को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को समान अवसर और सम्मानजनक वातावरण मिलने से वे अपनी क्षमताओं का बेहतर उपयोग कर सकती हैं। महिला के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव केवल कानूनों से नहीं, बल्कि सामाजिक सोच में परिवर्तन से भी जुड़ा विषय है। महिला की अपनी पहचान और आत्मविश्वास जरूरीः नीलम राय वर्मा कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा की धर्मपत्नी डॉ. नीलम राय वर्मा ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने महिलाओं के आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, शिक्षा और स्वतंत्र पहचान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला को अपनी क्षमताओं को पहचानकर आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। बालिकाओं को शिक्षा प्राप्त करने के साथ अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास और शिक्षा महिलाओं को अपने निर्णय स्वयं लेने तथा समाज में अपनी मजबूत पहचान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ ने महिलाओं और बालिकाओं से जुड़े सामाजिक एवं सुरक्षा संबंधी विषयों पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को केवल कानून-व्यवस्था से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने महिलाओं और बालिकाओं को उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्था तथा जागरूकता के महत्व पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा के साथ-साथ सम्मानजनक वातावरण तैयार करने और महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों की शिक्षिकाओं और छात्राओं के साथ व्यापार वर्ग से जुड़ी महिलाओं ने भी ह्यस्त्री देह से आगे विषय पर अपने विचार और अनुभव साझा किए। महिलाओं की सामाजिक भूमिका, आत्मनिर्भरता, शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर जैसे मुद्दों पर खुलकर संवाद हुआ। इस दौरान महिला पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। संवाद का उद्देश्य महिलाओं से जुड़े विषयों को केवल सुरक्षा के दायरे में रखने के बजाय उनके सम्मान, व्यक्तित्व, क्षमता और स्वतंत्र पहचान से जोड़कर व्यापक सामाजिक दृष्टिकोण विकसित करना रहा।

मोरना ब्लॉक परिसर में चोरी ! बीडीओ कार्यालय से लोहे के पाइप व लकड़ी गायब, बीडीओ ने दिए जांच के आदेश

मोरना। भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मोरना स्थित खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) कार्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। ब्लॉक परिसर में रखे सरकारी सामान, लोहे के पाइप और लकड़ी को चोरी-छिपे गायब करने का एक मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीण की शिकायत पर खंड विकास अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू करा दी है। अतिक्रमण की आड़ में सरकारी संपत्ति पर हाथ साफ

मामले की जानकारी देते हुए मोरना निवासी संजीव कुमार फौजी ने खंड विकास अधिकारी को एक औपचारिक प्रार्थना पत्र सौंपा। शिकायती पत्र में उन्होंने बताया कि क्षेत्र के ही एक गांव का निवासी व्यक्ति ब्लॉक परिसर की बाहरी दीवार के नीचे अवैध रूप से अतिक्रमण कर निवास कर रहा है। आरोप है कि यह व्यक्ति कब्जे की आड़ में ब्लॉक परिसर के अंदर रखे सरकारी लोहे के पाइप, अन्य लोहे का सामान और लकड़ी आदि की आए दिन चोरी करता रहता है। फोटो और वीडियो सबूत के तौर पर मौजूदसंजीव कुमार फौजी ने बीडीओ को दिए अपने शिकायती पत्र में दावा किया है कि उन्होंने आरोपी की इस करतूत को रंगे हाथों पकड़ा है और उसकी फोटो व वीडियो रिकॉर्डिंग भी अपने पास सुरक्षित रख ली है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह व्यक्ति न केवल ब्लॉक परिसर से सरकारी संपत्ति की चोरी कर रहा है, बल्कि आसपास के क्षेत्र में भी संदिग्ध गतिविधियों और चोरी की घटनाओं में संलिप्त रहता है। शिकायतकर्ता ने आरोपी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने और सरकारी सामान बरामद कराने की मांग की है।

सरकारी परिसर से सामान चोरी होने की शिकायत मिलने के बाद ब्लॉक प्रशासन हरकत में आ गया है। इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए खंड विकास अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि संजीव कुमार फौजी द्वारा दिया गया प्रार्थना पत्र प्राप्त हो चुका है।उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले की गहन जांच कराई जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और सरकारी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

जानसठ में विकसित भारत की गूंजः छात्राओं ने उकेरे 'सपनों के भारत 2047' के रंग

गोमती कन्या इंटर कॉलेज में छात्राओं ने भाषण और कला का किया प्रदर्शन

जानसठ (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्रीय शिक्षण संस्थानों में राष्ट्र निर्माण और युवा सहभागिता की नई अलख जग रही है। इसी कड़ी में जानसठ स्थित गोमती कन्या इंटर कॉलेज में 'सेवा संकल्प पर्व अभियान' के अंतर्गत एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 'मेरे सपनों का भारत 2047' विषय पर केंद्रित चित्रकला (पेंटिंग) एवं भाषण प्रतियोगिताओं में विद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्राओं ने अपनी कल्पनाशक्ति, तकनीकी समझ और वक्तृत्व कला के दम पर वर्ष 2047 तक भारत को एक अग्रणी और विकसित राष्ट्र बनाने का प्रभावी रोडमैप प्रस्तुत किया।

कैनवास पर उतरे आत्मनिर्भर भारत के रंग

चित्रकला प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय का परिसर विविध रंगों और रचनात्मक विचारों से सराबोर नजर आया। छात्राओं ने कैनवास पर अपनी तूलिका (ब्रश) के माध्यम से एक ऐसे भारत का चित्र उकेरा, जो तकनीकी रूप से समृद्ध, स्वच्छ, हरित और आत्मनिर्भर हो। छात्राओं के रेखाचित्रों में देश की वैज्ञानिक प्रगति, सोलर ऊर्जा, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा बल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को प्रमुखता से दशार्या गया।

सुशासन के 25 वर्ष और 2047 का दृढ़ संकल्प भाषण प्रतियोगिता में मंच संभालते हुए छात्राओं ने अपने ओजस्वी विचारों से पूरे सभागार में देशभक्ति का संचार कर दिया। वक्ताओं ने केंद्र व राज्य सरकार के बीते वर्षों के सुशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं और देश में तेजी से हुए बुनियादी विकास कार्यों पर तथ्यपरक प्रकाश डाला। छात्राओं ने एक स्वर में कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विश्व गुरु और विकसित राष्ट्र बनाना केवल एक सपना नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ नागरिकों का सामूहिक संकल्प है।

प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही छात्राओं ने अपने भाषणों और प्रस्तुतियों के जरिए विकसित भारत के निर्माण के लिए 5 मुख्य आधार स्तंभों

छात्राओं से छेड़छाड़ और अभद्र टिप्पणी के आरोप में मुकदमा दर्ज

बसी खुर्द में विद्यालय आते-जाते समय परेशान करने का आरोप, समझाने के बाद भी नहीं माने युवक, 1090 पर शिकायत के बाद थाने पहुंची छात्रा

बुढ़ाना। बुढ़ाना थाना क्षेत्र के गांव बसी खुर्द में छात्राओं को कथित रूप से परेशान करने, रास्ते में अभद्र टिप्पणियां करने और विद्यालय आते-जाते समय छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने राहुल उर्फ चीनू और विशाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत में कहा गया है कि दोनों युवक लंबे समय से गांव की कई छात्राओं को परेशान कर रहे थे और कई बार समझाने के बावजूद अपनी हरकतों से बाज नहीं आए।

कई छात्राओं को लंबे समय से परेशान करने का आरोप

गांव बसी खुर्द निवासी करीब 20 वर्षीय छात्रा ने बुढ़ाना थाने में दी शिकायत में बताया कि वह कक्षा 12 की छात्रा है। आरोप है कि गांव के राहुल उर्फ चीनू और विशाल पुत्रगण ओमपाल उसे तथा गांव की अन्य छात्राओं को काफी लंबे समय से परेशान कर रहे हैं। शिकायत के अनुसार रास्ते में आते-जाते समय दोनों युवक अलग-अलग तरह की टिप्पणियां करते थे।

विद्यालय आते-जाते समय छेड़खानी का आरोप

छात्रा ने पुलिस को बताया कि विद्यालय आने-जाने के दौरान भी उसके साथ कथित रूप से छेड़खानी की जाती थी। शिकायत में कहा गया है कि कई बार युवकों को उनकी हरकतों के लिए टोका और समझाया गया, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपना रवैया नहीं बदला। इससे छात्राओं में परेशानी और असुरक्षा का माहौल बनने की बात कही गई है।

परिवार से भी बात छिपाती रहीं छात्राएं

शिकायत में छात्रा ने बताया कि लगातार परेशान किए जाने के बावजूद वह और अन्य छात्राएं अपने घरवालों को इस बारे में नहीं बता पा रही थीं। आरोप है कि 21 सितंबर की शाम करीब आठ बजे राहुल उर्फ चीनू ने फिर छात्रा के साथ अभद्र व्यवहार किया और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया। इसके बाद परेशान छात्राओं ने आखिरकार अपने-अपने परिजनों को पूरी बात बताई।

1090 पर भी की शिकायत

मामला सामने आने के बाद छात्राओं ने महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 पर भी शिकायत की। इसके साथ ही बुढ़ाना थाने में लिखित प्रार्थना पत्र देकर पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। छात्रा ने पुलिस से मामले में कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, जांच शुरू

पीड़िता की शिकायत के आधार पर बुढ़ाना पुलिस ने राहुल उर्फ चीनू और विशाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

25वीं हरियाणा स्टेट कराटे चैंपियनशिप में सिहान राजेश कौशिक रैफरी एवं जज नियुक्त

मुजफ्फरनगर। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में 25 से 27 सितंबर 2026 तक आयोजित होने वाली 25वीं हरियाणा स्टेट कराटे चैंपियनशिप में मुजफ्फरनगर के सिहान राजेश कौशिक को रैफरी एवं जज के रूप में टेक्निकल ऑफिशियल की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रतियोगिता का आयोजन हरियाणा स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन द्वारा किया जा रहा है, जो हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त है। सिहान राजेश कौशिक डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ मुजफ्फरनगर के जनरल सेक्रेटरी हैं। एसोसिएशन डिस्ट्रिक्ट ओलंपिक एसोसिएशन एवं उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन से संबद्ध है। सिहान राजेश कौशिक कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त ए ग्रेड नेशनल रैफरी एवं जज हैं। उन्हें इससे पहले भी ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कराटे चैंपियनशिप तथा ऑल इंडिया पुलिस क्लस्टर गेम्स सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में टेक्निकल ऑफिशियल की जिम्मेदारी मिल चुकी है। खिलाड़ियों ने जीते हैं गोल्ड और सिल्वर मेडल

सिहान राजेश कौशिक ने बताया कि उनके मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण में तैयार किए गए खिलाड़ियों ने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न कराटे प्रतियोगिताओं में गोल्ड एवं सिल्वर मेडल हासिल कर मुजफ्फरनगर का नाम रोशन किया है। कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में टेक्निकल ऑफिशियल की जिम्मेदारी मिलना जिले के कराटे खेल के लिए भी महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

सिहान राजेश कौशिक ने कहा कि कराटे केवल खेल नहीं, बल्कि युवाओं के लिए बेहतर करियर का माध्यम भी बन सकता है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भारतीय सेना, पुलिस, रेलवे, इनकम टैक्स विभाग सहित विभिन्न क्षेत्रों में खेल कोटे के माध्यम से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि खेल में सफलता के लिए केवल प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि सही प्रशिक्षण, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और उचित मार्गदर्शन भी बेहद जरूरी है।

युवाओं को खेल को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

डेढ़ लाख रुपये के तकादे पर दो भाइयों को घेरा, लहूलुहान कर छोड़ा

मन्दवाड़ा में रास्ता रोककर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला, वसीम को बेहोशी की हालत में जिला अस्पताल किया गया रेफर

बुढ़ाना। बुढ़ाना थाना क्षेत्र के गांव मन्दवाड़ा में डेढ़ लाख रुपये के लेनदेन को लेकर दो सगे भाइयों को रास्ते में घेरकर हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मारपीट में गंभीर रूप से घायल हुए एक युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

बुढ़ाना जाते समय रास्ते में घेरने का आरोप

गांव मन्दवाड़ा निवासी महताब पुत्र महबूब अली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 22 सितंबर की सुबह करीब आठ बजे वह अपने छोटे भाई वसीम के साथ जरूरी काम से बुढ़ाना जा रहा था। आरोप है कि गांव की मुख्य सड़क पर कादिर व सैफ अली पुत्रगण मौहब्बत, सलमान पुत्र फैय्याज, राहुल पुत्र बाबू और भूरा पुत्र हकीम ने दोनों भाइयों को रास्ते में रोक लिया।

रुपये मांगने को लेकर शुरू हुआ विवाद

तहरीर के मुताबिक आरोपियों ने दोनों भाइयों से कहा कि वे उनके पिता से डेढ़ लाख रुपये मांगते हैं। आरोप है कि इसी बात को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी गई और सभी ने लाठी-डंडों तथा धारदार हथियारों से दोनों भाइयों पर हमला कर दिया।

बेहोश होकर सड़क पर गिरा वसीम

आरोप है कि कादिर ने वसीम पर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला किया, जिससे वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा और बेहोश हो गया। इसके बाद भी सैफ अली, सलमान, राहुल और भूरा द्वारा उसके साथ मारपीट किए जाने का आरोप है। महताब के साथ भी मारपीट की गई।

ग्रामीण पहुंचे तो धमकी देकर भागे आरोपी

शोर सुनकर बिलाल, अफसर समेत कई ग्रामीण मौके पर पहुंचे। भीड़ जुटती देखकर आरोपी फरार हो गए। पीड़ित ने तहरीर में आरोप लगाया कि जाते समय आरोपियों ने धमकी दी कि यदि रुपये मांगे तो उसे और उसके परिवार को गोली मार दी जाएगी।

गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

वसीम की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उसका उपचार चल रहा है। घटना के बाद महताब ने बुढ़ाना थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पुलिस ने महताब की तहरीर के आधार पर कादिर, सैफ अली, सलमान, राहुल और भूरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े तथ्यों एवं आरोपों की पुष्टि के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

रतनपुरी में अवैध हथियारों के दो सौदागर गिरफ्तार, मेरठ के शातिरों का हथियार कारोबार आया सामने

चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर भागने लगे थे दोनों आरोपी, घेराबंदी कर दबोचा; दो .32 बोर पिस्टल, मस्कट, तमंचा और छह जिंदा कारतूस बरामद

मुजफ्फरनगर। रतनपुरी थाना पुलिस ने अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हथियारों और कारतूसों की बरामदगी की है। गिरफ्तार दोनों आरोपी मेरठ जनपद के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी मांग के आधार पर अवैध हथियारों की सप्लाई कर आर्थिक लाभ कमाते थे। पुलिस ने उनके कब्जे से दो देशी पिस्टल .32 बोर, एक मस्कट .12 बोर, एक अवैध तमंचा .315 बोर तथा छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। दोनों के खिलाफ रतनपुरी थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर हथियारों के स्रोत और सप्लाई नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि रतनपुरी थाना पुलिस रतनपुरी थाना पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम को दो संदिग्ध युवक आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों को रोककर चेकिंग के लिए कहा तो उन्होंने मौके से भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को घेर लिया और आवश्यक बल प्रयोग कर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर दोनों के कब्जे से अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए गए।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो देशी पिस्टल .32 बोर, एक मस्कट .12 बोर और एक तमंचा .315 बोर बरामद किया। इनके साथ चार जिंदा कारतूस .32 बोर, एक जिंदा कारतूस .12 बोर और एक जिंदा कारतूस .315 बोर भी बरामद हुए।

बरामदगी के बाद पुलिस ने हथियारों को कब्जे में लेकर दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने अवैध शस्त्रों की खरीद-फरोख्त करने की बात बताई। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपी मांग के आधार पर हथियारों की सप्लाई करते थे और इसके बदले आर्थिक लाभ कमाते थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों को हथियार कौन उपलब्ध कराता था और वह आगे किन लोगों को हथियार सप्लाई करते थे। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद रतनपुरी पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। पुलिस आरोपियों के आगे और पीछे के संपर्कों की पड़ताल कर रही है। हथियारों की खरीद कहां से होती थी, सप्लाई का माध्यम क्या था और इस कारोबार में अन्य कौन-कौन लोग जुड़े हैं, इन सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहित उर्फ भूरा पुत्र रविन्द्र निवासी ग्राम उलखपुर, थाना इंचौली, जनपद मेरठ और मनीष पुत्र ताहर सिंह निवासी ग्राम राली चौहान, थाना भावनपुर, जनपद मेरठ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मोहित उर्फ भूरा के खिलाफ रतनपुरी के मौजूदा मुकदमे से पहले आठ मुकदमे दर्ज हैं। इनमें इंचौली और मवाना थानों में विभिन्न धाराओं में दर्ज मामले शामिल हैं। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट का मुकदमा भी दर्ज है, जबकि वर्ष 2025 में मवाना थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज किया

दुष्कर्म के मुकदमे में वांछित जमील गिरफ्तार, ककरौली पुलिस ने दरियापुर पुलिया से दबोचा

महिला से दुष्कर्म के मामले में चल रहा था फरार, आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद

मोरना। ककरौली थाना पुलिस ने महिला से दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को दरियापुर पुलिया के पास से दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जमील पुत्र मो0 इस्लाम निवासी ग्राम खेड़ी फिरोजाबाद, थाना ककरौली, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार जनपद में वांछित और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत ककरौली पुलिस दुष्कर्म के मुकदमे में वांछित आरोपी जमील की तलाश में जुटी थी। पुलिस टीम को उसकी गतिविधियों और संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाने के बाद लगातार तलाश की जा रही थी।

दरियापुर पुलिया के पास हुई गिरफ्तारी

24 सितंबर को ककरौली थाना पुलिस क्षेत्र में वांछित आरोपियों की तलाश और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने दरियापुर पुलिया के पास कार्रवाई करते हुए दुष्कर्म के मुकदमे में वांछित जमील को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे की तलाशी ली, जिसमें दो मोबाइल फोन बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी जमील के खिलाफ थाना ककरौली में मु0अ0सं0 105/2026 दर्ज है। पुलिस के अनुसार मुकदमे में धारा 64(1), 351(3) और 352 बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपी इसी मुकदमे में वांछित चल रहा था। पुलिस कार्रवाई के दौरान आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस इन मोबाइल फोन की भी जांच कर सकती है, जिससे मामले की विवेचना में आवश्यक जानकारी जुटाई जा सके। बरामदगी को मुकदमे की विवेचना से जोड़कर देखा जा रहा है।

पीड़िता की पहचान रखी गोपनीय

मामला महिला से जुड़ा होने के कारण पुलिस और जांच से संबंधित तथ्यों में पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी गई है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के संबंध में ही जानकारी सार्वजनिक की है। मामले में विवेचना जारी है। वांछित और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी भोपा राधारमण सिंह और थानाध्यक्ष ककरौली दीपक चौधरी के नेतृत्व में की गई। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सचिन चौधरी, हेड कांस्टेबल जोगिन्द्र कुमार, कांस्टेबल गौरव कुमार और कांस्टेबल अक्षय प्रताप सिंह शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

उद्यमियों की समस्याओं के समाधान को प्रशासन ने दिखाई गंभीरता, औद्योगिक क्षेत्रों की सड़कों से बिजली व्यवस्था तक पर मंथन

सीडीओ की अध्यक्षता में उद्योग बंधु समिति की बैठक; नैराना सब-स्टेशन की लिंक रोड का काम इसी सप्ताह शुरू कराने के निर्देश, जौली रोड और क्षतिग्रस्त लिंक रोड की मरम्मत भी जल्द

मुजफ्फरनगर। जनपद के औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं और उद्यमियों से जुड़ी समस्याओं के समाधान को लेकर प्रशासन ने कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। विकास भवन के सभागार में मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमल किशोर देशभूषण की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों की सड़क, विद्युत व्यवस्था, आधारभूत सुविधाओं और लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

नैराना विद्युत सब-स्टेशन की लिंक रोड का मामला जल्द सुलझेगा

बैठक में जानसठ रोड स्थित नैराना विद्युत सब-स्टेशन की करीब 500 मीटर लिंक रोड के निर्माण और विद्युत पोल शिफ्टिंग के प्रकरण पर विस्तार से चर्चा हुई। एनएचएआई के प्रतिनिधि ने बताया कि संबंधित कार्य का एस्टीमेट मुख्यालय से अनुमोदित हो चुका है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इसी सप्ताह लिंक रोड का कार्य शुरू करा दिया जाएगा। इससे क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर होने की उम्मीद है।

जौली रोड की मरम्मत का मुद्दा भी उठा

बैठक में जौली रोड की खराब स्थिति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। उद्यमियों की ओर से सड़क की मरम्मत जल्द कराने की मांग रखी गई। इस पर लोक निर्माण विभाग ने शीघ्र ही मरम्मत कार्य कराए जाने का आश्वासन दिया। प्रशासन ने भी संबंधित विभाग को प्रकरण को प्राथमिकता के साथ लेने के निर्देश दिए। मेरठ रोड के समीप स्थित मैसर्स बी.के. टाइल्स के पास क्षतिग्रस्त लिंक रोड को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी की ओर से बताया गया कि सड़क निर्माण की निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। इस जानकारी के बाद संबंधित औद्योगिक क्षेत्र में सड़क सुविधा में सुधार की उम्मीद जगी है।

ग्राम लच्छेड़ा में मिल्टेक इंडस्ट्रीज के सामने विद्युत पोल हटाए जाने के कार्य की उद्यमियों ने सराहना की। उद्यमियों ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में आवागमन और कामकाज को सुचारु बनाए रखने के लिए बिजली के पोल समेत अन्य अवरोधों का समय से निस्तारण जरूरी है। बैठक में विभागीय स्तर पर किए गए इस कार्य को सकारात्मक पहल के रूप में लिया गया। बैठक केवल औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं तक सीमित नहीं रही। इस दौरान जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में हुए प्लेसमेंट की प्रगति की भी समीक्षा की गई। युवाओं को औद्योगिक इकाइयों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने से जुड़े पहलुओं पर भी जानकारी ली गई।

समयबद्ध समाधान पर सीडीओ का जोर

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्योगों से संबंधित शिकायतों और लंबित प्रकरणों का निस्तारण महज कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि मौके पर प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को उद्यमियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त उद्योग जैस्मीन ने दी प्रकरणों की जानकारी

बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग जैस्मीन ने किया। उन्होंने समिति के समक्ष विभिन्न प्रकरणों, उन पर हुई विभागीय कार्रवाई और लंबित मामलों की प्रगति की जानकारी साझा की। बैठक के अंत में सभी अधिकारियों और औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक, अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग, मुख्य अग्निशमन अधिकारी समेत जनपद स्तरीय विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा विभिन्न औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कॉपी में मिला सुसाइड नोट, युवक पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप

पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के अगले दिन सामने आया मामला, मां की तहरीर पर नई मंडी पुलिस ने मयंक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र के गांव तिगरी में युवती की आत्महत्या के मामले में नया मोड़ सामने आया है। पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार किए जाने के अगले दिन परिजनों को युवती की एक कॉपी मिली, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए गांव के ही एक युवक को जिम्मेदार ठहराया है। कॉपी में लिखी बातों के आधार पर मृतका की मां ने युवक के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। नई मंडी पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किताबें देखते समय मिली कॉपी, लिखी थी मौत की वजह

तहरीर के मुताबिक, युवती की 22 सितंबर को मृत्यु हुई थी। परिजनों के अनुसार उसने आत्महत्या की थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया, जिसके बाद 23 सितंबर को अंतिम संस्कार कर दिया गया। इसी दिन मृतका की मां उसकी किताबें और सामान देख रही थी। इसी दौरान उसे एक कॉपी मिली।परिजनों का कहना है कि कॉपी में युवती ने अपनी आत्महत्या का कारण लिखा था। इसमें गांव तिगरी निवासी मयंक पुत्र सुधीर पर उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया गया है। कॉपी में लिखी बातों की छायाप्रति तहरीर के साथ पुलिस को सौंपी गई है।

मृतका की मां ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उसकी बेटी ने अपनी कॉपी में अपनी मौत के लिए मयंक को जिम्मेदार बताया है। आरोप है कि मयंक ने युवती को इस कदर मानसिक रूप से परेशान और मजबूर किया कि उसने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया। मामला सामने आने के बाद परिजनों ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। तहरीर और कॉपी में लिखी बातों को पुलिस ने जांच के दायरे में लिया है।

नई मंडी पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

पुलिस ने तहरीर के आधार पर गांव तिगरी निवासी मयंक पुत्र सुधीर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस कॉपी में लिखी गई बातों, आत्महत्या से जुड़े परिस्थितिजन्य साक्ष्यों और अन्य तथ्यों की जांच करेगी। साथ ही यह भी पता लगाया जाएगा कि युवती को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के संबंध में आरोपी की क्या भूमिका रही।

पोस्टमार्टम के बाद हुआ था अंतिम संस्कार

युवती की मौत के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया था। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। इसके अगले दिन कॉपी मिलने के बाद परिजनों को मामले में एक अहम सुराग मिला और उन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी देते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना के दौरान सामने आने वाले साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी बैनामे के सहारे 16 लाख की ठगी का आरोप, दो महिलाओं पर मुकदमा दर्ज

प्लॉट बेचने के नाम पर आठ लाख नकद और आठ लाख आरटीजीएस से लिए, बाद में दूसरे व्यक्ति की जमीन होने का चला पता; फर्जी आधार-पैन लगाकर पहले अपने नाम बैनामा कराने का भी आरोप

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र में प्लॉट खरीदने के नाम पर 16 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत एक महिला कर्मचारी ने पिंकी पत्नी अमित कुमार और सुनीता रानी पुत्री धर्मवीर पर कथित रूप से कूटरचित दस्तावेज तैयार कर सुनियोजित तरीके से फर्जी बैनामा कराने और उसके आधार पर 16 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। महिला की तहरीर पर नई मंडी पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तहरीर के मुताबिक, पीड़िता स्वास्थ्य विभाग में बघरा ब्लॉक में स्वास्थ्य कार्यकर्ता महिला के पद पर कार्यरत है। वह करीब पांच वर्ष तक अपने पति और परिवार के साथ मेरठ के सैनिक विहार कंकरखेड़ा में रही। उसके पति इलेक्ट्रिशियन का काम करते हैं। महिला ने बताया कि उसके पिता का मकान बचन सिंह कालोनी की गली नंबर चार में है। पिता के मकान के पास ही प्लॉट खरीदने की इच्छा के चलते उसने जून 2026 में प्लॉट की तलाश शुरू की थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात सुनीता रानी से हुई। आरोप है कि सुनीता ने उसे पिंकी पत्नी अमित कुमार से मिलवाया और पिंकी ने स्वयं को संबंधित प्लॉट की मालकिन बताते हुए 21 अप्रैल 2026 को हुए एक बैनामे के दस्तावेज दिखाए। दस्तावेज देखकर महिला को पिंकी के मालिक होने पर विश्वास हो गया। तहरीर के अनुसार, प्लॉट का सौदा 16 लाख रुपये में तय हुआ। आरोप है कि पिंकी और सुनीता ने सर्किल रेट के हिसाब से आठ लाख रुपये नकद तथा शेष आठ लाख रुपये बैनामे के दौरान देने की बात कही। महिला का आरोप है कि उसने पिंकी के सामने आठ लाख रुपये नकद सुनीता को दिए। नकदी देते समय उसने फोटो भी खींचे, जिन्हें पुलिस को उपलब्ध कराया गया है। इसके बाद 15 जून 2026 को पिंकी के खाते में आरटीजीएस के माध्यम से आठ लाख रुपये भेजे गए। इसके बाद 87.94 वर्ग गज के प्लॉट का बैनामा उसके पक्ष में करा दिया गया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि प्लॉट खरीदने के लिए उसने अपने विभाग से 13 लाख रुपये का व्यक्तिगत ऋण लिया था। इस ऋण की किस्त भी वह लगातार चुका रही है। प्लॉट का बैनामा होने के बाद जब उसने जमीन के संबंध में जानकारी जुटाई तो कथित तौर पर उसे पता चला कि जिस जमीन को उसने खरीदा है, उसका वास्तविक मालिक कोई अन्य व्यक्ति है। तहरीर में आरोप लगाया गया कि 87.94 वर्ग गज के उक्त प्लॉट का वास्तविक मालिक विजयपाल पुत्र मित्रसैन निवासी अंकित विहार, पचैंडा रोड है। आरोप है कि पिंकी ने अपने गांव के रामवीर पुत्र बाबूराम निवासी भोकरहेड़ी को वास्तविक मालिक विजयपाल के स्थान पर विक्रेता के रूप में खड़ा किया और कथित तौर पर विजयपाल के नाम से फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड तैयार कराकर 21 अप्रैल 2026 को अपने नाम बैनामा करा लिया। इसके बाद उसी बैनामे को दिखाकर पिंकी और सुनीता ने महिला को प्लॉट का वास्तविक मालिकाना हक होने का विश्वास दिलाया और उससे 16 लाख रुपये ले लिए। महिला ने पुलिस को पिंकी द्वारा व्हाट्सऐप के माध्यम से भेजी गई बैंक संबंधी जानकारी की छायाप्रति सहित अन्य दस्तावेज भी उपलब्ध कराने की बात कही है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, उसने नकद आठ लाख रुपये दिए जाने के दौरान फोटो लिए थे। इसके अलावा 13 लाख रुपये के व्यक्तिगत ऋण से संबंधित दस्तावेज, बैंक लेनदेन और व्हाट्सऐप पर भेजी गई बैंक डिटेल की छायाप्रति भी पुलिस को दी गई है। अब पुलिस इन दस्तावेजों और बैंक लेनदेन की जांच करेगी।

महिला की शिकायत पर नई मंडी पुलिस ने पिंकी पत्नी अमित कुमार और सुनीता रानी पुत्री धर्मवीर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब बैनामे में इस्तेमाल किए गए दस्तावेजों, कथित पहचान पत्रों, जमीन के वास्तविक स्वामित्व, बैंक खातों में हुए लेनदेन और आरोपों से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है।

पेपर मिल के सामने बेकाबू ट्रैक्टर ने बाइक सवार को मारी टक्कर, दोनों हड्डियां टूटीं

ड्यूटी पर जा रहे युवक को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने मारी सीधी टक्कर, चालक वाहन समेत फरार; गंभीर हालत में एम्स दिल्ली में चल रहा इलाज, नई मंडी पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र में भागेश्वरी पेपर मिल के सामने तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके दायें पैर की फीमर हड्डी और दायें हाथ की कोहनी के ऊपर की हड्डी टूटने के साथ पैर के पंजे में भी फ्रैक्चर हुआ है। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर किया गया, जहां फिलहाल एम्स अस्पताल दिल्ली में उसका उपचार चल रहा है। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ड्यूटी के लिए निकला था युवक

तहरीर के मुताबिक मोरना निवासी हरीश कुमार 30 अगस्त की सुबह करीब साढ़े पांच बजे अपने घर से बेगराजपुर स्थित क्रिस्टल बालाजी इंडस्ट्री में ड्यूटी के लिए बाइक से निकला था। वह भागेश्वरी पेपर मिल के सामने पहुंचा ही था कि सामने से आ रहे महिंद्रा ट्रैक्टर ने उसकी बाइक में सीधी टक्कर मार दी। बताया गया कि ट्रैक्टर संख्या यूपी-12-बीएस-6933 का चालक तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहा था। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सड़क पर गिर गया और उसे गंभीर चोटें आईं। हादसे में बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। तहरीर में बताया गया कि हादसे के समय मुजफ्फरनगर की ओर से आ रहे बेलड़ा निवासी मनोज ने घटना को देखा। उसने दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर का नंबर नोट कर लिया। इसी नंबर के आधार पर घायल के परिजनों को वाहन की पहचान के संबंध में अहम जानकारी मिली। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। घायल की बाइक घटनास्थल पर ही खड़ी रह गई थी। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय मुजफ्फरनगर पहुंचाया। घायल की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। एक्स-रे जांच में उसके दायें पैर की फीमर की हड्डी टूटने के साथ दायें हाथ की कोहनी से ऊपर की हड्डी में भी फ्रैक्चर पाया गया। पैर के पंजे में भी फ्रैक्चर बताया गया है। गंभीर चोटों के कारण घायल को आगे के उपचार के लिए दिल्ली के एम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां वह अभी उपचाराधीन है। परिजनों के मुताबिक उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और वह जिंदगी-मौत के बीच जूझ रहा है।

भाई के इलाज में व्यस्त रहा परिवार, 23 दिन बाद दी तहरीर

परिजनों के अनुसार हादसे के बाद से घायल के उपचार को लेकर पूरा परिवार परेशान था। भाई के इलाज में व्यस्त होने के कारण घायल के भाई रविपाल तत्काल थाने नहीं पहुंच सके।

उपचार के बीच समय निकालकर उन्होंने 22 सितंबर को नई मंडी थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

नई मंडी पुलिस ने ट्रैक्टर संख्या यूपी-12-बीएस-6933 के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। वाहन के नंबर के आधार पर चालक की पहचान करने के साथ ही प्रत्यक्षदर्शी के बयान और अन्य साक्ष्यों को भी जांच में शामिल किया जा रहा है।

पुलिस का कहना है कि चालक की पहचान होने के बाद उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार बाइक ने शौच से लौट रहे युवक को मारी टक्कर, मौत

मंसूरपुर क्षेत्र में हादसे के बाद बाइक सवार फरार; अस्पताल में उपचार के दौरान तोड़ा दम, भाई की तहरीर पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से दौड़ाई जा रही बाइक की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। हादसा 18 सितंबर की शाम हुआ, जब युवक शौच से वापस लौट रहा था। बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल युवक को बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई की तहरीर पर मंसूरपुर पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शौच से लौटते समय हुआ हादसा

सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर निवासी मांगेराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका भाई नितिन कुमार 18 सितंबर 2026 की शाम करीब सात बजे गांव के ही राजेंद्र पुत्र जन्मसिंह के साथ शौच के लिए गया था। शौच से निवृत्त होकर दोनों वापस लौट रहे थे।

मनव्वरपुर की ओर से आई तेज रफ्तार बाइक

तहरीर के मुताबिक जैसे ही नितिन वापस लौट रहा था, तभी मनव्वरपुर की ओर से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही मोटरसाइकिल ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। बाइक पर दो युवक सवार बताए गए हैं। हादसे के बाद दोनों बाइक सवार मौके से फरार हो गए।

साथी ने साइकिल सवार से मांगी मदद

हादसे के बाद नितिन गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर पड़ा रहा। उसके साथ मौजूद राजेंद्र ने वहां से गुजर रहे एक साइकिल सवार से मदद मांगी और उसके फोन से नितिन के परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद मांगेराम परिवार की रीना के साथ घटनास्थल पर पहुंचा।

बेगराजपुर अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित किया

परिजन घायल नितिन को उपचार के लिए मुजफ्फरनगर के बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज ले गए। यहां कुछ समय उपचार के बाद चिकित्सकों ने नितिन को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की।

पोस्टमार्टम के बाद गम में डूबा परिवार

19 सितंबर को पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। परिजनों के मुताबिक इसके बाद परिवार में तीजे की रस्म और अन्य अंतिम संस्कार संबंधी कार्य पूरे किए गए। परिवार के गम में होने के कारण मृतक के भाई ने 23 सितंबर को थाने पहुंचकर तहरीर दी।

बाइक नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ मुकदमा

मृतक के भाई ने पुलिस को बताया कि हादसा मोटरसाइकिल संख्या यूपी-15-एएच-3407 से हुआ। तहरीर में बाइक चालक की पहचान हीरा पुत्र धर्मसिंह निवासी मनव्वरपुर के रूप में बताई गई है। उसके साथ सिंधु उर्फ सिद्धार्थ पुत्र प्रमोद निवासी सल्लापुर, थाना देवबंद, सहारनपुर के सवार होने की बात भी कही गई है। मांगेराम की तहरीर के आधार पर मंसूरपुर पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस हादसे की जांच करते हुए बाइक और आरोपी चालक के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

दहेज में कार नहीं मिली तो विवाहिता को फंदे से मारने की कोशिश

पति ने लोहे की रॉड से सिर-नाक पर किया हमला, ससुर पर बाल खींचने और ताई-ताऊ पर डंडों से पीटने का आरोप, मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। दहेज में स्विफ्ट कार की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और जान से मारने की कोशिश का मामला सामने आया है। मंसूरपुर क्षेत्र के गांव सोन्टा उर्फ अब्दुल्लानगर निवासी विवाहिता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने सहारनपुर जिले के गंगोह क्षेत्र निवासी ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों में पति अमित कुमार, ससुर सोम, सास मुकेश, ताई मुनेश और ताऊ बालेन्द्र के नाम शामिल हैं। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी की शादी 25 नवंबर 2024 को ग्राम बीनपुर, थाना गंगोह, जिला सहारनपुर निवासी अमित कुमार पुत्र सोम के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी में मायके पक्ष ने 2 लाख 51 हजार रुपये नकद, घरेलू फर्नीचर और करीब आठ तोले सोने के जेवर समेत लगभग 20 लाख रुपये खर्च किए थे।

स्विफ्ट कार की मांग को लेकर प्रताड़ना

आरोप है कि शादी के बाद से ही पति अमित कुमार, ससुर सोम, सास मुकेश, ताई मुनेश और ताऊ बालेन्द्र दहेज में स्विफ्ट कार नहीं मिलने को लेकर विवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। मायके पक्ष ने कई बार ससुराल वालों को समझाया और अलग-अलग समय पर 20-30 हजार रुपये भी दिए, लेकिन आरोप है कि प्रताड़ना जारी रही।

संतान नहीं होने पर बांझ कहकर अपमानित करने का आरोप

शिकायत में आरोप लगाया गया कि विवाहिता की कोई संतान नहीं होने पर ससुराल पक्ष के लोग उसे बांझ और कलंकनी जैसे शब्दों से अपमानित करते थे। आरोप है कि उसे मायके वालों से फोन पर बातचीत तक नहीं करने दी जाती थी। शिकायत के अनुसार 15 जुलाई 2026 को दोपहर करीब डेढ़ बजे ससुर सोम ने फोन कर दहेज की मांग पूरी करने का दबाव बनाया। आरोप है कि फोन पर धमकी दी गई कि यदि स्विफ्ट कार की मांग पूरी नहीं की तो बेटी को जान से मार दिया जाएगा। बेटी से बात कराने की मांग करने पर भी कथित तौर पर बात नहीं कराई गई।

भाई ससुराल पहुंचा तो सामने आया गंभीर मामला

इसके बाद पिता ने अपने बेटे आदित्य को बेटी की ससुराल भेजा। शिकायत के मुताबिक शाम करीब साढ़े चार बजे भाई वहां पहुंचा तो विवाहिता घायल हालत में मिली। आरोप है कि पति अमित कुमार और सास मुकेश ने उसके गले में चुन्नी का फंदा लगा रखा था। ससुर सोम पर उसके बाल खींचने, जबकि मुनेश और बालेन्द्र पर डंडों से हमला करने का आरोप लगाया गया है।

पति पर लोहे की रॉड से हमला करने का आरोप

शिकायतकर्ता के अनुसार पति अमित कुमार ने विवाहिता के सिर, नाक और शरीर के अन्य हिस्सों पर लोहे की रॉड से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। भाई घायल बहन को लेकर मायके पहुंचा, जिसके बाद उसका उपचार कराया गया।

खतौली अस्पताल में कराया उपचार

घायल विवाहिता को सरकारी अस्पताल खतौली ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसके सिर, नाक और शरीर पर लगी चोटों का परीक्षण किया तथा एक्सरे और आगे के उपचार के लिए रेफर किया। मेडिकल रिपोर्ट, एक्सरे और रेफर संबंधी दस्तावेज पुलिस को सौंपे गए हैं।

समझौते की कोशिश के बाद भी नहीं बनी बात

शिकायतकर्ता का कहना है कि उसने बेटी की गृहस्थी बचाने के लिए ससुराल पक्ष से समझौते के कई प्रयास किए, लेकिन आरोपी अपनी दहेज की मांग पर अड़े रहे। आरोप है कि ससुराल पक्ष विवाहिता को अपने साथ रखने के लिए भी तैयार नहीं है और शादी में दिया गया सामान भी उनके कब्जे में है।

पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पुलिस ने शिकायत के आधार पर अमित कुमार पुत्र सोम, सोम, मुकेश, मुनेश और बालेन्द्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक प्रियंका कुमारी को सौंपी गई है। पुलिस मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

25 सितंबर को मनाई जाएगी अनंत चतुर्दशी
भगवान विष्णु की पूजा का मुहूर्त और नियम

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि का सनातन धर्म में बहुत ही विशेष महत्व माना जाता है. वर्ष 2026 में अनंत चतुर्दशी का यह पवित्र पर्व 25 सितंबर यानी शुक्रवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा. यह पावन दिन भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की आराधना और उनके प्रति आभार व्यक्त करने के लिए समर्पित होता है. इसके साथ ही दस दिनों तक चलने वाले गणेश उत्सव का समापन भी इसी तिथि को गणपति विसर्जन के साथ होता है. सही मुहूर्त में पूजन और व्रत करने से घर में सुख और समृद्धि बनी रहती है. कई श्रद्धालु यह जानने के लिए बहुत उत्सुक रहते हैं कि इस वर्ष पूजा का सही समय कब से कब तक रहेगा और इसका क्या महत्व है.

अनंत चतुर्दशी 2026 की सही तिथि और समय

अनंत चतुर्दशी तिथि: 25 सितंबर 2026, शुक्रवार
पूजा का शुभ मुहूर्त : सुबह 06:11 बजे से रात 11:06 बजे तक
पूजा की कुल अवधि: 16 घंटे 55 मिनट
चतुर्दशी तिथि प्रारंभ: 24 सितंबर 2026 को रात 11:18 बजे
चतुर्दशी तिथि समाप्त: 25 सितंबर 2026 को रात 11:06 बजे

अनंत चतुर्दशी का पावन धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं में अनंत चतुर्दशी की इस पावन तिथि का बहुत बड़ा स्थान माना गया है. इस दिन पूरे नियम से व्रत रखने और भगवान विष्णु के अनंत रूप का ध्यान करने से इंसान के पुराने पाप दूर होते हैं और परिवार में तरक्की आती है.
जो लोग इस खास तिथि पर सुबह स्नान करके पूरे विधि-विधान से व्रत रखते हैं और कथा सुनते हैं, उनके जीवन से दुखों का अंत हो जाता है. इस दिन किए गए दान और जप का फल कई गुना होकर मिलता है.
भगवान विष्णु की कृपा से जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं और मन को शांति मिलती है. इस प्रकार अनंत चतुर्दशी का यह पर्व श्रीहरि का आशीर्वाद पाने और जीवन को मंगलमय बनाने का एक बहुत ही सुंदर अवसर माना जाता है.

अनंत चतुर्दशी की पूजा विधि और जरूरी नियम

प्रात: स्नान और संकल्प: इस पावन दिन पर सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद स्वच्छ पीले कपड़े पहनकर व्रत का संकल्प लेना चाहिए.
कलश व प्रतिमा स्थापना: पूजा स्थान पर कलश स्थापित करके भगवान विष्णु के अनंत रूप की प्रतिमा रखनी चाहिए.
पूजन सामग्री अर्पित करें: इसके बाद पंचामृत, गंगाजल, पीले फूल, अक्षत और पीला चंदन चढ़ाकर धूप-दीप से आरती करनी चाहिए.
भोग लगाएं: पूजन में पंचमेवा और ऋतुफल का भोग लगाना चाहिए.
सात्विक आहार व मन की शुद्धि: व्रत रखने वाले व्यक्ति को इस पूरे दिन सात्विक आहार ही लेना चाहिए और मन में किसी के प्रति कड़वाहट नहीं रखनी चाहिए.
कथा और फलाहार: शाम के समय व्रत की कथा पढ़कर या सुनकर ही अपना फलाहार ग्रहण करना चाहिए.
पूजा की पूर्णता: इन नियमों का सही से पालन करने से पूजा पूर्ण मानी जाती है और श्रीहरि का आशीर्वाद मिलता है.

अपने घरों में सजावट के लिए ही सही, लोगों में मूर्तियों के प्रति मोह बढ़ रहा है, जिसने विभिन्न तरह की मूर्तियों की मांग में काफी इजाफा किया है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक, पिछले 20 वर्षों में मूर्तियां बनाने वालों की संख्या लगभग 15 गुना बढ़ी है। इनमें पारंपरिक रूप से मूर्ति बनाने का काम करने वाले करीब पांच प्रतिशत हैं, वहीं इस क्षेत्र में डिग्री लेने वालों की संख्या लाखों में है। ऐसे युवाओं के लिए मूर्तिकला स्वरोजगार का अच्छा जरिया बन सकती है।

मूर्तिकला में गढ़ें सुनहरा भविष्य

बदलते परिवेश में घर, दफ्तर, होटल, पार्क सभी जगह यह कला सजावट का एक बेहतरीन माध्यम होकर उभर रही है। यह कला त्रिआयामी होती है। इसलिए इसके माध्यम से किसी भी समस्या को बेहतर तरीके से प्रकट किया जा सकता है। कलाकार अपनी कला और मेहनत के बल पर अच्छी-खासी कमाई कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इस कला का बीता समय जितना पुराना और खूबसूरत रहा है, उतना ही बढ़िया भविष्य भी इसमें है। देश में तो इस कला की मांग बढ़ी ही है इसके अलावा विदेशों में भी इसकी अच्छी-खासी मांग है। एक-एक मूर्ति एक लाख रुपए से लेकर करोड़ों रुपए तक में बिकती है।

कोर्स

मूर्तिकला के क्षेत्र में स्नातक स्तर से कोर्सेज कराए जाते हैं। इनमें यूनिवर्सिटी ग्रान्ट कमीशन द्वारा स्नातक स्तर पर चार वर्षीय कोर्स बीवीए का होता है और स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्षीय कोर्स एमवीए का होता है। ऐसे ही आल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन यानी एआईसीटीई द्वारा स्नातक स्तर पर चार वर्ष में बीएफए और स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्ष में एमएफए की डिग्री हासिल की जा सकती है। एमवीए और एमएफए के बाद अगर आप चाहें तो पीएचडी भी कर सकते हैं।

योग्यता

स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए तो आपका कम से कम बारहवीं पास होना जरूरी है, जबकि स्नातकोत्तर करने के लिए बीवीए या बीएफए होना जरूरी होता है।

प्रवेश

स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा देनी होती है, जो कहीं-कहीं केवल लिखित होती है और कहीं-कहीं लिखित और मौखिक, दोनों रूपों में ली जाती है। इन परीक्षाओं द्वारा मूर्तिकला में आपकी रुचि, धातुओं, पत्थरों और मिट्टी की जानकारी आदि के अलावा आपकी कलात्मक क्षमता और उसके विकास की संभावनाओं का पता लगाया जाता है।
कॉलेजों में करीब पांच हजार से लेकर 20 हजार तक में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के लिए आठ हजार से लेकर 25-26 हजार तक वार्षिक फीस ली जाती है। कुछ प्राइवेट संस्थान भी प्रशिक्षण देते हैं, जिनमें 10 से लेकर एक लाख रुपए तक फीस वसूली जाती है।

संभावनाएं

एक नया कलाकार जिसे कला की ठीक-ठाक समझ है वह शुरूआत में कम से कम 15 से 20 हजार रुपए महीने तक आसानी से कमा सकता है। अधिकतम की तो कोई सीमा ही नहीं है। दरअसल पर्यटन के लिहाज से भारत लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है। विदेशी पर्यटकों को लुभाने के लिए होटलों व लॉज में भारतीय कला का प्रयोग बढ़-चढ़कर हो रहा है। ऐसे में बिल्डर्स मूर्तिकारों की मदद लेते हैं। फव्वारे, दीवारों और सीलिंग पर नक्काशी करवाने के लिए ठेके पर इन्हें रखा जाता है। इनके हुनर के मुताबिक इनकी कमाई लाखों में होती है।कई बिल्डर तो स्थाई तौर पर अपने यहां इनकी नियुक्ति भी करते हैं। बुद्ध, गणेश, फीमेल फीगर व सामाजिक समस्याओं को दशार्ते मॉडल लोगों को बेहद पसंद हैं। ऐसे कलाकार जो पारंपरिक कला को नया लिबास या यूं कहें कि ग्लैमर लुक देने में माहिर हैं, उनके लिए यह क्षेत्र कॅरियर का एक बेहतर विकल्प है। भारतीय मूर्तिकारों में देसी और विदेशी ग्राहकों की बढ़ती दिलचस्पी से भी इनके काम को बढ़ावा मिला है। बहुत से निर्यातक मूर्तिकारों की कलाकृतियों को विदेश भेजकर कमाई करते हैं, जिसमें से एक बड़ा हिस्सा मूर्तिकारों को भी दिया जाता है।

जल आधारित भोजन से कुछ घटता ही है वजन

पानी जीवन का आधार, बिन पानी सब सून। पहले प्यास बुझाने के लिए पानी पिया जाता था, बाद में शोधों से पता चला कि पानी में ढेरों औषधीय गुण विघमान हैं, चुनांचे ज्यादा पानी पीने की सलाह दी जाने लगी। अब विज्ञानी नई खबर लेकर आए हैं और वह यह कि अगर स्लिम-ट्रिम होने के लिए आप गिलास पर गिलास पानी पेट में उतार रहे हैं तो समझ लें समय बरबाद कर रहे हैं। यानी ज्यादा पानी पीने से किसी भी सूरत में वजन कम नहीं होता है।

डायटीशियन लोगों को रोजाना कम से कम आठ गिलास पानी पीने की सलाह देते हैं। पानी का वजन पर पड़ने वाले प्रभाव के आकलन के लिए वैज्ञानिकों ने हाल में कई शोध किए। इनमें से एक रिसर्च में उन्होंने 1000 महिलाओं के बेट और वेस्ट यानी वजन और कमर के आकार का अध्ययन इस आधार पर किया कि वे प्रतिदिन कितना पानी पी रही हैं और उसे किस रूप में ले रही हैं। शोधकर्ता यह जानकर हैरान रह गए कि वजन कम करने के लिए ये महिलाएं ज्यादा पानी पी रही थीं, लेकिन अधिक पानी तथा वेट लूज में किसी तरह का कोई संबंध नहीं बन पा रहा था। अलबत्ता एक अच्छी सूचना यह हाथ लगी कि इन 1000 महिलाओं में से जो जल आधारित भोजन ले रही थीं, उनके वेस्ट के आकार में मामली-सा बदलाव आया था। विज्ञानियों का कहना है कि इस फाइंडिंग के बाद सही तो यह होगा कि वे सभी लोग जो वजन कम करने के अभियान से जुटे हैं, ज्यादा पानी के बजाए फल, सब्जियां, जूस तथा सूप आदि लें। इससे शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलेंगे और फाइबर अतिरिक्त चर्बी घटाने में मदद करेगा। इसके अलावा चाय, कॉफी और सॉफ्ट ड्रिंक्स तो हैं ही। पानी को वेट लूजर के रूप में इस्तेमाल करने के बारे में वैज्ञानिकों ने चेताया है कि ज्यादा पानी पी लेने से भूख कम लगती है। इसका सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है और व्यक्ति लो ब्लडप्रेशर का शिकार हो जाता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका कतई यह मतलब नहीं है कि कम पानी पिया जाए। स्थान विशेष की जलवायु के हिसाब से शरीर खुद पानी की मांग करता है और उस मांग की आपूर्ति बेहद जरूरी है। पानी के बहाने शोधकर्ताओं ने एक अहम चेतावनी भी दी है। उनका कहना है कि पॉली या प्लाटिस्क की बोतलों में पैक पानी सेहत के लिए हानिकारक होता है। पानी को बॉटल में प्रोसेस करते समय कुछ कैमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो दिल के दौरों के खतरे को दोगुना कर देते हैं।

आयु बढ़ाता है विटामिन 'डी'

लंबी आयु चाहते हैं तो नियमित तौर पर कुछ समय सूर्य के प्रकाश में गुजारा करें। एक नए अध्ययन के अनुसार सूर्य के प्रकाश से शरीर में विकसित होने वाला विटामिन डी मृत्यु दर को कम करता है। पहले हुए अध्ययनों ने भी इस आर संकेत दिया था कि सूर्य के प्रकाश से संभवत: कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ होते हैं जिनमें कैंसर, धमनियों की बीमारी और दमे से बचाव शामिल हैं। आस्ट्रिया के ग्राज विश्वविघालय ने पाया है कि सूर्य के प्रकाश से प्राप्त होने वाला विटामिन डी मृत्यु दर में कमी लाता है। यही विटामिन कैल्शियम के अवशोषण में शरीर को मदद करता है। 'दी डेली टेलीग्राफ' के अनुसार मुख्य अनुसंधानकर्ता हेराल्ड डोबनिग का कहना है कि यह पहला संयुक्त अध्ययन है जिसमें यह पता चला है कि विटामिन डी मृत्यु दर को प्रभावित करता है और इसका मृत्यु के प्राथमिक कारण से कोई लेना देना नहीं है। दूध और सालमोन मछली में विटामिन डी पाया जाता है। इसकी कमी से बच्चों को रिकेट्स बीमारी और बड़ों को गठिया हो सकता है। अध्ययन में औसतन 62 वर्ष आयुवर्ग के 3200 से अधिक लोगों का अनुसंधानकर्ताओं ने परीक्षण किया।

ग्रेटर नोएडा में चलती बस में लगी आग

9 यात्रियों की मौत, मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपये देने का ऐलान

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे के पास चलती स्लीपर बस में आग लग गई। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद अब बस में लगी आग को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। इस बस हादसे पर सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है। मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए को आर्थिक मदद यूपी सीएम की ओर से की जाएगी। बस हादसे में 20 लोगों को पुलिस और रेस्क्यू टीम दल ने सुरक्षित बचाया है।

एफआईआर के मुताबिक, बुधवार रात करीब 11:30 बजे जब बस (BR32PA8647) नोएडा-आगरा रूट पर 33वें किलोमीटर के पास पहुँची, तो यात्रियों को ड्राइवर के केबिन से कुछ जलने की गंध आई। सुनील कुमार की शिकायत के अनुसार, कुछ यात्रियों ने ड्राइवर और कंडक्टर को इस गंध के बारे में बताया। ड्राइवर ने उनकी बात को नजरअंदाज करते हुए कहा कि बस में ऐसी जलने की गंध आना आम बात है।

जब बस में भर गया धुंआ: एफआईआर में यह भी आरोप लगाया गया कि ड्राइवर ने समस्या की जांच करने के लिए बस को तुरंत नहीं रोका और ड्राइवर व कंडक्टर केबिन में बीड़ी/सिगरेट पीते रहे। इसके कुछ ही देर बाद ड्राइवर की सीट के पास अचानक आग की लपटें उठने लगीं। यात्री चिल्लाने लगे और ड्राइवर से बस रोकने के लिए कहने लगे। यात्री के बार-बार कहने के बावजूद ड्राइवर और कंडक्टर ने शुरू में बस रोकने से इनकार कर दिया और उन्हें धमकाया। तब तक, आग तेजी से पूरी बस में फैल चुकी थी और यात्रियों वाली जगह पर घना धुआं भर गया था।

खिड़की का शीशा तोड़ यात्रियों को निकाला बाहर: एफआईआर के अनुसार, आग लगने के बाद ड्राइवर और कंडक्टर मौके से भाग गए।

मौके पर मौजूद लोगों ने जलती हुई बस से यात्रियों को बाहर निकालने में मदद करने की कोशिश की। आग बुझाने के लिए फायर एक्सटिंग्विशर का इस्तेमाल करने की कोशिश की गई, लेकिन वह काम नहीं आया। जब बस के अंदर से आवाजें सुनाई दीं, तो लोगों ने यात्रियों को बचाने की कोशिश में फायर एक्सटिंग्विशर से खिड़की का शीशा तोड़ने की कोशिश की।

दिल्ली से महोबा जा रही थी बस: दरअसल, यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट से करीब 32 किलोमीटर आगे जेवर थाना क्षेत्र में चलती स्लीपर बस में आग लगी थी। बस में करीब 35 यात्री सवार बताए गए थे। आग के बाद कई यात्रियों ने बस से कूदकर जान बचाई। हालांकि 9 लोग बस से बाहर नहीं निकल पाए। हादसे में उनकी मौत हो गई।

ड्राइवर बस छोड़कर भाग गया: रेखा भारद्वाज का कहना है कि बस में जब आग लगी तब मैं सो रही थी। अचानक से ड्राइवर ने शोर मचाया, बस में आग लग गई है। सब बाहर निकलो। सब बाहर निकलने लगे, मैं भी बाहर निकली। बाहर निकालने के दौरान में बस के अंदर गिर गई। काफी देर तक मैं बस के अंदर पेट के बल गिरी रही। काफी लोग मेरे ऊपर से होकर गुजरे। पति बस से बाहर निकल नहीं पाए। पता नहीं पति कहां है।

उन्होंने आगे बताया, 'ड्राइवर बस छोड़कर भाग गया था। कुछ देर तक तो मुझे पता ही नहीं चल मेरे साथ क्या हुआ। जब मैं उठी तो मैंने खुद को सड़क पर पड़ा हुआ देखा।' रेखा अपने पति के साथ महोबा जा रही थी। रेखा का कहना है कि ड्राइवर सीट के आसपास से ही आग लगनी शुरू हुई थी। बस में आगे से आग लगनी शुरू हुई थी। बस में धुआं भरा हुआ था।

19 चालान के बावजूद एक्सप्रेसवे पर दौड़ती रही बस, नियमों की अनदेखी के बीच हुआ भीषण अग्निकांड

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के यमुना एक्सप्रेसवे पर डबल डेकर स्लीपर बस में हुए भीषण अग्निकांड के बाद बस के संचालन और सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि जिस बस में आग लगने से नौ यात्रियों की मौत की सूचना है और कई यात्री घायल हुए हैं, उसके खिलाफ पहले से ही यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले में बड़ी संख्या में चालान लंबित थे। जानकारी के मुताबिक, बस के 19 चालान करीब 1.75 लाख रुपए के लंबित थे।

इसके बावजूद बस लगातार एक्सप्रेसवे पर यात्रियों को लेकर दौड़ती रही। जांच में बस के परमिट और सुरक्षा मानकों को लेकर भी सवाल सामने आए हैं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, बस के खिलाफ बिना वैध परमिट के संचालन का चालान भी किया गया था। बताया जा रहा है कि 19 अगस्त को दिल्ली के मयूर विहार इलाके में बस का 18,500 रुपए का चालान किया गया था। इसमें बस की छत पर अवैध तरीके से सामान ले जाने से संबंधित कार्रवाई भी शामिल थी। इसके अलावा, इसी अवधि में बिना परमिट बस चलाने को लेकर भी चालान किए जाने की जानकारी सामने आई है।

बस के पुराने चालानों की जानकारी से पता चलता है कि यातायात नियमों का उल्लंघन लगातार होता रहा। 7 अप्रैल को 6,900 रुपए का चालान किया गया था। इसमें चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होने और निर्धारित यूनिफॉर्म नहीं पहनने से संबंधित उल्लंघन दर्ज था। इसके बाद 19 अगस्त को बिना परमिट के संचालन के लिए 15 हजार रुपए का चालान काटे जाने की जानकारी है। इसी तरह 21 जुलाई को 10 हजार रुपए, 15 जून को 4 हजार रुपए, 14 मई को 10,500 रुपए, 6 मई को 500 रुपए, 1 मार्च को 5 हजार रुपए, 21 फरवरी को 500 रुपए और 19 जनवरी को 12 हजार रुपए का चालान किया गया था।

इन कार्रवाई के बावजूद बस का संचालन जारी रहना प्रवर्तन व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रहा है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक बस में आग एयर कंडीशनिंग सिस्टम में ब्लास्ट के बाद लगी। बताया जा रहा है कि सिस्टम में हुई खराबी के बाद आग ने इंजन के लुब्रिकेटिंग ऑयल को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया और देखते ही देखते बस के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। स्लीपर बस होने के कारण कई यात्री ऊपरी बर्थ पर सो रहे थे। अचानक आग लगने से उन्हें संभलने और बाहर निकलने का पर्याप्त मौका नहीं मिल सका। हादसे के दौरान यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल का किया स्थलीय निरीक्षण

गौतमबुद्धनगर। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर 2026 तक आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 को सकुशल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इसी क्रम में जिलाधिकारी ने आज कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण करते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं एवं तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अब तक की गई तैयारियों की जानकारी प्राप्त की तथा शेष व्यवस्थाओं को समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए।

स्थलीय निरीक्षण के उपरांत एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा के सभागार में पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था से लेकर यातायात, पार्किंग, अग्नि सुरक्षा, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं, खाद्य सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल तथा वीवीआईपी आगमन से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विभागवार चर्चा की गई।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोजन की महत्ता एवं वीवीआईपी आगमन को दृष्टिगत रखते हुए कार्यक्रम स्थल एवं उसके आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। प्रवेश एवं निकास द्वारों पर प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती तथा संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने वीवीआईपी मूवमेंट एवं यातायात व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वीवीआईपी आवागमन के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। निर्धारित मार्गों पर यातायात व्यवस्था सुचारु रखी जाए तथा आवश्यकता के अनुरूप बैरिकेडिंग, यातायात डायवर्जन एवं पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

पुलिस आयुक्त ने पार्किंग व्यवस्था एवं कार्यक्रम स्थल तक आगंतुकों के सुगम आवागमन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित पार्किंग स्थलों पर वाहनों का व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी स्थान पर अनावश्यक जाम अथवा अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न होने पाए। आयोजन स्थल के प्रवेश एवं निकास मार्गों सहित महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस एवं यातायात कर्मियों की प्रभावी तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सुरक्षा से संबंधित सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सुरक्षा व्यवस्था की निरंतर निगरानी करने तथा किसी भी आकस्मिक परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क एवं तैयार रहने के निर्देश दिए।

श्रीमती सत्यवती मिश्रा के तेरहवीं संस्कार में उपराष्ट्रपति, पूर्व राष्ट्रपति एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

3नोएडा। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल पंडित कलराज मिश्रा (बाबूजी) की धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के तेरहवीं संस्कार के अवसर पर आज भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन एवं देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन जी, देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी ने स्वर्गीय श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने श्रद्धेय कलराज मिश्रा जी एवं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा इस कठिन समय में परिवार को संबल प्रदान किया।

इस अवसर पर प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में महामहिम राज्यपाल मिजोरम जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त), पूर्व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद तथा उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शामिल रहे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्य, कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रमापति राम त्रिपाठी, सांसद डा.महेश शर्मा जी , सांसद श्री रमेश अवस्थी, प्रभारी मंत्री नोएडा कुंवर बृजेश सिंह, नोएडा विधायक पंकज सिंह जी, राज्यमंत्री श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम एवं राज्यमंत्री श्री सतीश चंद्र शर्मा तथा पूर्व सांसद श्री बृजभूषण शरण सिंह भी पहुंचे।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सहकारिता श्री जे.पी.एस. राठौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', महिला आयोग उपाध्यक्ष श्रीमती अर्पण यादव, राज्यमंत्री श्री हंस राज विश्वकर्मा,तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री प्रमोद तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह की भी उपस्थिति रही।

इसके अतिरिक्त इतिहास संकलन के संगठन मंत्री श्री बालमुकुंद, पद्मश्री एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री अशोक भगत, एमिटी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन अतुल चौहान, अमित त्यागी, किसान नेता श्री राकेश टिकैत तथा सामाजिक एवं किसान नेता श्री नरेश सिरोही सहित देशभर से राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं सार्वजनिक जीवन से जुड़े अनेक प्रमुख लोग उपस्थित रहे। उपस्थित गणमान्यजनों ने भी स्वर्गीय श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति एवं धैर्य प्रदान करें।

नवरात्रि के रंग में रंगेगा नोएडा, 'डांडिया धमाल 2026' में होगा सांस्कृतिक उत्सव

नोएडा। नवरात्रि के अवसर पर संस्कृति, परंपरा और मनोरंजन का संगम प्रस्तुत करने के उद्देश्य से 'डांडिया धमाल 2026' का आयोजन नोएडा में किया जाएगा। इस तीन दिवसीय आयोजन को लेकर गुरुवार को नोएडा मीडिया क्लब, सेक्टर-29 में आयोजकों ने प्रेसवार्ता कर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की।

आयोजकों ने बताया कि डांडिया धमाल 2026 का आयोजन 16 से 18 अक्टूबर 2026 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट (इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो), सेक्टर-62, नोएडा में किया जाएगा। कार्यक्रम प्रत्येक दिन शाम 7 बजे से शुरू होगा, जबकि दर्शकों के लिए प्रवेश शाम 6 बजे से रहेगा। आयोजन में प्रतिदिन करीब 1000 से 1500 लोगों के शामिल होने की संभावना है।

प्रेसवार्ता में बताया गया कि यह आयोजन पारंपरिक नवरात्रि डांडिया एवं गरबा की थीम पर आधारित होगा। लाइव डांडिया और गरबा नाइट के माध्यम से लोगों को गुजरात एवं देश की पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराने के साथ परिवार और युवाओं के लिए मनोरंजन का विशेष मंच उपलब्ध कराया जाएगा।

17 अक्टूबर को सपना चौधरी की विशेष प्रस्तुति: आयोजकों के मुताबिक कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 17 अक्टूबर 2026 को प्रसिद्ध कलाकार सपना चौधरी की लाइव प्रस्तुति होगी। उनकी प्रस्तुति को लेकर दर्शकों में विशेष उत्साह देखने को मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में संगीत, नृत्य और पारंपरिक डांडिया-गरबा के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी।

सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर विशेष जोर: प्रेसवार्ता में आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने को देखते हुए सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयोजन स्थल पर प्रवेश, भीड़ प्रबंधन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को व्यवस्थित तरीके से संचालित करने की योजना बनाई गई है।

आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम को सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए संबंधित प्रशासन एवं पुलिस विभाग की सहायता ली जाएगी साथ ही महिला एवं पुरुष सुरक्षाकर्मी भी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहेंगे ।

आयोजकों के अनुसार डांडिया धमाल 2026 का उद्देश्य नवरात्रि की परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक आयोजन के स्वरूप में लोगों तक पहुंचाना है। 'डांस, डिवोशन और कम्युनिटी' की भावना के साथ आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम नोएडा में नवरात्रि उत्सव को एक नया सांस्कृतिक मंच देने की दिशा में आयोजित किया जा रहा है।

बड़ौली और अच्छेजा की सामाजिक संगोष्ठियों में गुर्जर स्वाभिमान रैली को सफल बनाने का संकल्प

हरियाणा। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के तत्वावधान में बड़ौली और अच्छेजा में सामाजिक संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इनमें समाज के उत्थान, शासन में भागीदारी, युवाओं को शिक्षा और व्यवसाय की ओर प्रेरित करने तथा सामाजिक एकता जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीशचंद भाटी उपस्थित रहे। उनके साथ रामकेश चपराना, वीरेंद्र बिधूड़ी, रविंद्र बिधूड़ी, सुनील भाटी, उदित नारायण बैसला, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी, जयवीर भड़ाना और अर्णव चौधरी सहित अनेक पदाधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वक्ताओं ने शिक्षा को बढ़ावा देने, युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आपसी भाईचारे और एकजुटता से ही समाज के सर्वांगीण विकास को गति मिलेगी।

संगोष्ठियों में 27 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के उपलक्ष्य में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में प्रस्तावित गुर्जर स्वाभिमान रैली में बड़ी संख्या में भाग लेने का आह्वान किया गया। इंद्र बैसला और हरिप्रकाश सरपंच सहित पदाधिकारियों तथा उपस्थित समाजबंधुओं ने रैली को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का संकल्प लिया।

इससे पूर्व ग्रामवासियों ने डीजे और ढोल-नगाड़ों के साथ पदाधिकारियों का स्वागत किया तथा उन्हें पगड़ी पहनाकर पुष्पमालाएँ भेंट कीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिव सिंह बोहरा ने की और संचालन करतार मास्टर जी ने किया।

कार्यक्रम में राजेंद्र कैप्टन, राजेंद्र भगत जी, दयाराम फागना, संतराम ठेकेदार, भगत सिंह नागर, बेगराज मावी, महेंद्र फागना, कर्म सिंह नेताजी, प्रहलाद सरपंच, पप्पी सरपंच, किरण सरपंच, कृष्ण मेंबर और सोनू गुर्जर सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

नोएडा। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने आज कलेक्ट्रेट में स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजीत कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी भू0/अ0 अरूण कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर अरूण कुमार, हरिशंकर लाल जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेयर हाउस के ताले पर लगी सील की जांच की, जो पूर्णतया सुरक्षित पाई गई। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली का भी विस्तृत अवलोकन किया, सभी कैमरे सुचारु रूप से कार्यरत मिले। साथ ही खिड़कियों एवं रोशनदान की सुरक्षा व्यवस्था की भी बारीकी से जांच की गई।

निरीक्षण के उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था में तैनात सुरक्षा कर्मचारियों को सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वेयर हाउस की सभी व्यवस्थाएं व्यवस्थित एवं सुरक्षित मिलीं।

टप्पल में यमुना प्राधिकरण का बड़ा एक्शन; 30 हेक्टेयर सरकारी जमीन को अतिक्रमण से कराया मुक्त

ग्रेटर नोएडा। यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने गुरुवार को जनपद अलीगढ़ के टप्पल क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ एक बड़ी और व्यापक कार्रवाई की। प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में लगभग 30 हेक्टेयर (3,00,000 वर्ग मीटर) सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया है। मुक्त कराई गई इस जमीन की कीमत अरबों रुपये बताई जा रही है। प्राधिकरण द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, टप्पल क्षेत्र में लंबे समय से भू-माफियाओं और स्थानीय लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा और निर्माण किया जा रहा था। प्राधिकरण की टीम ने पर्याप्त पुलिस बल के सहयोग से इन सभी अवैध निर्माणों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया और करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य की इस कीमती जमीन को वापस अपने नियंत्रण में ले लिया।भविष्य में भी जारी रहेगी कार्रवाईयमुना प्राधिकरण के अधिकारियों ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया है कि अधिसूचित क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा, अवैध निर्माण या अनधिकृत विकास किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्राधिकरण क्षेत्र के नियोजित और सुनियोजित विकास को सुनिश्चित करने के लिए भू-माफियाओं और अतिक्रमणकारियों के खिलाफ भविष्य में भी इस तरह के प्रभावी प्रवर्तन अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

यह कार्रवाई यमुना प्राधिकरण के माननीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार और अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजेश कुमार एवं शैलेंद्र सिंह के निर्देशन में अंजाम दी गई। मौके पर कार्रवाई को सफल बनाने के लिए प्राधिकरण के भूलेख विभाग, प्रोजेक्ट विभाग और स्थानीय पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम तैनात रही। इस बड़े अभियान के दौरान विशेष कार्याधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, शिव अवतार सिंह, उप जिलाधिकारी (स्ठरू) हरी प्रताप सिंह, श्री अभिषेक शाही, कृष्ण गोपाल त्रिपाठी और तहसीलदार मनोज कुमार सिंह सहित राजस्व विभाग के तमाम आला अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

उत्तर प्रदेश को ग्लोबल सोर्सिंग हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में यूपीआईटीएस 2026: भूपेंद्र चौधरी

ग्रेटर नोएडा। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के मंत्री श्री भूपेंद्र चौधरी ने कहा है कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो यानी यूपीआईटीएस का चौथा संस्करण उत्तर प्रदेश के उद्यमियों, निर्माताओं, निर्यातकों और कारोबारियों को देश और दुनिया के बाजारों से जोड़ने का बड़ा मंच बनेगा। 25 से 29 सितंबर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले यूपीआईटीएस 2026 में 2,400 से अधिक प्रदर्शकों, 1.5 लाख से अधिक बीटूबी खरीदारों एवं आगंतुकों, 4.5 लाख से अधिक सामान्य आगंतुकों तथा 85 देशों के 550 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के शामिल होने की उम्मीद है।

गुरुवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। प्रदेश में 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां हैं। सरकार ऐसा इकोसिस्टम विकसित कर रही है, जिसमें उद्यम आगे बढ़ सकें, नवाचार कर सकें और वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा कर सकें। यूपीआईटीएस स्थानीय उद्यमों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाने के साथ निवेश, व्यावसायिक विस्तार और रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध कराएगा। उन्होंने बताया कि यूपीआईटीएस 2026 का उद्घाटन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी करेंगे।

यूपीआईटीएस 2026 का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप इस वर्ष और व्यापक होगा। चौथे संस्करण में छह पार्टनर देश ऑस्ट्रिया, जापान, रूस, सिंगापुर, बेलारूस और वियतनाम भाग लेंगे। इन देशों की भागीदारी से व्यापार साझेदारी, तकनीकी सहयोग, सोर्सिंग, निवेश और नए बाजारों तक पहुंच के अवसर बढ़ेंगे। आयोजन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय खरीदारों, घरेलू बीटूबी खरीदारों और घरेलू बीटूसी आगंतुकों को एक ही मंच पर जोड़ा जाएगा।

कार्यक्रम से पहले ही अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की भागीदारी बढ़ रही है। अब तक 72 देशों से विदेशी खरीदारों के पंजीकरण प्राप्त हो चुके हैं। एफआईईओ के होस्टेड बायर प्रोग्राम के माध्यम से वास्तविक खरीदारों, आयातकों, वितरकों, रिटेलर्स, सोर्सिंग एजेंट्स, प्रोक्योरमेंट प्रमुखों, व्यापार संघों और व्यावसायिक उद्यमों को आयोजन से जोड़ा जा रहा है। बीटूबी मैचमेकिंग, नेटवर्किंग और बिजनेस सेशंस के माध्यम से खरीदारों और प्रदर्शकों को सीधे कारोबारी संवाद का अवसर मिलेगा।

यूपीआईटीएस 2026 में उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, कृषि, हस्तशिल्प और सेवा क्षेत्र की विविधता दिखाई देगी। इसमें कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, ऑटोमोबाइल, ईवी एवं ऑटो कंपोनेंट्स, एविएशन, रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं ई-कॉमर्स, आईटी एवं स्मार्ट-सिटी सॉल्यूशंस, फिल्म एवं मनोरंजन, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी, फूड प्रोसेसिंग एवं एफएमसीजी, बागवानी, हैंडलूम, हस्तशिल्प एवं टेक्सटाइल्स, स्वास्थ्य, वेलनेस, आयुष, फार्मास्यूटिकल्स एवं मेडिकल इक्विपमेंट, इन्फ्रास्ट्रक्चर, इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग एवं रियल एस्टेट, लेदर, पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी, स्पोर्ट्स, टॉयज, रिन्यूएबल एनर्जी, पावर, माइनिंग, लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग, रिटेल, फाइनेंशियल सर्विसेज, शिक्षा एवं कौशल, पैकेजिंग एवं प्रिंटिंग तथा जल, स्वच्छता एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन जैसे क्षेत्र शामिल होंगे।

प्रदर्शनी में एमएसएमई विकास, उद्यमिता एवं कौशल विकास, क्लस्टर विकास, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, प्रोक्योरमेंट एवं मार्केटिंग सहायता, रोजगार सृजन तथा ग्रामीण एवं शहरी विकास से जुड़ी सरकारी योजनाओं और नीतियों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। औद्योगिक निवेश, निर्यात, टेक्सटाइल्स और गारमेंटिंग से संबंधित उत्तर प्रदेश की सेक्टोरल पॉलिसीज भी आयोजन का हिस्सा होंगी। यूपीआईटीएस 2026 में उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और पाक पहचान को भी विशेष स्थान दिया गया है। 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' पहल के साथ इस वर्ष 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन क्यूज़ीन' को विशेष पहचान दी जाएगी। इसके माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों की पारंपरिक पाक विधियों, स्थानीय व्यंजनों और खाद्य विरासत को देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जाएगा।

पुलिस के हत्थे चढ़ा 10 हजार का इनामी बदमाश

नोएडा। फेज-2 थाने की पुलिस ने हत्या के प्रयास और वाहन चोरी के मामले में आरोपी रहे 10 हजार के इनामी बदमाश को गुरुवार दोपहर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से नगदी, एप्पल माइबुक, एप्पल आईपैड और अवैध हथियार बरामद हुआ। सेंट्रल नोएडा जोन के एडीसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी की पहचान जिला बदायूं के नगासी गांव निवासी 23 वर्षीय राजू सक्सेना उर्फ टीटू के रूप में हुई। वह वर्तमान में गाजियाबाद के मकनपुर में किराये पर रहता है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने जून 2026 में एल्डिको सेक्टर-93 के पास से कार का शीशा तोड़कर उसमें रखा बैग चोरी किया था, जिसमें से एप्पल माइबुक और एप्पल आईपैड मिले थे।

आरोपी ने अगस्त 2025 में अपने साथियों के साथ सेक्टर-85 में कंपनी के बाहर खड़ी बाइक चोरी की थी। इसी दौरान हौजरी कॉम्प्लेक्स से मोबाइल फोन छीना था। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2023 में गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा सात मुकदमे और दर्ज हैं।

बिना अधिभोग प्रमाणपत्र फ्लैट देने पर जुर्माना लगेगा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से कार्यपूर्ति/अधिभोग प्रमाणपत्र (ओसी) लिए बिना खरीदारों को फ्लैट और दुकान देने पर बिल्डरों पर जुर्माना लगाने के साथ अन्य कार्रवाई होगी। इसके लिए नए सिरे से दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही चेतावनी भी जारी की गई है। प्राधिकरण को शिकायत मिली है कि ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं, आईटी और व्यावसायिक परियोजनाओं में बिल्डर की ओर से खरीदारों को बिना कार्यपूर्ति/अधिभोग प्रमाणपत्र (ओसी) के कब्जा दिया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। इस पर उच्चाधिकारियों ने संज्ञान लिया है।

ग्रुप हाउसिंग, व्यावसायिक और आईटी परियोजना विकसित कर रहे बिल्डरों को सख्त चेतावनी दी गई है कि बिना कार्यपूर्ति/अधिभोग प्रमाण पत्र (ओसी) के किसी भी खरीदार को कब्जा न दिया जाए। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी की ओर से 19 सितंबर को जारी सार्वजनिक सूचना के मुताबिक प्राधिकरण क्षेत्र में आवंटित भूखंडों पर भवन विनियमावली-2010 (यथा संशोधित) के तहत ओसी लेना अनिवार्य है। अधिभोग प्रमाणपत्र के आवेदन के साथ संपत्ति विभाग से अनापत्ति, फायर एनओसी, विमानपत्तन अनापत्ति, पर्यावरण मंत्रालय (एमओई एफ) से एनओसी, आईआईटी से संरचना परीक्षण, लिफ्ट सुरक्षा प्रमाणपत्र समेत सभी आवश्यक प्रपत्र जमा कराने होंगे।

सख्त कार्रवाई: एसीईओ का कहना है कि यदि किसी बिल्डर यानी विकासकर्ता द्वारा बिना कार्यपूर्ति/अधिभोग प्रमाण पत्र प्राप्त किए खरीदारों को मौके पर कब्जा दिया गया, तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि इस संबंध में उत्तर प्रदेश भूसंपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) की ओर से भी समय-समय कर दिशा- निर्देश जारी किए जाते हैं।

'जाणता राजा' से जागेगा इतिहास का गौरवबोध, नोएडा में शुक्रवार को प्रबुद्ध सम्मेलन

नोएडा। दिव्य प्रेम सेवा मिशन द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, संघर्ष और हिंदवी स्वराज्य की संकल्पना पर आधारित ऐतिहासिक महानाट्य 'जाणता राजा' के आयोजन को लेकर गुरुवार को नोएडा मीडिया क्लब में प्रेसवार्ता की गई।

आयोजकों ने बताया कि महानाट्य का भव्य आयोजन आगामी अक्टूबर में गाजियाबाद में किया जाएगा, जबकि इससे पहले 25 सितंबर को नोएडा के आदित्य बैंक्वेट, सेक्टर-38, बॉटनिकल गार्डन में शाम 6 बजे प्रबुद्ध सम्मेलन आयोजित होगा।

आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि 'जाणता राजा' के देश-विदेश में अब तक 1300 से अधिक मंचन हो चुके हैं और करीब 70 लाख दर्शक इसे देख चुके हैं। उन्होंने बताया कि महानाट्य में करीब दो लाख वर्गफीट का चार मंजिला मंच, 250 कलाकार, 20 फीट ऊंची मां तुलजा भवानी की प्रतिमा और विशाल रंगभूमि के साथ हाथी, घोड़े, ऊंट, बैलगाड़ी और पालकी का भी प्रयोग किया जाता है।

दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गौतम ने कहा कि आयोजन के दो प्रमुख उद्देश्य हैं–युवा पीढ़ी को छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके आदर्शों से परिचित कराना तथा समाज को संस्था के सेवा प्रकल्पों से जोड़ना। उन्होंने बताया कि इससे पहले लखनऊ और आगरा में भी महानाट्य का आयोजन किया जा चुका है। इस बार दिल्ली-एनसीआर सहित आसपास के जिलों में व्यापक स्तर पर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

जाणता राजा आयोजन समिति के प्रभारी राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि 25 सितंबर को होने वाले प्रबुद्ध सम्मेलन का विषय 'हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज' रखा गया है। सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल जी मुख्य वक्ता तथा उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री असीम अरुण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता फोरम नोएडा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा करेंगे।

आयोजन समिति के संयोजक विनय चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम से छात्रों, व्यवसायियों, चिकित्सकों, शिक्षाविदों और समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रबुद्ध सम्मेलन महानाट्य से पहले आयोजित होने वाला महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम होगा।

आयोजकों के अनुसार 'जाणता राजा' के माध्यम से इतिहास, संस्कृति और सेवा को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सके।

आयुर्वेद, शोध और नवाचार का संगम बनेगा राष्ट्रीय आयुष महोत्सव

नोएडा। आयुर्वेद एवं आयुष क्षेत्र को समर्पित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयुष महोत्सव-आयुर महोत्सव 2026 का शुभारंभ 25 सितंबर से इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो सेंटर, सेक्टर-62, नोएडा में होगा। आयोजन को लेकर गुरुवार को नोएडा मीडिया क्लब में प्रेसवार्ता आयोजित कर आयोजकों ने महोत्सव की तैयारियों और कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

आयोजकों ने बताया कि 25 से 27 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस महोत्सव में देशभर से 5,000 से अधिक आयुर्वेद चिकित्सकों सहित करीब 25,000 प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। महोत्सव का उद्देश्य आयुर्वेद के ज्ञान, शोध, नवाचार और आधुनिक संभावनाओं को एक व्यापक राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना है।

महोत्सव का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत मुख्य अतिथि के रूप में करेंगे। वहीं हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश के लोकसभा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

प्रेसवार्ता में बताया गया कि कार्यक्रम में आयुर्वेद एवं आयुष क्षेत्र से जुड़े चिकित्सक, विशेषज्ञ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इनमें डाबर इंडिया लिमिटेड के ग्लोबल सीईओ मोहित मल्होत्रा, श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रंजीत पुराणिक, आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक वार्ष्णेय, डॉ. प्रदीप मुल्तानी, महर्षि आयुर्वेदा प्रोडक्ट्स के डायरेक्टर डॉ. संजय शर्मा और डॉ. संजय श्रीवास्तव सहित कई प्रमुख नाम शामिल हैं।

शोध से लेकर उद्योग और वेलनेस तक होंगे कार्यक्रम: आयोजकों के अनुसार तीन दिवसीय महोत्सव में आयुर्वेद, शोध, नवाचार, उत्पाद प्रदर्शन, उद्योग संवाद, बिजनेस नेटवर्किंग तथा स्वास्थ्य एवं वेलनेस से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके माध्यम से चिकित्सकों, शोधकर्ताओं, आयुर्वेदिक संस्थानों और उद्योग जगत को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जाएगा।

एक्सप्रेसवे पर ट्रक की टक्कर से कार सवार पिता-पुत्र की मौत

नोएडा। गंगा एक्सप्रेसवे पर गुरुवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से कार सवार पिता और सात वर्षीय बेटे की मौत हो गई, जबकि मां, दूसरा बेटा और कार चालक घायल हो गए। परिवार बदायूं के मानोंना गांव में रिश्तेदारी में हुई मौत में शामिल होकर ग्रेटर नोएडा लौट रहा था। जिला बदायूं के मोहल्ला जगत निवासी 40 वर्षीय जफरुल हसन परिवार के साथ ग्रेटर नोएडा के परी चौक क्षेत्र में किराये के मकान में रहते थे। वह पत्नी नाजिश, सात वर्षीय बेटे अर्श मोहम्मद और आठ वर्षीय आहिल के साथ बदायूं के मानोंना गांव में रिश्तेदारी में हुई मौत में शामिल होने गए थे।

गमी में शामिल होने के बाद गुरुवार सुबह पूरा परिवार कार से लौट रहा था। कार में चालक समीर भी था। कार सुबह करीब 10 बजे गंगा एक्सप्रेसवे पर फत्तेहपुर शमसोई गांव के पास पहुंची। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने कार में साइड से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कार अनियंत्रित हो गई और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई। सूचना पर यूपीडा की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को बहजोई सीएचसी ले गई।सीएचसी में चिकित्सक ने जफरुल हसन और उनके बेटे अर्श मोहम्मद को मृत घोषित कर दिया। नाजिश, आहिल और कार चालक समीर का प्राथमिक उपचार किया गया। हालत गंभीर होने पर तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बताया गया कि जफरुल हसन के दो अन्य बेटे भी हैं, जिन्हें परिवार घर पर छोड़कर गया था। एक ही हादसे में पिता और बेटे की मौत से परिवार में मातम छा गया। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार मलिक ने बताया कि दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिल्डर को पिस्टल दिखाकर धमकी और 15 करोड़ मांगने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर जेपी ग्रीन्स स्पोर्ट्स सिटी में प्रोजेक्ट विकसित कर रही पिरामिड टाउनशिप्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अनिल कुमार वासवानी को पिस्टल दिखाकर धमकाने और 15 करोड़ मांगने के आरोप में बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मंगलवार को दिल्ली निवासी संजीव कुमार जैन और उनकी पत्नी समता जैन और गुरुग्राम निवासी कृष्ण चावला केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

अनिल कुमार वासवानी के अनुसार उनकी फर्म के सभी शेयर 2 जनवरी 2024 को उनके नाम हो चुके हैं। संजीव जैन ने उन्हें बताया था कि चावला जो पहले फर्म में 51 प्रतिशत का साझेदार और प्रबंध निदेशक रहा है ने फर्म की कुछ फ्लैट्स देने की बात कही। वासवानी का कहना है कि रिकॉर्ड जांचने पर जैन दंपती के नाम केवल दो यूनिट मिलीं। दोनों को मिलाकर करीब 74.77 लाख रुपये 2024 तक जमा होने थे, जो नहीं हुए। इसी कारण आवंटन-पत्र की शर्तों के अनुसार दोनों यूनिट का आवंटन निरस्त कर दिया गया। आवंटन निरस्त होने के बाद जैन दंपती उनके नॉलेज पार्क-2 स्थित कॉलेज कार्यालय आए और 28 यूनिट न देने पर अंजाम अच्छा नहीं होगा कहकर अभद्र भाषा का प्रयोग किया।

आरोप है कि संजीव कुमार जैन ने जो कहा था, वैसा नहीं किया। उन्होंने एक सप्ताह में 28 यूनिट या 15 करोड़ रुपये नकद न देने पर वासवानी और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी और भाग गए।

पीड़ित ने उसी दिन पुलिस को शिकायत दी, लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। वहीं प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने नोएडा पहुंचे राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी

नोएडा। गुरुवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर एवं नोएडा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता सतेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में डीएनडी फ्लाईओवर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी जी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। प्रमोद तिवारी जी नोएडा में पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री कलराज मिश्रा जी की धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने के लिए पहुंचे थे,डीएनडी फ्लाईओवर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और उनके साथ श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे

श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने के पश्चात प्रमोद तिवारी जी नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश यादव के आवास पर पहुंचे,जहां उन्होंने कांग्रेस के स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठनात्मक विषयों पर संवाद किया और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया,इस अवसर पर नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश यादव,उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर सतेन्द्र शर्मा,अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव लियाकत चौधरी, महानगर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी,सतीश पांछाल,अरुण प्रधान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभी कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने माननीय प्रमोद तिवारी जी का नोएडा आगमन पर स्वागत करते हुए उनके साथ संगठन को मजबूत करने और कांग्रेस के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने को लेकर संवाद किया।

संक्षिप्त समाचार

आबादी भूखंड को लेकर 44 गांवों में पदयात्रा दो से

नोएडा। आबादी के चार फीसदी भूखंड न मिलने से नाराज किसान दो अक्तूबर से पदयात्रा निकालेंगे। बिरौंडी गांव में गुरुवार को 44 गांवों के किसानों की बैठक में अनिश्चितकालीन किसान सत्याग्रह शुरू करने का निर्णय लिया गया। किसानों का कहना है कि चार फीसदी भूखंड का मुद्दा लंबे समय से लंबित है। प्राधिकरण बार-बार आश्वासन दे रहा है, लेकिन कोई समाधान नहीं हो रहा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण दफ्तर पर 22 अक्तूबर से किसान सत्याग्रह के रूप में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी में सुप्रीम कोर्ट के जजों ने की शिरकत

नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 से 24 सितंबर तक मनाए जा रहे उत्सव के अंतर्गत गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय न्याय परिषद द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह में परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आदिश सी. अग्रवाल ने भारतीय लोकतंत्र के सामाजिक नेता राजेश कुमार को सम्मानित किया।

इस गरिमामयी सम्मान समारोह में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों और कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाले नेतृत्वकर्ताओं को सम्मानित करना और प्रधानमंत्री के जन्मदिवस उत्सव को सार्थक रूप से मनाना था।

संविदाकर्मियों ने छह मांगों का ज्ञापन सौंपा

नोएडा। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ ने जिला प्रशासन को प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम छह सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से नियमितीकरण, समान कार्य-समान वेतन समेत कर्मचारियों से संबंधित छह मांगों को पूरा करने की मांग शासन से की गई। इस मौके पर संगठन के जिलाध्यक्ष, डॉ. मतलूब, मंडल अध्यक्ष डॉ. अरविंद चौधरी, आशुदीप राखोलिया, रविंद्र राठी, डॉ. कुसुम सिंह और कमल आदि मौजूद रहे। लेजर एंजियोप्लास्टी प्रक्रिया शुरूनोएडा। सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल ने नया कार्डियक सिस्टम एक्साइमर लेजर कोरोनरी एंजियोप्लास्टी की सुविधा शुरू की है। अस्पताल प्रबंधन ने दावा किया कि नोएडा के किसी भी अस्पताल में यह सुविधा नहीं है।

गुरुवार को अस्पताल के हृदय रोग विभाग के प्रमुख डॉ. संजीव गेरा ने बताया कि अत्यधिक कैल्सीकृत और जटिल कोरोनरी ब्लॉकेज को दूर कर हृदय रोगियों का इलाज चुनौती रहा है, लेकिन इस सिस्टम से सुरक्षित तरीके से धमनियों के अवरोध को खत्म किया जा सकता है। जिन्हें हटाने में पारंपरिक बैलून भी नाकाम रहते हैं।

घर से 42 तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी और 2.70 लाख नकद ले गए चोर

नोएडा। गांव लुक्सर में एक बंद मकान से लाखों रुपये के गहने, नकदी और सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। गांव लुक्सर निवासी सुखवीर के अनुसार वह कुछ समय से परिवार सहित गांव से बाहर रह रहे थे और मकान बंद था। 12 अगस्त 2026 को लौटने पर उन्होंने देखा कि मुख्य द्वार सहित घर के सभी ताले टूटे हुए थे। अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। आरोप है कि अज्ञात लोगों ने तीन अलमारियों, दो संदूकों, सोफे और एलसीडी में तोड़फोड़ की गई। चोर घर से करीब 42 तोला सोने के आभूषण, करीब 1.5 किलोग्राम चांदी के आभूषण और अन्य सामान के अलावा 2.70 लाख नकद व अन्य सामान ले गए हैं। वहीं कोतवाली प्रभारी अरविंद वर्मा का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

नोएडा वासियों को बड़ी सौगात: शहर में लगेंगे 30 नए ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन, प्राधिकरण और PREMC के बीच MoU साइन

नोएडा। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2022 (UP EV Policy 2022) के तहत नोएडा शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs) को बढ़ावा देने और बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है। हरित परिवहन (Green Mobility) को गति देने के उद्देश्य से गुरुवार को नोएडा प्राधिकरण और यूपी रिन्यूएबल एंड ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (क्क्ष्क्षस्ष्ट) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते के तहत नोएडा शहर के अलग-अलग 30 प्रमुख स्थानों पर अत्याधुनिक ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। यह समझौता 10 वर्षों के लिए किया गया है, जिसे भविष्य में आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकता है। चार्जिंग स्टेशन लगाने का पूरा खर्च PREMC द्वारा वहन किया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण इसके लिए केवल जमीन (स्थान) उपलब्ध कराएगा और कोई वित्तीय सहायता नहीं देगा। प्रत्येक स्टेशन पर न्यूनतम 2 चार्जर लगाए जाएंगे। इसके जरिए एक ही समय में 2 कार और 1 दुपहिया वाहन (टू-व्हीलर) को आसानी से चार्ज किया जा सकेगा। इन स्टेशनों पर चार्जिंग के लिए इस्तेमाल होने वाली बिजली के बदले नोएडा प्राधिकरण को 'राजस्व साझाकरण' (Revenue Sharing) के आधार पर 1.00 प्रति kWh की दर से राजस्व (कमाई) प्राप्त होगा। इस पहल से नोएडा में इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को चार्जिंग की बेहतर सुविधा मिलेगी, जिससे शहर में पर्यावरण-अनुकूल और हरित परिवहन को सीधे तौर पर बढ़ावा मिलेगा।

छह घंटे तक चला राहत और बचाव कार्य

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस में आग लगने की सूचना के बाद पुलिस, फायर, प्रशासन और टोल के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंच गए। फायर विभाग की टीम ने आग बुझानी शुरू की। हादसे के बाद सिवारा गांव के कुछ युवक भी मौके पर पहुंच गए। छह घंटे तक राहत एवं बचाव कार्य चला। रात करीब 12 बजे बस में लगी आग बुझाने के बाद रेस्क्यू टीम अंदर पहुंची अंदर जाकर देखा तो कुछ लोग अंदर जली अवस्था में पड़े हुए थे।

संक्षिप्त समाचार

15 दिन पुरानी पिटाई का बदला लेने के लिए 17 साल के किशोर पर चाकू से हमला

नईदिल्ली, एजेंसी। मयूर विहार इलाके के त्रिलोकपुरी में पिटाई का बदला लेने के लिए 17 वर्षीय किशोर पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर तीन नाबालिगों को पकड़ लिया है। उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किए गए दो चाकू बरामद किए गए हैं। एक अन्य नाबालिग की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे 30 ब्लॉक में चाकू से हमला किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर मयूर विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची।घायल को एलबीएस में कराया भर्ती घायल किशोर को एलबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर उसे एम्स ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि किशोर का एक नाबालिग से करीब 15 दिन पहले विवाद हुआ था। आरोप है कि उस दौरान किशोर और उसके साथियों ने नाबालिग की पिटाई की थी। इसी रंजिश में नाबालिग ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर किशोर को रास्ते में रोक लिया और उस पर हमला कर दिया। इस दौरान चाकू से वार किए गए।

पश्चिमी दिल्ली के कीर्ति नगर में पार्किंग में लगी भीषण आग, 15 कारें जलकर राख

नईदिल्ली, एजेंसी। कीर्ति नगर के डीएलएफ इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मटके वाली गली में बुधवार शाम एक इमारत के भूतल की (स्टिल्ट) पार्किंग में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर पार्किंग में खड़ी करीब 15 कारें जलकर पूरी तरह खाक हो गईं। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि आग इमारत के ऊपरी हिस्से और आसपास की रिहायशी जगहों तक नहीं पहुंची, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, बुधवार शाम 4:17 बजे के-42, डीएलएफ इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक मकान में आग लगने की सूचना कंट्रोल रूम को मिली। इसके बाद दमकल की पांच गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। जांच में पता चला कि करीब 350 वर्ग गज में बनी इमारत के ग्राउंड फ्लोर की स्टिल्ट पार्किंग में आग लगी थी। पार्किंग में खड़ी कारों में आग तेजी से फैल गई, जिससे कई वाहन पूरी तरह जल गए। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद शाम 5:05 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग बुझाने के बाद दमकलकर्मियों ने मौके पर काफी देर तक कूलिंग अभियान चलाया, ताकि वाहनों और अन्य सामान में सुलग रही चिंगारी दोबारा आग का रूप न ले सके। स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आग लगने के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

दिल्ली में तेजी से होगा एसआईआर नोटिसों का निपटारा, जुड़ेंगे 600 और अधिकारी; 900 हो जाएगी की संख्या

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान के तहत जारी हुए लगभग 33 लाख नोटिसों के निपटारे के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने बड़ी प्रशासनिक तैयारी की है।

इन मामलों की समीक्षा और सत्यापन प्रक्रिया को गति देने के लिए असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स की सुपरवाइजरी वर्कफोर्स को लगभग तीन गुना तक बढ़ाया जा रहा है।

कुल संख्या 297 से बढ़कर 900 हुई इस भारी-भरकम काम को समय पर पूरा के लिए दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों, तहसीलदारों और सरकारी स्कूलों के प्राचार्यों (प्रिंसिपल्स) सहित लगभग 600 अधिकारियों को एक्स्ट्रा जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में की कुल संख्या 297 से बढ़कर 900 हो जाएगी। असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स इलेक्टोरल रोल के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन से जुड़े मामलों को प्रोसेस करने और वेरिफाई करने में अहम

भूमिका निभाते हैं, जबकि बूथ-लेवल ऑफिसर फील्ड वेरिफिकेशन करते हैं।

असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स दावों और आपत्तियों की जांच करते हैं। साथ ही जानकारी और सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स चेक करते हैं। इसके बाद वेरिफिकेशन कर सकते हैं या ऑर्डर दे सकते हैं। वे नोटिस भी जारी करते हैं और उन्हें हैंडल करते हैं। साथ ही मामलों की सुनवाई करते हैं और फैसलों की प्रक्रिया भी करते हैं।

इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर आमतौर पर सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट लेवल के ऑफिसर होते हैं, जो किसी असेंबली सीट में इलेक्टोरल-रोल ऑपरेशन को लीड करते हैं, जबकि श्वत्रह्र डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन और सेक्शन, असिस्टेंट सेक्शन और अलग-अलग डिपार्टमेंट के दूसरे ऑफिसर होते हैं।

वहीं, एक अधिकारी ने बताया कि डिलीट किए गए वोटर्स और दूसरों से मिले क्लेम और ऑब्जेक्शन से जुड़े काम के साथ-साथ ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल में शामिल वोटर्स को जारी किए गए एसआईआर नोटिस की वजह से असेंबली सीट लेवल पर इलेक्शन ऑफिसर्स पर अचानक लोड बढ़ गया है, खासकर उन जगहों पर जहां वोटर्स की संख्या ज्यादा है। बताया गया कि श्वत्रह्र को जोड़ने का नोटिफिकेशन जल्द ही ष्टश्वह्र के ऑफिस से जारी होने की उम्मीद है। ऑफिसर ने कहा कि वे अपने-अपने ऑफिस से काम करेंगे, जिसकी डिटेल्स वोटर्स को भेजे जाने वाले नोटिस में दी जाएंगी। सीआईओ की वेबसाइट के अनुसार, लगभग 33 लाख वोटर्स को नोटिस मिल रहे हैं। ऑफिसर ने कहा, 'नोटिस संबंधित द्वारा फिजिकली डिलीवर किए जा रहे हैं। नोटिस जारी कर रहे हैं और जल्द ही सभी को मिल जाएंगे।'

चेन पर चांदी व काले रंग की परत चढ़ाकर ला रहे 8 तस्कर दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। आईजीआई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने सोना तस्करी के एक ऐसे तरीके का पर्दाफाश किया है, जिसमें तस्करों ने सोने की चेनों पर चांदी व काले रंग की परत चढ़ा रखी थी। मकसद था कि महंगे सोने के आभूषण सामान्य धातु के गहने नजर आएं और कस्टम जांच में आसानी से बच निकलें। मामले में एक महिला समेत आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।कस्टम्स अधिकारियों के अनुसार, 21 सितंबर को दुबई से दिल्ली पहुंची एमिरेट्स की उड़ान ईके-514 की जांच के दौरान संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिली थी। तलाशी के दौरान विमान की दो सीटों के नीचे तीन छोटे बैग मिले। उनमें चांदी और काले रंग की परत चढ़ी सोने की चेन बरामद हुई। बरामद सोने का कुल वजन करीब 6.5 किग्रा है। इसकी अनुमानित कीमत करीब नौ करोड़ रुपये बताई गई है।

विहिप का मौलाना मदनी पर पलटवार, भारत की न्याय व्यवस्था पर सवाल उठाना देश को ब्लैकमेल करने जैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी द्वारा देश की न्यायप्रणाली, प्रशासन और संवैधानिक व्यवस्था पर उठाए गए सवालों पर विहिप ने तीखा पलटवार किया है।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने मदनी के बयान को भारत की संप्रभुता पर विदेशी शक्तियों के साथ मिलकर किया जाने वाला सीधा प्रहार करार दिया है।

विनोद बंसल ने कहा कि देश की राजधानी में बैठकर भारतीय न्यायपालिका, कार्यपालिका और संविधान पर अविश्वास जताना और अंतरराष्ट्रीय मंचों व संयुक्त राष्ट्र में शिकायत करने की बात कहना सीधे

तौर पर देश को ब्लैकमेल करने की कोशिश है।

उन्होंने सवाल उठाया कि जिस कट्टरपंथी धड़े का भारत के लोकतंत्र, सरकार और देश की शीर्ष अदालत पर से भरोसा उठ चुका है, वह इस देश की व्यवस्था में रहकर ऐसी अलगाववादी भाषा क्यों बोल रहा है?

विहिप प्रवक्ता ने कहा कि 1947 में भारत का एक बड़ा भू-भाग इसी तरह की कट्टरपंथी मानसिकता और जिद के कारण विभाजित हुआ था। आज भी ऐसे तत्व भारत माता की जय और वंदे मातरम् जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों का विरोध करते हैं और दूसरी ओर न्यायालयों में जाकर असामाजिक व कट्टरपंथी तत्वों का बचाव करते हैं।

प्रशासनिक कार्रवाई का बचाव करते हुए विहिप ने स्पष्ट किया कि देश में किसी भी वैध धार्मिक स्थल को निशाना नहीं बनाया गया है। कानून के दायरे में रहकर केवल उन अवैध निर्माणों पर कार्रवाई हुई है, जो कानून को ठेंगा दिखाकर बनाए गए थे। ऐसे अवैध निर्माणों को धर्म स्थल का नाम देकर बचाना कानून व्यवस्था का अपमान है। बंसल ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि भारत अब बदल चुका है और किसी भी भड़काऊ सोच या गीदड़भभकी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि किसी को भारत का संविधान, कानून और न्याय व्यवस्था पसंद नहीं है, तो वह अपनी मानसिकता के अनुकूल स्थान चुनने के लिए स्वतंत्र है।

आईजीआई एयरपोर्ट ने लगाई ऊंची छलांग, वैश्विक रैंकिंग में मिला 28वां स्थान; बना दुनिया का नया 'कनेक्टिंग हब'

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के अलग-अलग शहरों को विदेशों से जोड़ने वाले प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में दिल्ली का आइजीआइ एयरपोर्ट लगातार अपनी कनेक्टिविटी बढ़ा रहा है। यहां, अब 70 अंतरराष्ट्रीय और 90 घरेलू समेत 160 गंतव्यों के लिए हवाई संपर्क उपलब्ध है। वहीं, रोजाना करीब 50 हजार यात्री यहां उड़ान बदलते हैं। यानी हर महीने करीब 15 लाख यात्री दिल्ली को ट्रांजिट हब के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। एयरपोर्ट की बढ़ती कनेक्टिविटी का असर वैश्विक रैंकिंग में भी दिखाई दिया है। ओएजी (ऑफिशियल एयरलाइन गाइड) मेगाहब्स इंडेक्स-2026 में दिल्ली एयरपोर्ट 11 पायदान ऊपर चढ़कर 28वें स्थान पर पहुंच गया है। दिल्ली इस सूची के वैश्विक शीर्ष 30 में शामिल होने वाला एकमात्र भारतीय एयरपोर्ट है। वहीं, कम लागत वाली एयरलाइंस (एलसीसी) के कनेक्शन के लिहाज से दिल्ली को 11,045 संभावित कनेक्शनों के साथ दुनिया का प्रमुख एलसीसी मेगाहब बताया गया है। दिल्ली का हब मॉडल मुख्य रूप से देश के बड़े घरेलू विमानन नेटवर्क पर आधारित है। जयपुर, लखनऊ, पटना, रांची, इंदौर, भुवनेश्वर और गुवाहाटी जैसे शहरों से आने वाले यात्री दिल्ली के रास्ते यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया, आस्ट्रेलिया, मध्य एशिया और मध्य-पूर्व के गंतव्यों तक पहुंच सकते हैं।

महिलाओं की सुरक्षा पर बजट का संकट, पार्कों में गार्ड तैनात करने के लिए एमसीडी के पास पैसों की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला सुरक्षा के मद्देनजर पार्कों में सुरक्षा आडिट करने के निर्देश के बाद एमसीडी में यह आंकलन शुरू हो गया है कि गार्ड लगाने की जरुरत पड़ी तो इसके लिए कितने फंड की आवश्यकता होगी। क्योंकि अभी स्वयं निगम पार्कों की मरम्मत, रखरखाव और कर्मियों की कमी से ही जूझ रहा है। कई बार निगम की बैठकों में यह मुद्दा भी उठा है कि एमसीडी के पार्क अपने पार्कों की चार दिवारी तक के लिए फंड की कमी है। इतना ही नहीं पार्कों हरे-भरे दिखे इसके लिए माली भी

पर्याप्त नहीं है। तीन हजार कर्मचारी माली के तौर पर आउटसोर्स किए हुए हैं। वह भी बमुश्किल हो पाए हैं। एमसीडी अधिकारियों की माने तो 16 घंटे एमसीडी के बड़े पार्क खोले जाते हैं। ऐसे में 15000 पार्कों के लिए भी अगर दो शिफ्ट के लिए दो माली प्रति पार्क चाहिए तो इसके लिए 30 हजार मालियों की जरूरत होगी। इसके लिए करीब 700 करोड़ रुपये सालाना का अतिरिक्त फंड चाहिए होगा। जो कि एमसीडी के लिए आवंटित करना चुनौती पूर्ण है। एमसीडी अधिकारियों की माने तो वह उन्हीं पार्कों में चौकीदार रखते हैं जहां पर उनके स्टोर हैं। ऐसे में करीब 200 पार्क ऐसे होंगे जहां पर यह जरुरत होती है। शेष पार्कों में चौकीदार की तैनाती नहीं हो पाती है। इतना ही नहीं एमसीडी के स्कूल और अस्पताल भी चौकीदारों की कमी से जूझ रहे हैं। एमसीडी के 1100 इमारतों में 1500 के करीब स्कूल संचालित हो रहे हैं। इन स्कूलों में भी चौकीदारों की भारी कमी है। स्कूल संचालित होते समय गार्ड नहीं होते हैं। जिसकी वजह से स्कूल के शिक्षक और अन्य कर्मचारी ही गेट खोलते हैं।

दिल्ली में ट्रैफिक चालान के नए नियमों पर लगी रोक, नई व्यवस्था को लेकर हुए विरोध के बाद सरकार का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने ट्रैफिक चालान के निपटारे के लिए लागू किए जाने वाले नए नियम को फिलहाल रोक दिया है। वकीलों की समन्वय समिति ने इस नियम को लेकर सरकार को मांग पत्र दिया था।

इसमें चालान को चुनौती देने की प्रक्रिया और अदालत जाने से पहले 50 प्रतिशत राशि जमा करने जैसी व्यवस्थाओं पर आपत्ति जताई गई थी। सरकार ने प्रतिवेदन को जांच के लिए परिवहन विभाग भेज दिया है।

दिल्ली सरकार ने 14 सितंबर 2026 को अधिसूचना जारी कर 9 विभागों को चालान निपटारे का अधिकार दिया था। नए नियम के तहत चालान को लेकर आपत्ति होने पर पहले नामित अधिकारियों के स्तर पर उसका निपटारा होना था।

वकीलों की आपत्ति इसी व्यवस्था को लेकर थी। उनका कहना था कि चालान सही है या गलत, इस पर शुरुआती फैसला प्रशासनिक अधिकारियों के स्तर पर होने से न्यायिक प्रक्रिया की भूमिका प्रभावित हो सकती है। नए नियम में एक और महत्वपूर्ण प्रावधान था। अगर नामित अधिकारी के स्तर पर चालान के खिलाफ की गई शिकायत खारिज हो जाती है और व्यक्ति इसके बाद अदालत जाना चाहता है तो उसे चालान की 50 प्रतिशत राशि पहले जमा करनी होती। मसलन, अगर किसी व्यक्ति का 10 हजार रुपये का चालान है और अधिकारी उसकी आपत्ति खारिज कर देता है तो अदालत जाने से पहले उसे पांच हजार रुपये जमा करने पड़ते। वकीलों ने इस व्यवस्था पर भी आपत्ति जताई। उनका कहना है कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए गलत चालान को अदालत में चुनौती देना मुश्किल हो सकता है। नए नियम में चालान जारी होने के 45 दिन के भीतर निर्धारित प्रक्रिया के तहत आपत्ति दर्ज करने की व्यवस्था भी थी। समय पर आपत्ति नहीं

करने पर चालान को स्वीकार किया हुआ माना जा सकता था। वकीलों ने इस तरह की प्रक्रिया को लेकर भी चिंता जताई थी। उनका कहना था कि ऑनलाइन प्रक्रिया और तय समय सीमा के कारण ऐसे लोगों को परेशानी हो सकती है, जो समय पर आपत्ति दर्ज नहीं कर पाते। वकीलों की ओर से मिले मांग पत्र को सरकार ने गंभीरता से लिया है। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने कहा कि मांग पत्र में उठाए गए सभी बिंदुओं की परिवहन विभाग जांच करेगा। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

इश्क, चोर और वारदात... गर्लफ्रेंड के महंगे शौक पूरे करने को बना शातिर चोर, 23 मुकदमों वाला आरोपी गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रेमिका की फरमाइशें पूरी करने और उसकी नजरों में संपन्न दिखने के लिए चोरी करने वाला आरोपित पुलिस के हत्थे चढ़ गया। द्वारका जिला पुलिस की एंटी बर्गलरी सेल ने डाबड़ी के सीतापुरी पार्ट-2 निवासी सोनू उर्फ बिहारी (23) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित चोरी, सेंधमारी और लूट के 23 मामलों में शामिल रहा है। उसके कब्जे से तीन चोरी के मोबाइल, चांदी की एक जोड़ी पायल, सोने का पेंडेंट और 17,500 रुपये बरामद हुए हैं।

16 सितंबर को हेड कांस्टेबल कृष्ण कुमार को सूचना मिली थी कि सोनू उर्फ बिहारी चोरी का सामान बेचने के लिए डाबड़ी के विजय एन्क्लेव स्थित सूर्य उपासना पार्क आएगा। निरीक्षक बसंत कुमार के नेतृत्व में टीम ने पार्क के आसपास घेराबंदी की। मुखबिर ने पैदल आ रहे युवक की पहचान सोनू के रूप में की। पुलिस को देखते ही वह पार्क की ओर लौटने लगा, लेकिन हेड कांस्टेबल अनिल ने उसे पकड़ लिया। तलाशी में उसकी जेब से रेडमी, लावा और ओप्पो के तीन मोबाइल मिले। जांच में तीनों मोबाइल उत्तम नगर, छावला और बाबा हरिदास नगर थाने के मामलों में चोरी के पाए गए। उसके पास से चांदी की पायल और सोने का पेंडेंट भी मिला, जो डाबड़ी में हुई चोरी से जुड़े थे। 17,500 रुपये भी उसी चोरी की रकम बताए गए हैं। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह प्रेमिका को हरिद्वार, ऋषिकेश और खाटू श्याम घुमाने के लिए चोरी से मिले रुपये खर्च करता था। पुलिस के अनुसार, सात थानों में दर्ज 23 मामलों में उसकी संलिप्तता मिली है।

दिल्ली में यमुना किनारे की सब्जियों में भारी धातुएं, कैंसर का बढ़ा खतरा; डीयू के अध्ययन में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना के प्रदूषित पानी से उगाई जा रही सब्जियां अब सिर्फ नदी के प्रदूषण की कहानी नहीं रह गई हैं, बल्कि लोगों की थाली तक पहुंचकर स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। एनर्जी नेक्सस में प्रकाशित एक अध्ययन में यमुना किनारे के कृषि क्षेत्रों की मिट्टी और वहां उगाई जाने वाली सब्जियों में भारी धातुओं का चिंताजनक स्तर पाया गया है। शोध में सब्जियों के सेवन से गैर-कैंसरकारी स्वास्थ्य जोखिम के साथ कैंसरकारी जोखिम की भी आशंका जताई गई है।

डीयू के अध्ययन के मुताबिक, बिना उपचार किए गए अपशिष्ट जल से सिंचाई के कारण मोलिब्डेनम, एल्युमिनियम, जिंक, निकेल, क्रोमियम, कैडमियम और सीसा जैसी भारी धातुएं कृषि मिट्टी में पहुंच रही हैं। पौधों की जड़ों द्वारा इन धातुओं के अवशोषण के कारण कई सब्जियों में इनका जैव-संचयन भी पाया गया।

शोधकर्ताओं ने विभिन्न सामान्य सब्जियों की जांच की। इसमें प्याज में निकेल का स्तर निर्धारित सीमा से 65 गुना और पालक में 97 गुना अधिक पाया गया। वहीं सफेद मूली में क्रोमियम 11 गुना, पालक में 12 गुना और सरसों में 22 गुना अधिक दर्ज किया गया।

लाल मूली में मोलिब्डेनम 340.06 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम और क्रोमियम 36.58 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम तक पाया गया। मेथी में जिंक का स्तर 177.72 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम रहा। धनिया में निकेल 19.91 और कैडमियम 1.59 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम पाया गया। सरसों में सीसे का स्तर 5.86 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम तक दर्ज किया गया। अध्ययन में सब्जियों के सेवन से जुड़े स्वास्थ्य जोखिम का आकलन किया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार, हजार्ड इंडेक्स सुरक्षित सीमा से काफी अधिक रहा। वहीं कैंसर होने का कुल जोखिम भी कई सब्जियों में चिंता का विषय पाया गया।

विनय सहस्रबुद्धे को मिली दिल्ली भाजपा की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा को लगभग दो वर्षों के अंतराल के बाद नया प्रभारी मिल गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता विनय सहस्रबुद्धे को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उनके साथ लद्दाख के पूर्व सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल और पूर्व केंद्रीय मंत्री दर्शना बेन जरदोश को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस नियुक्तियों से दिल्ली में संगठनात्मक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

दूसरी ओर, राष्ट्रीय स्तर पर भी दिल्ली के भाजपा नेताओं की अहमियत बढ़ी है। यहां के सात नेताओं को गुजरात और पंजाब सहित अन्य राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में प्रभारी और सह-प्रभारी का दायित्व दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि बैजयंत जय पांडा दिल्ली के प्रभारी थे, लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद से वे यहां की संगठनात्मक गतिविधियों से दूर हो गए थे।

विधानसभा चुनाव के दौरान उन्हें फिर से चुनाव प्रभारी बनाया गया था, किंतु इसके बाद

से दिल्ली में स्थायी प्रभारी का पद रिक्त था और सह-प्रभारी डॉ. अलका गुर्जर ही कार्य देख रही थीं। अब पार्टी ने विनय सहस्रबुद्धे को दिल्ली की कमान सौंपी है। वे वर्ष 2017 में दिल्ली नगर निगम चुनाव के प्रभारी रह चुके हैं, जिसके कारण उन्हें यहां के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ काम करने का अनुभव है। उनके इस अनुभव का लाभ दिल्ली संगठन को मिलेगा। इन नई नियुक्तियों से न केवल संगठनात्मक कार्यों को गति मिलेगी, बल्कि आगामी नगर निगम चुनाव की तैयारियों में भी सहायता मिलेगी।

7 नेताओं को अन्य राज्यों की जिम्मेदारीत्न राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली के नेताओं को विभिन्न राज्यों में दायित्व मिलने से कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को पंजाब का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके साथ दिल्ली की निवर्तमान सह-प्रभारी डॉ. अलका गुर्जर को भी पंजाब में सह-प्रभारी की जम्मेदारी मिली है।

संक्षिप्त समाचार

परवीन पदक पक्का करने से एक जीत दूर, क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

नागोया। भारतीय मुक्केबाजों के लिए एशियन गेम्स का पांचवां दिन मिलाजुला रहा। परवीन ने महिला 65 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर पदक पक्का करने के मजबूत कदम बढ़ाए, वहीं साक्षी और सुमित को अपने-अपने बाउट में हार का सामना करना पड़ा। परवीन को तजाकिस्तान की मलिका नोजिमोवा से वॉकओवर मिला जिससे वह अगले दौर में पहुंच गईं। परवीन पदक पक्का करने से एक

कदम दूर हैं। मुक्केबाजी में सेमीफाइनल में पहुंचने पर पदक पक्का हो जाता है।

भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी महिलाओं के 51 किलो वर्ग में कजाखस्तान की अलुआ बाल्कीबेकोवा से प्री क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गईं। हरियाणा की 26 वर्ष की साक्षी ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन यहां वह लय कायम नहीं रख सकीं। पहले दौर के बाद कजाखस्तान की मुक्केबाज 3-2 से आगे थी। दूसरे दौर में साक्षी ने आक्रामकता दिखाई लेकिन बाल्कीबेकोवा ने 3-2 से फिर बढ़त बनाई। आखिरी दौर में साक्षी वापसी करने में नाकाम रही। इससे पहले सुमित पुरुषों के 70 किलो प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इराक के अल सारे अली के खिलाफ चोट के कारण बाहर हो गए। हरियाणा के 23 वर्ष के सुमित पहले दो दौर में आगे थे, लेकिन तीसरे दौर में एक मुक्के से बचने के प्रयास में उन्हें घुटने में चोट लगी और वह गिर गए। इसके बाद वह आगे खेल नहीं सके और रैफरी ने मुकाबला रोककर विरोधी को विजेता घोषित कर दिया। सुमित ने पहले मुकाबले में थाईलैंड के बुंजोंग सिनसिरी को 5-0 से हराया था।

कराटे में 10 ने जीते पदक, 100 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

हाथरस। हाथरस के मेला श्रीदाऊजी महाराज के उपलक्ष्य में वर्ल्ड बुडो शोटोर्यू कराटे महासंघ के बैनर तले सातवीं श्री दाऊजी ओपन कराटे कप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते।उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता कुंवर रत्नेश रत्न ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन लाते हैं। जो खिलाड़ी जीते हैं, उन्हें बधाई और जो हारे हैं, वे निराश न होकर और अधिक मेहनत करें। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अनुराग अग्निहोत्री एडवोकेट और उप जिला क्रीड़ा अधिकारी काशी नरेश यादव उपस्थित रहे। संचालन पूर्व डीजीसी क्रिमिनल एडवोकेट वतन सिंह ने किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री डॉ. रामबाबू हरित रहे। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामवीर सिंह भैयाजी, जिला पंचायत सदस्य प्रभा सिंह, अश्वनी सिंह, एडवोकेट रतन सिंह और महासंघ के अध्यक्ष व मुख्य प्रशिक्षक शिहान एमएस सामुराई ने संयुक्त रूप से विजयी प्रतिभागियों को पदक पहनाकर पुरस्कृत किया। अतिथियों को भी स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में हाथरस के विनायक इंटरनेशनल स्कूल, बीएलएस इंटरनेशनल स्कूल, कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, सेठ हरचरनदास कन्या इंटर कॉलेज, अलीगढ़ के आरसीएमडी इंटरनेशनल स्कूल के अलावा आगरा, मथुरा, टूंडला और अलीगढ़ के विभिन्न विद्यालयों के 100 बालक-बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान रेफरी पैनल के चीफ नितिन सोलंकी, विजेंद्र माहौर, रूबी कुमारी, जज हिमेश डेविड, विशाल ढकराल, सुबह सिंह और दीपक राज व सलमान आदि मौजूद रहे।

64 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा: भारतीय हॉकी टीम की बड़ी जीत

आइची नागोया। पुरुष हॉकी में पूल-ए के मैच में भारतीय हॉकी टीम ने दक्षिण कोरिया को 8-2 से हरा दिया। भारत ने कोरिया पर हाफटाइम तक 5-0 की बढ़त बना ली थी। भारत के लिए शिलानंद लाकरा ने चौथे मिनट, सुखजीत सिंह ने नौवें मिनट में गोल दागे। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दाग भारत को 3-0 से आगे कर दिया। इसके एक मिनट बाद अभिषेक ने गोल दागा। फिर दिलप्रीत सिंह ने 26वें मिनट में गोल दाग भारत को 5-0 से आगे कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने दो और गोल दागे, जबकि कोरिया की ओर से भी पहला गोल हुआ। भारत की ओर से दिलप्रीत ने 32वें मिनट में अपना दूसरा गोल और अभिषेक ने 38वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा। दक्षिण कोरिया की ओर से एकमात्र गोल किम जैहो ने 42वें मिनट में किया। तीसरे क्वार्टर तक भारत 7-1 से आगे थे।फिर चौथे क्वार्टर में दक्षिण कोरिया की ओर से किम योंगबोक ने 52वें मिनट में गोल दाग स्कोर 7-2 कर दिया। वहीं, रजिंदर सिंह ने 60वें मिनट में गोल दागा और स्कोर 8-2 कर दिया। आखिर तक यही स्कोरलाइन रहा और भारत ने जीत हासिल की। अब पूल स्टेज में ही भारत का सामना जापान से होगा। भारत की नजरें एशियन गेम्स में गोल्ड जीतकर 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के डायरेक्ट क्वालिफिकेशन हासिल करने पर हैं।

64 साल पुराना कौन सा रिकॉर्ड टूटा?

भारत और दक्षिण कोरिया के बीच छह गोल का अंतर रहा। यह पुरुष हॉकी में गोल के अंतर के मामले में भारत की दक्षिण कोरिया के खिलाफ एशियाड में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले भारत ने 1962 एशियन गेम्स में कोरिया को 5-0 से हराया था। यानी तब भारत की जीत का अंतर पांच गोलों का था।

अब 2026 एशियन गेम्स में 8-2 से भारत की दक्षिण कोरिया पर जीत में गोल का अंतर छह गोल का रहा और 1962 का 64 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। भारत को अभी भी पूल स्टेज में जापान और बांग्लादेश का सामना करना है। ये मैच क्रमशः 26 और 28 सितंबर को खेले जाएंगे।

वहीं, पहली बार भारत और दक्षिण कोरिया के बीच पुरुष हॉकी के किसी मैच में कुल मिलाकर नौ या इससे ज्यादा गोल पड़े। इससे पहले भारत ने दक्षिण कोरिया को इससे पहले दो मैचों में 5-3, 5-3 के अंतर से हराया था। यानी तब आठ गोल पड़े थे, जो सबसे ज्यादा था।

भारत का डबल धमाका: रोशिबिना को रजत, सतनाम-सलमान ने जीता कांस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारत के लिए बुधवार का दिन दो खास उपलब्धियों वाला रहा। वुशु खिलाड़ी नाओरेम रोशिबिना देवी ने महिलाओं की 60 किलोग्राम सांडा स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतकर लगातार तीन एशियन गेम्स में पदक जीतने का इतिहास रचा। वहीं, रोइंग में सतनाम सिंह और सलमान खान की जोड़ी ने पुरुषों के डबल स्कल्स में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। दोनों उपलब्धियों पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रियों समेत कई नेताओं ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

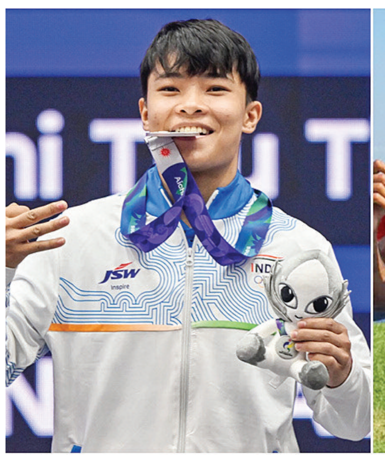

लगातार तीन एशियाड में रोशिबिना का पदक

रोशिबिना देवी ने 60 किलोग्राम सांडा में सिल्वर मेडल जीता। इसके साथ ही वह लगातार तीन एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली पहली भारतीय वुशु एथलीट बन गईं। उन्होंने 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज, 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में सिल्वर और अब 2026 एआईची-नागोया एशियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रोशिबिना को बधाई देते हुए लिखा, 'एशियन गेम्स 2026 में वुशू के महिलाओं के 60 किग्रा सांडा इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर रोशिबिना देवी नाओरेम को बहुत-बहुत बधाई। लगातार तीन एशियाई खेलों में तीन मेडल जीतना भारतीय वुशू के लिए एक शानदार उपलब्धि और ऐतिहासिक उपलब्धि है। आपकी प्रेरणादायक यात्रा में ऐसे ही और भी गर्व के पल आते रहें।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनकी उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने लिखा, 'महिलाओं के सांडा 60 किग्रा इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर नओरेम रोशिबिना देवी को बधाई। लगातार तीन एशियन गेम्स में मेडल जीतना यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उनका लगातार अच्छा प्रदर्शन, साहस और दृढ़ संकल्प वास्तव में सराहनीय है। भविष्य के सभी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।'

रक्षा मंत्री ने भी बताया ऐतिहासिक पल

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रोशिबिना की उपलब्धि को भारतीय वुशु के लिए ऐतिहासिक पल बताया। उन्होंने लिखा, 'भारतीय वुशू के लिए एक ऐतिहासिक पल, जब नाओरेम रोशिबिना देवी ने एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के 60 किग्रा सांडा इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। वह लगातार तीन एशियाई खेलों में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय वुशू एथलीट बन गई हैं, जो उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। इस शानदार उपलब्धि के लिए नाओरेम रोशिबिना देवी को बहुत-बहुत बधाई। उनका प्रदर्शन भारतीय एथलीटों की नई पीढ़ी को बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।' केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने लिखा, 'एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के सांडा 60 किलोग्राम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर नओरेम रोशिबिना देवी को बहुत-बहुत बधाई।'

किरण रिजिजू ने भी रोशिबिना को बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'रोशिबिना देवी का एशियन गेम्स में मेडल जीतने का सिलसिला जारी है। एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के सांडा 60 किलोग्राम वुशु इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर आपको बहुत-बहुत बधाई। ब्रॉन्ज (2018), सिल्वर (2022), सिल्वर (2026) - लगातार तीन गेम्स, तीन मेडल। हमें आप पर गर्व है।'

सतनाम-सलमान की जोड़ी ने जीता कांस्य

रोइंग के पुरुष डबल स्कल्स में सतनाम सिंह और सलमान खान ने भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। दोनों ने फाइनल में 6:13.25 का समय निकाला। इस उपलब्धि के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों खिलाड़ियों के संयम और तालमेल की सराहना की। पीएम मोदी ने लिखा, 'पुरुषों के डबल स्कल्स इवेंट में सतनाम सिंह और सलमान खान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। उनका संयम और आपसी तालमेल काबिले-तारीफ रहा। उम्मीद है कि यह कामयाबी उन्हें आने वाले समय में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।' किरण रिजिजू ने भी दोनों को बधाई देते हुए लिखा, 'एशियन गेम्स 2026 में पुरुषों के डबल स्कल्स इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर सतनाम सिंह और सलमान खान को बधाई। हमारे रोअर्स का शानदार प्रदर्शन।' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, 'भारत ने एशियन गेम्स 2026 में एक और मेडल अपने नाम किया। रोइंग में पुरुषों के डबल स्कल्स इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर सतनाम सिंह और सलमान खान को बहुत-बहुत बधाई। पानी पर की गई कड़ी मेहनत और पक्के इरादे की वजह से इस जोड़ी को पोडियम पर शानदार जगह मिली है। उम्मीद है कि यह कामयाबी उन्हें और भी बड़ी ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी। जय हिंद।

रोहित के साथ रिश्ते पर गंभीर बोले-

अंतिम फैसला टीम के हित में होना सबसे महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख कोच गौतम गंभीर ने रोहित शर्मा के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि रोहित के साथ उनका रिश्ता सिर्फ कप्तान और कोच का नहीं रहा है। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं और साथ खेलने के कारण एक-दूसरे की सोच को भी अच्छी तरह समझते हैं। गंभीर और रोहित एक बार फिर भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में साथ नजर आएंगे। भारत अपने घरेलू सत्र की शुरुआत रविवार को तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले से करेगा।गंभीर ने कहा कि रोहित के साथ उनका जुड़ाव उस समय से है, जब वह खुद टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, 'रोहित और मेरा रिश्ता सिर्फ कप्तान और कोच का नहीं था। जब रोहित टीम में आए थे, तब मैं एक वरिष्ठ खिलाड़ी था। इसलिए रोहित और मेरा रिश्ता उसी समय से है। रोहित मुझे तब से जानते हैं। इसलिए जब आप साथ खेल चुके होते हैं तो चीजें बहुत आसान हो जाती हैं। वह मेरी सोच जानते हैं और मैं उनकी सोच जानता हूं।'गंभीर ने कहा कि कप्तान और कोच की सोच अलग हो सकती है, लेकिन अंतिम फैसला टीम के हित में होना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'कल मेरी सोच कुछ और हो सकती है, कप्तान की सोच कुछ और हो सकती है, लेकिन आखिर में अगर जो फैसला लिया जाए वह टीम के हित में है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।जुलाई 2024 में भारतीय टीम के मुख्य कोच का पद संभालने के बाद गंभीर ने चार कप्तानों के साथ काम किया है।

अनाहत और तन्वी स्क्वाश के क्वार्टर फाइनल में होंगी आमने-सामने

नागोया अनाहत सिंह, तन्वी खन्ना, अभय सिंह और वीर चोटरानी ने एशियन गेम्स की स्क्वाश स्पर्धा के एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार की जोड़ी मिश्रित युगल के अंतिम आठ में पहुंची। जूनियर विश्व चैंपियन और पदक की दावेदार अनाहत ने महिला एकल में सिंगापुर की वाई इयिन औ येओंग को महज 19 मिनट में 3-0 (11-4, 11-5, 11-7) से हराकर अभियान की शुरुआत की।

सेमीफाइनल में पहुंचने पर तय नहीं होगा पदक

इसके बाद तन्वी ने भी सिंगापुर की वाई यान औ येओंग को 39 मिनट में 3-1 (5-11, 11-4, 11-5, 13-11) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इन नतीजों के साथ महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में अनाहत और तन्वी के बीच मुकाबला तय हो गया है। पिछले एशियन गेम्स के विपरीत इस बार स्क्वाश की एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों का पदक पक्का नहीं होगा। कांस्य पदक के लिए सेमीफाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों के बीच तीसरे-चौथे स्थान का मुकाबला खेला जाएगा।

अभय सिंह का दमदार प्रदर्शन

पुरुष एकल में अभय सिंह ने दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका के रविंदु लक्सिरी को 25 मिनट में 3-0 (11-5, 11-6, 11-0) से शिकस्त दी। क्वार्टर फाइनल में अभय का सामना मेजबान जापान के रयोउनोसुके से होगा। चोटरानी को मलयेशिया के संजय जीवा के खिलाफ कड़ी चुनौती का

सामना करना पड़ा। उन्होंने एक घंटे नौ मिनट चले रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9, 8-11, 11-6, 15-17, 11-6) से जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में उनकी भिड़ंत पाकिस्तान के इरफान मुहम्मद से होगी।

इससे पहले दिन में अनुभवी जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार ने हमवतन सूरज चंद और शमीना रियाज को सीधे गेम में हराकर मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी भारतीय जोड़ी ने ऑल-इंडियन मुकाबले में 11-7, 11-10 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी अब शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के डेविड पेलिनो और जेमीका अरिबाडो की जोड़ी से भिड़ेगी।

रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए कब तक खेलेंगे! भविष्य पर दिया बड़ा बयान

....तो मैं अपना सूटकेस उठाऊंगा और चला जाऊंगा

लिस्बन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर स्थिति साफ कर दी है। 41 वर्षीय स्टार फुटबॉलर ने कहा कि जब तक राष्ट्रीय टीम को उनकी जरूरत है, वह खेलते रहेंगे। हालांकि, जिस दिन उन्हें लगेगा कि वह टीम के लिए योगदान नहीं दे पा रहे हैं या टीम उन्हें नहीं चाहती, वह सबसे पहले खुद टीम छोड़ देंगे।

रोनाल्डो ने जुलाई में फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 में पुर्तगाल के स्पेन से बाहर होने के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य की पुष्टि नहीं की थी। हालांकि, नए मुख्य कोच जॉर्ज जीसस की पहली पुर्तगाल टीम में उन्हें शामिल किए

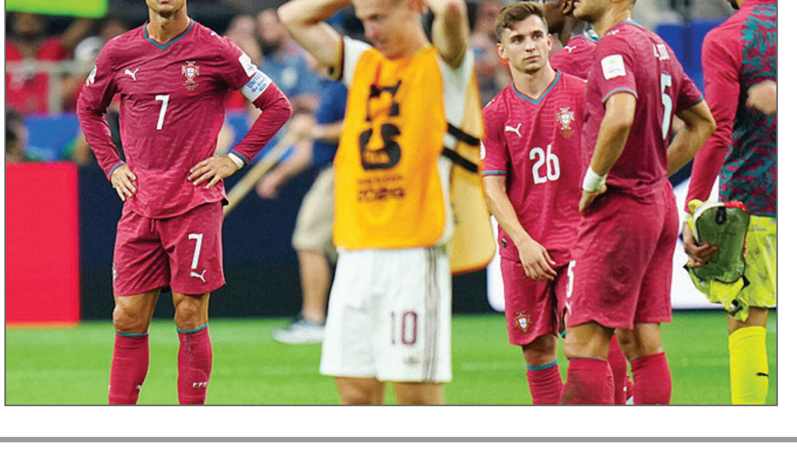

जाने से साफ हो गया कि वह अभी राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध हैं।

वेल्स के खिलाफ मुकाबले से पहले रोनाल्डो ने अपने भविष्य को लेकर कहा, 'जब भी वे कहेंगे कि वे मुझे राष्ट्रीय टीम में नहीं चाहते, मैं सबसे पहले जाने वाला व्यक्ति बनूंगा। जब मुझे लगेगा कि मैं टीम में कुछ नहीं जोड़ रहा हूं या माहौल खराब कर रहा हूं, तो मैं सबसे पहले चला जाऊंगा। मैं अपना सूटकेस उठाऊंगा और चला जाऊंगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'पुर्तगाल के लोग मुझ पर भरोसा करते हैं। इसी वजह से मैं अभी यहां हूं। सिर्फ आंकड़ों को देखिए, मुझे यकीन है कि आप कुछ गणना कर सकते हैं। मैं अभी भी अच्छा कर रहा हूं। जिस दिन उन्हें मुझ पर भरोसा नहीं रहेगा, कोई समस्या नहीं है, मैं चला जाऊंगा। मैं हमेशा इस महासंघ का नंबर एक प्रशंसक रहूंगा।'

विश्व कप के बाद संन्यास पर किया था विचार

रोनाल्डो ने माना कि विश्व कप से बाहर होने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से हटने के बारे में विचार किया था। हालांकि, पुर्तगाल के राष्ट्रपति पेड्रो प्रोएंका और कोच जॉर्ज जीसस के साथ बातचीत के बाद उन्होंने खेलना जारी रखने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'हां, मैंने ऐसा किया था। बेशक, मैं हमेशा अपने फैसलों, अपने भविष्य और वर्तमान के बारे में सोचता रहता हूं। मैं सोचने वाला इंसान हूं, आपको सोचना पड़ता है। इसी वजह से आप मुझे अब यहां देख रहे हैं। इसका मतलब है कि मैं जारी रखूंगा।' रोनाल्डो ने यह भी कहा कि वह सिर्फ गोल करने के लिए नहीं, बल्कि युवा खिलाड़ियों की मैदद करके भी टीम में योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी विश्वास है कि मैं राष्ट्रीय टीम को वह हासिल करने में मदद कर सकता हूं जो वह चाहती है। मुझे लगता है कि मैं राष्ट्रीय टीम को अपना समर्थन दे सकता हूं, सिर्फ गोल के जरिए नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी।'